RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए अक्टूबर 2025 वर्ष 04, अंक 10 , मासिक पत्रिका

ISO 9001:2015 CERTIFIED

दिवाली पर राशि अनुसार करें शुभ खरीदारी, बदल जाएगी आपकी किस्मत!

धनतेरस से लेकर दीवाली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज तक चलने वाले इस महापर्व में खरीदारी का विशेष महत्व होता है. ज्योतिष के अनुसार, अगर आप अपनी राशि अनुसार वस्तुएं खरीदें तो न सिर्फ सुख-समृद्धि आती है, बल्कि जीवन में भाग्य वृद्धि भी होती है. आइए जानते हैं कि आपकी राशि के लिए इस दिवाली क्या खरीदारी शुभ रहेगी.प्रकाश का पर्व दीपावली खुशियों और समृद्धि का त्योहार है. यह पर्व सिर्फ घरों को रोशन करने का नहीं, बल्कि जीवन में धन, वैभव और सौभाग्य लाने का भी एक स्वर्णिम अवसर होता है. ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, दिवाली पर की गई खरीदारी का विशेष महत्व होता है. अगर आप अपनी राशि के अनुसार शुभ वस्तुएं खरीदते हैं, तो मां लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसती है और आपके जीवन से दरिद्रता दूर होती है. पंचांग के अनुसार, इस वर्ष दिवाली का पर्व 20 अक्टूबर 2025, सोमवार को मनाया जाएगा. इस शुभ अवसर पर अपनी राशि के स्वामी ग्रह के अनुसार खरीदारी करने से आपको अधिकतम लाभ मिल सकता है.

मेष राशि (Aries)

राशि स्वामीः मंगल
शुभ खरीदारीः मेष राशि वालों के लिए चांदी के बर्तन या चांदी का सिक्का खरीदना बहुत शुभ होगा. इसके अलावा, आप पीतल, लाल या तांबे की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं. ये खरीदारी आपके करियर में तरक्की लाएगी.

वृषभ राशि (Taurus)

राशि स्वामीः शुक्र
शुभ खरीदारीः वृषभ राशि के जातकों को चांदी का सिक्का, श्री यंत्र, गोमती चक्र या हीरा जड़ित आभूषण खरीदना अत्यंत लाभकारी रहेगा. इससे आपके घर में धन और वैभव में वृद्धि होगी.

मिथुन राशि (Gemini)

राशि स्वामीः बुध
शुभ खरीदारीः इस राशि के लोग कांसे के बर्तन, डेकोर आइटम या पन्ना रत्न खरीद सकते हैं. यह आपकी बुद्धि और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. गणेश जी की प्रतिमा खरीदना भी आपके लिए शुभ है.

कर्क राशि (Cancer)

राशि स्वामीः चंद्रमा
शुभ खरीदारीः कर्क राशि वालों के लिए चांदी की वस्तुएं, विशेषकर चांदी के आभूषण या सिक्के खरीदना बहुत अच्छा रहेगा. आप मोती की माला भी खरीद सकते हैं.

सिंह राशि (Leo)

राशि स्वामीः सूर्य
शुभ खरीदारीः सिंह राशि के जातकों को सोने के आभूषण, तांबे के बर्तन, या माणिक रत्न खरीदना श्रेष्ठ रहेगा. अगर बजट कम है, तो आप सोने का पानी चढ़ी हुई वस्तुएं भी खरीद सकते हैं. यह खरीदारी आपके आत्मविश्वास और सफलता के योग बनाएगी.

कन्या राशि (Virgo)

राशि स्वामीः बुध
शुभ खरीदारीः कन्या राशि के लिए कांसे या फूल के बर्तन, पन्ना रत्न या गणेश जी की प्रतिमा खरीदना शुभ है. ये वस्तुएं आपके बुध ग्रह को मजबूत करेंगी और समृद्धि लाएंगी.

तुला राशि (Libra)

राशि स्वामीः शुक्र
शुभ खरीदारीः तुला राशि के लिए चांदी की वस्तुएं खरीदना सबसे उत्तम है. आप हीरा जड़ित आभूषण, चांदी का सिक्का या श्री यंत्र खरीद सकते हैं. यह खरीदारी आपके धन संबंधी रुकावटों को खत्म करेगी.

वृश्चिक राशि (Scorpio)

राशि स्वामीः मंगल
शुभ खरीदारीः वृश्चिक राशि के लोगों को तांबे के बर्तन, लाल रंग की वस्तुएं, या प्रॉपर्टी में निवेश करना शुभ माना जाता है. यह आपकी किस्मत को चमकाने में मदद करेगा.

धनु राशि (Sagittarius)

राशि स्वामीः बृहस्पति
शुभ खरीदारीः धनु राशि वालों को सोने के आभूषण, पीतल के बर्तन, या कोई धार्मिक पुस्तक खरीदनी चाहिए. इससे आपको ज्ञान, मान-सम्मान और आर्थिक लाभ मिलेगा.

मकर राशि (Capricorn)

राशि स्वामीः शनि
शुभ खरीदारीः मकर राशि के लिए लोहे या स्टील के बर्तन (जैसे कि तिजोरी या कढ़ाई) या वाहन खरीदना शुभ माना जाता है. आप नीलम रत्न भी खरीद सकते हैं.

कुंभ राशि (Aquarius)

राशि स्वामीः शनि
शुभ खरीदारीः कुंभ राशि के जातक लोहे की वस्तुएं, वाहन, या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीद सकते हैं. इसके अलावा, काले तिल या सरसों का तेल दान के लिए खरीदना भी अत्यंत शुभ है.

मीन राशि (Pisces)

राशि स्वामीः बृहस्पति
शुभ खरीदारीः मीन राशि के लिए सोना, पीतल के बर्तन, या हल्दी की गांठ खरीदना बहुत लाभकारी होता है.

दो दिन रहेगी अमावस्या, ऐसे में जानिए 20 या 21 अक्टूबर किस दिन मनाई जाएगी दिवाली

दिवाली की तारीख को लेकर इस बार काफी कन्फ्यूजन बना हुआ है। कुछ लोग 20 तो कुछ 21 अक्टूबर को दिवाली बता रहे हैं। लेकिन ज्योतिषाचार्यों अनुसार दिवाली मनाने की सही डेट क्या है यहां हम इस बारे में आपको बताएंगे। दिवाली की सही तारीख का पता लगाने के लिए ये जानना जरूरी है कि आखिर ये पर्व मनाया किस दिन जाता है। तो आपको बता दें कि दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस साल ये तिथि 20 अक्टूबर 2025 की दोपहर 3 बजकर 44 मिनट से शुरू होकर 21 अक्टूबर की शाम 5 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। यानी अमावस्या दो दिन पड़ रही है जिस वजह से ही इस पर्व की तारीख को लेकर कन्फ्यूजन बना हुआ है। हिंदू धर्म में ज्यादातर त्योहारों में उदया तिथि को प्राथमिकता दी गई है और अगर उदया तिथि के हिसाब से देखें तो अमावस्या 21 अक्टूबर को मान्य होगी। तो क्या ऐसे में दिवाली का त्योहार 21 अक्टूबर को मनाया जाएगा? चलिए आपकी इस कन्फ्यूजन को दूर करते हैं और बताते हैं दिवाली की सही तारीख।

उदया तिथि क्या होती है?

उदया तिथि का मतलब है वो तिथि जो सूर्योदय के समय मौजूद रहे। भले ही ज्यादातर त्योहारों में उदया तिथि ही मान्य होती है लेकिन दिवाली पर्व के साथ ऐसा नहीं है। शास्त्रों अनुसार दिवाली का त्योहार अमावस्या तिथि की रात में मनाया जाता है इसलिए इस पर्व में प्रदोषकाल व्यापिनी तिथि देखी जाती है। दिवाली रात्रि का पर्व है और इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल और निशीथ काल में की जाती है। ये दोनों ही मुहूर्त अमावस्या तिथि के साथ 20 अक्टूबर 2025 को मिल रहे हैं। यही कारण है कि दिवाली पर्व 20 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा न कि 21 अक्टूबर को।

हमारा देश हमारा अभिमान

सुविचार

"महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।"

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- किशोर कान्याल साइंटिस्ट रजनीश चतुर्वेदी
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय
- एडवोकेट :शशिकांत चतुर्वेदी, हाइकोर्ट ग्वालियर

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन मेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- श्री अतेंद्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन
- श्री एडवोकेट धर्मेंद्र चतुर्वेदी कानूनी सलाहकार

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा
- श्री अनूप शर्मा , एम डी मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन
- श्री राजेश शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी । (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

संपादकीय	04-05
ग्वालियर	06-07
दीपावली	08-11
इंदौर	12-15
मध्य प्रदेश	17-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेंडिंग जॉब	51

ये हैं दिल्ली की होलसेल क्लॉथ मार्केट, आप भी घूम आएं एक बार

हम सभी डिजाइनर व स्टाइलिश कपड़े पहनना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हम एक बड़ी रकम खर्च करते हैं। दरअसल, जब हम किसी रेडीमेड शॉप पर जाते हैं तो वहां पर एक-एक आउटफिट को खरीदने के लिए हजारों रूपए खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में आप बेहद ही लिमिटेड आउटफिट खरीद पाते हैं। लेकिन अगर आप सस्ते में बेस्ट कपड़ा खरीदना चाहती हैं तो आपको दिल्ली की होलसेल मार्केट का रुख करना चाहिए। इनमें कपड़ा इतना सस्ता मिलता है, जिसके बारे में आपने शायद सपने में भी ना सोचा हो।इतना ही नहीं, यहां पर कपड़े की वैरायटी एक बड़ी रेंज भी मिलती हैं। बस आपको इन मार्केट को एक्सप्लोर करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होती है, क्योंकि इन बाजारों में मनपसंद व सबसे सस्ता कपड़ा खरीदने के लिए आपको काफी घूमना पड़ता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दिल्ली की कुछ बेहतरीन होलसेल क्लॉथ मार्केट के बारे में बता रहे हैं-

दिवाली भारतीय अर्थव्यवस्था को उपभोक्ता खर्च में भारी वृद्धि के साथ बढ़ावा देती है

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

इस साल देश भर में त्योहारी खरीदारी करीब सवा चार लाख करोड़ रुपये की होगी पिछले साल यह खरीदारी साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की रही थी इस दौरान कारीगरों, शिल्पकारों और श्रमिकों को बड़े पैमाने पर काम मिलेगा

अभी-अभी दशहरा और दुर्गा पूजा का त्योहार बीता है। देशभर में बीते दस दिनों में दुर्गा पूजा,नवरात्रि और रामलीला जैसे अन्य पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान लाखों करोड़ रुपये के सामान बिके। अब आगे दिवाली आने वाली है। अगले 31 अक्टूबर को देश भर में दिवाली का त्योहार मनाया जाएगा। इससे पहले रक्षा बंधन, गणेश पूजा जैसे त्योहार आए। आपको पता है कि देश में त्योहारों पर कितने का कारोबार होता है? एक अनुमान है कि इस साल त्योहारों पर 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा।

अर्थव्यवस्था को मजबूती, सबको मिलता है काम

त्योहारों पर जो लाखों करोड़ रुपये के सामान बिकते हैं, उससे सिर्फ उद्योगपति या दुकानदारों को ही फायदा होता है, ऐसी बात नहीं होता है। इससे बड़े पैमाने पर कारीगरों, शिल्पकारों एवं श्रमिकों को भी बड़ा रोजगार मिला है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि त्योहारों पर देश भर में बड़े पैमाने पर लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। उत्सव में पंडाल निर्माण से लेकर मूर्ति निर्माण, सजावट, भोजन, कपड़े, बिजली व्यवस्था, पूजा सामग्री, फल-फूल और सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यवसायों को भारी मात्रा में काम मिला है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ होता है।

सिर्फ दशहरे में 50 हजार करोड़ का कारोबार

खंडेलवाल बताते हैं कि दशहरे के 10 दिनों में लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ है। अब आज से अगले 15 दिनों तक देश भर में दिवाली की खरीदारी को लेकर बाजारों में काफी भीड़ रहेगी । इस दौरान तो लोग नए कपड़े से लेकर जेवर और सोने-चांदी के सिक्कों की भी खरीदारी करते हैं। मतलब कि दशहरे से ज्यादा खरीदारी दिवाली में होगी।

त्योहारी खरीदारी चार लाख करोड़ रुपये के पार

कैट आ नुमान बताता है कि इस साल त्योहारी खरीदारी करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये के आसपास रहेगी। इसमें रक्षा बंधन, गणेश चतुर्थी, नवरात्री, दुर्गा पूजा, दशहरा, दिवाली जैसे त्योहार शामिल होंगे। पिछले् साल इन त्योहारों में करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी हुई थी।

त्योहारों का सामाजिक और आर्थिक महत्व भी

त्योहारों से अर्थव्यवस्था को तो बल मिलता ही है, इससे सामाजिक सद्भाव भी प्रगाढ़ होता है। लोग एक-दूसरे से मिलते जुलते हैं। अपने रिश्तेदारों और परिवारजनों से मिलते हैं। उपहारों का आदान-प्रदान होता है। इन आयोजनों से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। विशेष रूप से उन लोगों को जो कारीगरी, सजावट, मूर्ति निर्माण, पंडाल निर्माण, और अन्य श्रम-आधारित कार्यों से जुड़े होते हैं।

वित्तीय सबक दिवाली हमें सिखाती है

दिवाली, रोशनी का शानदार त्योहार, समृद्धि, आशा और बुराई पर अच्छाई की जीत की गूंज के साथ गूंजता है। यह एक ऐसा समय है जब परिवार एक साथ आते हैं, घर खुशियों से जगमगाते हैं और दिल उदारता की भावना से भर जाते हैं। लेकिन चमकदार सजावट और उत्सव की खुशियों से परे, दिवाली वित्तीय ज्ञान पर गहरा सबक देती है जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सदियों से रही है। यह त्योहार हमें अपनी वित्तीय आदतों पर विचार करने, इरादे से निवेश करने, अपनी किस्मत साझा करने, अपनी संपत्ति की रक्षा करने और परिश्रम और दूरदर्शिता के साथ भविष्य की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। जैसे ही हम इस दिवाली दीये जलाते हैं, आइए अपने मन को पांच आवश्यक वित्तीय सबक से रोशन करें जो रोशनी का त्योहार हमें सिखाता है, जो हमें अधिक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की ओर मार्गदर्शन कर सकता है।

अपने वित्तीय पोर्टफोलियो को साफ़ और अव्यवस्थित करें

दिवाली किसी के रहने की जगह की सफाई और नवीनीकरण की परंपरा का पर्याय है, जो अव्यवस्था को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा के स्वागत का प्रतीक है। यह प्रथा वित्तीय स्वच्छता के लिए एक रूपक के रूप में कार्य करती है - हमारे वित्तीय पोर्टफोलियो को नियमित रूप से साफ और व्यवस्थित करने की याद दिलाती है। अपने खर्चों का ऑडिट करें: दिवाली की सफाई से अक्सर उन वस्तुओं का पता चलता है जिनकी हमें अब आवश्यकता नहीं है, और इसी तरह, हमारे खर्चों पर सावधानीपूर्वक नजर डालने से उन खर्च करने की आदतों का पता चल सकता है जो हमारी वित्तीय भलाई में योगदान नहीं देती हैं। पिछले कुछ महीनों के अपने खर्चों पर नजर रखने से शुरुआत करें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आप कटौती कर सकते हैं। इसका मतलब अप्रयुक्त सेवाओं से सदस्यता समाप्त करना, आवेगपूर्ण खरीदारी में कटौती करना, या विवेकाधीन खर्च के लिए अधिक सावधानी से बजट बनाना हो सकता है।

निवेश की समीक्षा करें: दिवाली के उत्साह में, अपने निवेश पोर्टफोलियो से मकड़ी के जाले भी साफ करना बुद्धिमानी है। अपनी संपत्तियों और निवेशों का जायजा लें। क्या वे आपके वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप हैं? शायद कुछ निवेशों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया है या समय के साथ बहुत जोखिम भरे हो गए हैं। इन निधियों को अधिक आशाजनक उद्यमों में पुनः आवंटित करना फायदेमंद हो सकता है। यह विभिन्न निवेश माध्यमों, चाहे वह शेयर बाजार हो, म्यूचुअल फंड या बॉन्ड हो, के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने और अधिक जानकारीपूर्ण निर्णय लेने का भी एक सही समय है।

ऋणों को समेकित करें: जिस तरह दिवाली अंधेरे पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है, उसी तरह कर्ज को समेकित करना और प्रबंधित करना वित्तीय स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त करता है। उच्च-ब्याज वाले ऋण जल्दी ही भारी पड़ सकते हैं, इसलिए उनसे तुरंत निपटना महत्वपूर्ण है। ऋण समेकन विकल्पों पर विचार करें जो ब्याज दरों को कम कर सकते हैं या मासिक भुगतान को कम कर सकते हैं। जिस तरह दीयों का रणनीतिक स्थान पूरे घर को रोशन करता है, उसी तरह ऋण के प्रति एक रणनीतिक दृष्टिकोण आपके ऋण-मुक्त जीवन का मार्ग रोशन कर सकता है।

सरल बनाएं: दिवाली की सुंदरता इसकी सादगी और इससे मिलने वाली खुशी में निहित है। इसी तरह, अपने वित्त को सरल बनाने से आपके नियंत्रण की भावना और मन की शांति बढ़ सकती है। इसमें विलंब शुल्क से बचने के लिए स्वचालित भुगतान स्थापित करना, आसान प्रबंधन के लिए खातों को समेकित करना या निवेश के लिए न्यूनतम दृष्टिकोण अपनाना शामिल हो सकता है।

वित्तीय योजना की कला

जैसे-जैसे दिवाली का त्योहार नजदीक आता है, भारत भर के परिवार इसे भव्यता के साथ मनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और बजट बनाने में जुट जाते हैं। सजावट और मिठाइयाँ खरीदने से लेकर प्रियजनों के लिए उत्तम उपहारों की योजना बनाने तक, निर्धारित बजट के भीतर प्रत्येक विवरण पर सोच-समझकर विचार किया जाता है। दिवाली उत्सव के लिए इस सावधानीपूर्वक वित्तीय योजना को हमारे व्यापक वित्तीय जीवन तक बढ़ाया जा सकता है, जो हमें दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयारी और दूरदर्शिता का मूल्य सिखाएगा।

वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करना: जिस प्रकार हम उत्तम दिवाली उत्सव की कल्पना करते हैं, उसी प्रकार स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने से हमारी बचत और निवेश योजनाओं को दिशा मिलती है। चाहे वह घर पर डाउन पेमेंट के लिए बचत हो, शिक्षा के लिए धन हो, या सेवानिवृत्ति की योजना हो, विशिष्ट लक्ष्य रखने से हमारे वित्त को प्राथमिकता देने और हमें प्रेरित रखने में मदद मिल सकती है।

बजट बनाना:

दिवाली की तैयारियों की आधारशिला एक ऐसा बजट है जो खुशी के उत्सव के साथ खर्चों को संतुलित करता है। इसी तरह, हमारे नियमित वित्त के लिए एक व्यापक बजट हमें अपनी आय को अपनी बचत योजनाओं और खर्चों के साथ संतुलित करने की अनुमति देता है। यह हमारे पैसे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करता है, यह सुनिश्चित करता है कि हम भविष्य की जरूरतों के लिए धन अलग रखते हुए भी अपने साधनों के भीतर रहें।

एक आपातकालीन निधिः दिवाली हमें अप्रत्याशित के लिए तैयार रहना भी सिखाती है। जिस तरह हम कुछ दीये बुझने की स्थिति में अतिरिक्त दीये रखते हैं, उसी तरह एक आपातकालीन निधि भी आवश्यक है। यह एक बैकअप दीया के वित्तीय समकक्ष है, जो अप्रत्याशित खर्चों या वित्तीय मंदी के खिलाफ एक बफर प्रदान करता है।

दिवाली का महत्व अच्छाई की बुराई पर जीत

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

दिवाली का महत्व - दिवाली सबसे अधिक मनाए जाने वाले हिंदू त्योहारों में से एक है, जो हर साल अक्टूबर/नवंबर के महीने में मनाया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, दिवाली मनाने के पीछे अलग-अलग कथाएं हैं जो महत्व बताती हैं। एक महत्वपूर्ण कथा दिवाली के आध्यात्मिक महत्व से संबंधित है। इस कथा के अनुसार, दिवाली लंका के राक्षस राजा रावण को हराने के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ भगवान राम की अयोध्या वापसी का उत्सव है। लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने और भगवान राम का स्वागत करने के लिए मिट्टी के दीपक जलाए। यह दर्शाता है कि कैसे ज्ञान और पुण्य हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करते हैं। एक अन्य आध्यात्मिक कथा भगवान कृष्ण द्वारा राक्षस नरकासुर को हराने के उत्सव से संबंधित है। मथुरा के लोगों ने मिट्टी के दीपक जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में जश्न मनाया। भारत के पश्चिमी राज्यों में, दिवाली मुख्य रूप से उस दिन के रूप में मनाई जाती है कार्तिक अमावस्या के दिन , महीने की सबसे अंधेरी रात को मनाया जाने वाला रोशनी का त्योहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से, दिवाली का त्यौहार आत्मचिंतन और नवीनीकरण का समय माना जाता है, जहां लोग आंतरिक अंधकार और अज्ञानता पर विजय पाने का प्रयास करते हैं, जिसका प्रतीक अंधकार पर प्रकाश की विजय है। देवी लक्ष्मी की पूजा दिवाली का एक केंद्रीय हिस्सा है। लोगों का मानना है कि दिवाली के दौरान उनकी कृपा पाने से उनके घर में समृद्धि और धन-संपत्ति आती है। भारत के कुछ आदिवासी समुदायों में दिवाली का महत्व फसल कटाई के त्यौहार के रूप में है, जो कृषि मौसम के अंत का प्रतीक है और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करता है। त्योहार के दौरान घरों की सफाई और सजावट की पारंपरिक प्रथा, शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों तरह से शुद्धता के महत्व को दर्शाती है। दिवाली का त्यौहार केवल रोशनी का उत्सव ही नहीं है, बल्कि आध्यात्मिकता, धर्म और सांस्कृतिक परंपराओं में भी इसके कई अर्थ हैं। इस लेख में, आइए दिवाली के त्यौहार के महत्व को उसके सभी पहलुओं के साथ विस्तार से देखें।

धनतेरस - इस दिन घरों की सफाई और आगामी दिवाली उत्सव की तैयारी की जाती है, जिसमें अक्सर नई वस्तुओं की खरीदारी भी शामिल होती है। यह देवी लक्ष्मी की पूजा का भी दिन है, और इस दिन कोई कीमती वस्तु या सोना खरीदने की प्रथा है।

छोटी दिवाली - यह दिन भगवान कृष्ण द्वारा राक्षस नरकासुर पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लोग अपने घरों को सजाते हैं, दीप जलाते हैं और उत्सव की तैयारियों में जुट जाते हैं।

दिवाली - दिवाली का मुख्य दिन देवी लक्ष्मी की और भी भव्य पूजा-अर्चना के साथ मनाया जाता है। इसमें पूरी तरह से सफाई, रंगोली बनाना, तेल के दीये जलाना, परिवार के साथ इकट्ठा होना, उपहारों का आदान-प्रदान करना, मिठाइयाँ बाँटना और देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करना शामिल है।

पड़वा - यह दिन भगवान कृष्ण द्वारा अपने लोगों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए विशाल गोवर्धन पर्वत उठाने की उपलब्धि का सम्मान करता है। कई लोग इस महत्वपूर्ण घटना को दर्शाने के लिए मिट्टी और गोबर की मूर्तियाँ बनाते हैं।

भाई दूज - भगवान यम और उनकी बहन यमी के बीच भाई-बहन के रिश्ते से प्रेरित, भाई दूज भाई-बहनों के लिए अपने रिश्तों का सम्मान और मज़बूती का दिन है। बहनें अक्सर अपने भाइयों की भलाई और सफलता के लिए प्रार्थना करती हैं और उनके माथे पर लाल तिलक लगाकर अपने प्यार और आशीर्वाद का प्रतीक बनाती हैं।

दिवाली के महत्व को विभिन्न दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है -

अंधकार पर प्रकाश की विजय - दिवाली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। राक्षस राजा रावण को हराकर भगवान राम के अयोध्या लौटने की कथा इस विजय का एक शक्तिशाली प्रतीक है। दिवाली के दौरान दीये और मोमबत्तियाँ जलाना अज्ञानता के नाश और ज्ञान एवं धर्म की स्थापना का प्रतीक है।

धार्मिक अनुष्ठान - हिंदुओं के लिए, दिवाली एक अत्यंत धार्मिक त्योहार है। यह देवताओं, विशेष रूप से धन और समृद्धि की देवी, देवी लक्ष्मी की पूजा करने का समय है। लोगों का मानना है कि दिवाली के दौरान पूजा-अर्चना और आशीर्वाद लेने से वे अपने घर में सौभाग्य और धन-संपत्ति ला सकते हैं।

फसल उत्सव - भारत के कुछ हिस्सों में, दिवाली को फसल उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो कृषि ऋतु के अंत का प्रतीक है। किसान भरपूर फसल के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और समृद्ध भविष्य के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं।

अनेकता में एकता - दिवाली एक ऐसा त्योहार है जो धार्मिक सीमाओं से परे है। इसे सिख, जैन और बौद्ध सहित विभिन्न धर्मों के लोग समान उत्साह के साथ मनाते हैं। यह समावेशिता एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देती है।

सांस्कृतिक परंपराएँ - दिवाली से जुड़े रीति-रिवाज, जैसे घर की सफाई और सजावट, मिठाइयाँ बनाना और उपहारों का आदान-प्रदान, एकजुटता और पारिवारिक बंधन की भावना को बढ़ावा देते हैं। ये परंपराएँ भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग हैं।

नवीनीकरण और नई शुरुआत - दिवाली को अक्सर नवीनीकरण के समय के रूप में देखा जाता है। लोग अपने घरों की सफाई और नवीनीकरण करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं, और अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में नई शुरुआत करते हैं। यह कायाकल्प और सकारात्मक बदलाव का समय है।

आशा का प्रतीक - दिवाली का त्यौहार आशा और आशावाद का प्रतीक है। दीपों का प्रज्वलन निराशा के अंधकार को दूर करने और आशा के प्रकाश का स्वागत करने का एक सशक्त रूपक है।

सामाजिक उत्सव - दिवाली सिर्फ़ परिवार का ही नहीं, बल्कि समुदाय का भी उत्सव है। लोग एक साथ मिलकर जश्न मनाते हैं, खुशियाँ बाँटते हैं और आनंदमय उत्सवों में हिस्सा लेते हैं, जिससे सामाजिक बंधन मज़बूत होते हैं।

आर्थिक महत्व - दिवाली व्यापार और वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। यह वह समय है जब दुकानें और बाज़ार रंग-बिरंगी सजावट से सज जाते हैं, और लोग उपहारों और नई वस्तुओं की खरीदारी में व्यस्त रहते हैं। इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

वैश्विक उत्सव - दिवाली सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में फैले प्रवासी भारतीयों द्वारा भी मनाई जाती है। यह वैश्विक भारतीय समुदाय के लिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ दिवाली की खुशियाँ बाँटने का एक तरीका है।

किशोर कान्याल ,गुना कलेक्टर

निरंजन शर्मा
लोकायुक्त एस पी ग्वालियर

अनूप शर्मा
एम .डी.पलिया कंस्ट्रक्शन लि.

जय राज कुबेर एडिशनल एस पी
. ग्वालियर ग्रामीण

माननीय तुलसी सिलावट
प्रभारी मंत्री, ग्वालियर

शहर के बाजारों में छाई दीपावली की रौनक ,कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बाड़ा पहुँचकर फुटपाथी दुकानों से खरीदे पवित्र दीपक,एसएसपी के साथ बाजारों का भ्रमण कर व्यवस्थायें देखीं

दीपावली त्यौहार पर ग्वालियर शहर के सभी प्रमुख बाजार सजधजकर तैयार हैं। रंगबिरंगी रोशनियों से नहाए बाजारों की रौनक देखते ही बन रही है। जिलेवासी दीपावली के लिये जमकर खरीददारी कर रहे हैं। इससे व्यापारी भी खुश हैं। बाजारों में फुटपाथ पर बैठकर पवित्र दीपक एवं अन्य पूजन सामग्री बेचने वाले छोटे-छोटे व्यवसाइयों का भी कारोबार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप अच्छा चल रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार की शाम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह के साथ महाराज बाड़ा पहुँचकर दीपावली को ध्यान में रखकर की गई तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इस अवसर पर फुटपाथ पर दुकान लगाकर बैठे छोटे-छोटे व्यवसाइयों से चर्चा कर उनके व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने दीपावली के लिये इनसे छोटे-छोटे व बड़े-बड़े पवित्र दीपक भी खरीदे और महिला दुकानदार को यूपीआई से भुगतान किया। उन्होंने फुटपाथी दुकानों पर रखी पारंपरिक स्वदेशी पूजन सामग्री एवं सजावटी सामान की प्रशंसा की। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने नगर निगम व संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फुटपाथ पर दुकान लगाकर दीपावली के अवसर पर व्यवसाय कर रहे छोटे-छोटे दुकानदारों को कोई तकलीफ नहीं होना चाहिए। इन सबकी सुविधा को ध्यान में रखकर यातायात व्यवस्था को अंजाम दिलायें। व्यवस्था ऐसी हो, जिससे यातायात भी सुचारू बना रहे और छोटे-छोटे दुकानदारों का व्यवसाय भी ठीकसे चलता रहे।

बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया करवाचौथ का वृत

सुनीता कुशवाह
एन जी ओ पदाधिकारी

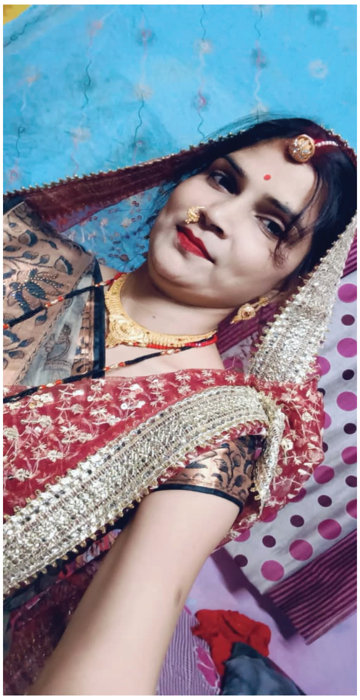

कविता
एन जी ओ सदस्य

रुचि चतुर्वेदी
एन जी ओ

सोनिश बशिष्ठ, पत्रकार

डबरा विधायक सुरेश राजे की एक और बड़ी पहल

नगर पालिका में आ रही पेयजल की समस्या को लेकर विधायक निधि से सीएमओ की डिमांड पर वाटर फाइटर टैंकर विधायक सुरेश राजे की निधि से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी देवी राजा पार्षद एवं जल प्रभारी हरविंदर सिंह हीरा द्वारा टैंकर प्रदान किए गए पार्षद श्री सुमित साहू,पार्षद श्री प्रीति कमलेश बाथम,पार्षद रानी श्री अशोक धानुक पार्षद श्री लवलेश कैन जी,पार्षद श्री सुनहरी रावत जी,पार्षद श्री नरेश पलिया जी,पार्षद श्री राजेश दुबे जी पार्षद श्री कपिल चौहान जी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक पाराशर एवं मिडिया विभाग के जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र मंडेलिया जी, सरपंच धर्मेंद्र जाट जी, उपस्थित रहे।

दिवाली सजावट के आइडियाज़ अपने घर को सुंदर बनाने के लिए

दिवाली के लिए अपने घर को सजाने से एक शुभ वातावरण बन सकता है और माहौल को बेहतर बनाया जा सकता है। दिवाली की सजावट का आध्यात्मिक महत्व है और यह देवी-देवताओं को प्रसन्न करती है। यहाँ 2025 के लिए दिवाली की सजावट के बेहतरीन आइडिया दिए गए हैं! दिवाली एक ऐसा भारतीय त्योहार है जो घर को सजाए बिना अधूरा सा लगता है। अपने घर के लिए दिवाली की सजावट के आइडियाज पर विचार-मंथन शुरू करने से पहले , आपको एक और जरूरी काम पूरा करना होगा। अपने अपार्टमेंट को दिवाली की लाइट्स और दूसरे सजावटी सामानों से सजाने का पहला कदम है अपने घर की सफाई। आपकी दिवाली की रस्म में जितनी गहराई मायने रखती है, उतनी ही सजावट भी! चाहे आप दो या तीन मंजिला घर में रहते हों, बंगले में या किराए के अपार्टमेंट में, ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपनी बड़ी या छोटी जगह को सजा सकते हैं और अपने घर को उत्सवी और आरामदायक बना सकते हैं। दिवाली के लिए अपने घर को सजाना एक ऐसा दिल को छू लेने वाला काम है जिसमें घर का हर सदस्य शामिल होता है। यह आपके परिवार और दोस्तों के साथ जुड़ने और काम पूरा करते हुए नई यादें बनाने का एक अच्छा तरीका है।

सफाई जैसा साधारण काम भी अपनों के साथ मिलकर करने पर आनंददायक बन सकता है। सफाई पर इतना जोर इसलिए दिया जाता है क्योंकि दीपों का यह त्योहार देवी लक्ष्मी के लिए समर्पित है, और सारी साफ़-सफ़ाई और सजावट उनके स्वागत के लिए होती है। हिंदू धर्म के अनुसार, लक्ष्मी केवल साफ़-सुथरे घर में ही निवास करती हैं। इसलिए, अगर आप समृद्धि चाहते हैं, तो अपने घर को भी उतनी ही लगन से साफ़ और सजाना बेहद जरूरी है।

आपके घर के लिए दिवाली सजावट के विचार

अगर आपका बजट सीमित है और आपको लगता है कि आपको सजावट के मामले में खुद को सीमित रखना होगा, तो आप बिलकुल गलत नहीं हो सकते। इसलिए हमने आपके बजट के हिसाब से आपके घर को सजाने के कुछ आसान लेकिन खूबसूरत आइडियाज़ इकट्ठा किए हैं।

1. दिवाली सजावट आइडिया – गेंदा फूल इकट्ठा करें

कोई भी पूजा, त्यौहार या यहाँ तक कि हिंदू विवाह तब तक पूरा नहीं माना जाता जब तक सजावट में गेंदा फूल, जिसे गेंदा फूल भी कहा जाता है, शामिल न हो। गेंदा फूल को 'योग की जड़ी-बूटी' कहा जाता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इसकी खुशबू तनाव और नकारात्मकता को दूर भगाने और आपके मूड को बेहतर बनाकर आशावाद की भावना लाने की शक्ति रखती है। इस फूल के किसी भी हिंदू समारोह का एक अभिन्न अंग होने का एक और कारण यह है कि नारंगी और पीले रंग शुभ माने जाते हैं और माना जाता है कि ये किसी भी नई शुरुआत को आशीर्वाद देते हैं।

2. दिवाली सजावट का आइडिया- मुख्य द्वार को सुंदर बनाएं

दिवाली के लिए घर को तुरंत रोशन करने का एक आसान तरीका है अपने मुख्य द्वार को सजाना। खूबसूरत लाइट्स लगाएँ या गेंदे के फूलों और आम के पत्तों से पारंपरिक सजावट करें। दीयों, रंगोली और यहाँ तक कि तैरती मोमबत्तियों से भी इसे भव्य बनाएँ।

3. दिवाली सजावट का आइडिया- इनडोर पौधों का उपयोग करें

दिवाली पर अपने घर को सजाने के सबसे पर्यावरण-अनुकूल तरीकों में से एक है, घर के अंदर लगे पौधों को सजावट के तौर पर इस्तेमाल करना। कुछ पारंपरिक मिट्टी के गमले खरीदें और उन्हें सुंदर बनाने के लिए गेरू (प्राकृतिक रंग) लगाएँ। छोटे फर्न, बोनसाई और मनी प्लांट लगाएँ और उन्हें अपने लिविंग रूम में सजाएँ। उन्हें उभारने के लिए परी जैसी लाइट्स का इस्तेमाल करें।

वास्तु शास्त्र भी दिवाली के दौरान पेंटिंग्स में निवेश करने की सलाह देता है। नदियों, पहाड़ों या घने जंगलों की कुछ खूबसूरत प्राकृतिक पेंटिंग्स खरीदकर उन्हें अपने लिविंग रूम की दीवार पर सजाएँ। ये बिना ज़्यादा कुछ किए आपके घर की खूबसूरती बढ़ा देती हैं।

4. दिवाली सजावट का आइडिया- कुछ पेंटिंग्स में निवेश करें

वास्तु शास्त्र भी दिवाली के दौरान पेंटिंग्स में निवेश करने की सलाह देता है। नदियों, पहाड़ों या घने जंगलों की कुछ खूबसूरत प्राकृतिक पेंटिंग्स खरीदकर उन्हें अपने लिविंग रूम की दीवार पर सजाएँ। ये बिना ज़्यादा कुछ किए आपके घर की खूबसूरती बढ़ा देती हैं।

5. दिवाली सजावट का आइडिया – सजावटी गलीचे सजावट हैं

इंटीरियर डिज़ाइन का यह एक छोटा सा हिस्सा आपके अपार्टमेंट की शक्ल पूरी तरह बदल सकता है। त्योहारों का मौसम है, इसलिए चटख रंगों के गलीचे खरीदें। आपकी दीवारों या फ़र्नीचर से कंट्रास्ट करने वाला कोई भी गलीचा एक बेहतरीन विकल्प है। अगर आपकी दीवारें हल्के रंग की हैं, तो गहरे या चटख रंग का गलीचा चुनना सबसे अच्छा कंट्रास्ट कॉम्बिनेशन है।

6. दिवाली सजावट का आइडिया- पर्दे और पर्दों के साथ काम करें

आपके अपार्टमेंट की पुनर्सज्जा के लिए यह भी एक ज़रूरी चीज़ है। अपनी ज़रूरतों के हिसाब से, चटख या हल्के रंग के पर्दों में निवेश करें। इसमें डिज़ाइन के इतने सारे विकल्प हैं कि आपके पास कभी भी विकल्पों की कमी नहीं होगी। दिवाली के लिए, आप पारंपरिक मैरून, पीले या सरसों के रंग के पर्दे चुन सकते हैं। आप अपने पर्दों की लंबाई के साथ परी लाइटें भी लटका सकते हैं या उन्हें रेलिंग पर लगाकर अपने कमरे के कोनों को रोशन कर सकते हैं।

दिवालीः रोशनी का एक शाश्वत त्योहार

दिवाली, जिसे दीपावली के नाम से भी जाना जाता है, भारत और दुनिया भर में भारतीय समुदायों द्वारा मनाए जाने वाले सबसे जीवंत और महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पावन त्योहार अपने उल्लासपूर्ण वातावरण, जगमगाती रोशनी, जीवंत सजावट और एकजुटता की भावना से चिह्नित है। 2023 में, दिवाली 12 नवंबर को मनाई जाएगी, जो लाखों लोगों के जीवन में खुशियाँ और समृद्धि का स्वागत करेगी।

दिवाली क्यों मनाई जाती है?

दिवाली का त्यौहार विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। मुख्यतः, यह बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह भगवान राम, उनकी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ राक्षसराज रावण को हराकर और सीता को छुड़ाकर अयोध्या लौटने का प्रतीक है। जब वे अयोध्या लौटे, तो लोगों ने तेल के दीप जलाकर उनका स्वागत किया, जो धर्म की विजय और अज्ञानता के नाश का प्रतीक है।

इतिहास और परंपराः

दिवाली एक प्राचीन हिंदू त्योहार है जिसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ें हैं और कई पौराणिक कथाओं में इसका महत्व है। इस उत्सव के दौरान तेल के दीये जलाना, आतिशबाजी करना, उपहारों का आदान-प्रदान करना और स्वादिष्ट मिठाइयाँ और नमकीन व्यंजन बनाना कुछ पारंपरिक रीति-रिवाज हैं। परिवार धन और समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए अपने घरों की सफाई करते हैं और उन्हें रंग-बिरंगी रंगोली और चमकदार रोशनी से सजाते हैं।

यह त्यौहार कुछ क्षेत्रों में हिंदू नववर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है, जो एक नई शुरुआत और जीवन के नवीनीकरण का प्रतीक है।

दिवाली का महत्वः

दिवाली का त्योहार गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है। जलते हुए दीये, आतिशबाजी और मिठाइयाँ बाँटना खुशियाँ फैलाने और अंधकार को दूर भगाने का प्रतीक है। यह वह समय है जब परिवार एक साथ आते हैं, रिश्ते सुधारते हैं, पुरानी शिकायतों को भुलाकर एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हैं। दिवाली धन और समृद्धि की प्रचुरता का भी उत्सव है, जो आने वाले वर्ष के लिए देवी लक्ष्मी की कृपा का आह्वान करती है। बुराई पर अच्छाई की जीत में विश्वास और आंतरिक ज्ञान का महत्व, दिवाली को एक प्रिय और पूजनीय त्योहार बनाते हैं।

बहुत अलौकिक है दिवाली का पर्व, इस दिन का आध्यात्मिक महत्व समझे बिना नहीं कर पायेंगे अपने आत्मा की शुद्धि

दिवाली यानि दीयों की रोशनी से भरपूर माहौल, लक्ष्मी पूजा और ढेर सारी खुशियाँ। दीवाली पर्व भले ही ऊपर से देखने में साधारण लगता हो लेकिन यह खुद में कई आध्यात्मिक महत्ताओं को समेटे हुए है। यह वही दिन है जब राम लंका पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे और यह वही दिन है जब नचिकेता यमराज से ज्ञान लेकर पृथ्वी पर वापस आया था। इस तरह से देखें, तो यह दिन कई सारी महत्वपूर्ण घटनाओं को समेटे हुए है, जो किसी न किसी बात का प्रतीक है। तो, चलिए समझते हैं दीवाली को आध्यात्मिक नजरिये से और इन प्रतीकों के माध्यम से...प्रकाश का प्रतीक

दीपावली यानि प्रकाश का पर्व। दीये की रोशनी से अंधकार का नाश होता है। ये अन्धकार अज्ञानता और नकारात्मकता का प्रतीक है। आध्यात्मिक दृष्टि से, दीपक का प्रकाश आत्मज्ञान और सत्य की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि हमें अपने जीवन में सत्य और ज्ञान के प्रकाश को जलाए रखना चाहिए, ताकि अज्ञानता और अधर्म का अंधकार दूर हो सके। दीये की यह रोशनी हमारे भीतर की अच्छाइयों का भी प्रतीक है, जिसे हमें हर समय जलाए रखना चाहिए।

आत्मा की शुद्धि

दीपावली पर घर की सफाई विशेष महत्व है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, यह बाहरी सफाई हमारी आंतरिक शुद्धि का प्रतीक है यानि हमारे मन और आत्मा की शुद्धि। इस शुद्धि के बिना हम उच्चतम आध्यात्मिक स्थिति प्राप्त नहीं कर सकते हैं। यह पर्व हमें आत्मा की शुद्धि और पवित्रता का संदेश देता है।

लक्ष्मी पूजन

दीपावली पर माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है, जो धन, समृद्धि और सुख-शांति की देवी हैं। कई लोग सोचते हैं कि लक्ष्मी पूजन केवल भौतिक धन और समृद्धि की प्राप्ति के लिए किया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। यह पूजन माता लक्ष्मी से आत्मिक समृद्धि और आंतरिक शांति के लिए भी किया जाता है, जो असली धन है। लक्ष्मी पूजन हमें यह सिखाता है कि सच्ची समृद्धि और शांति केवल भौतिक वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और संतोष में समाहित है।

अंहकार और बुराई का नाश

दीवाली में दीये जलाने की प्रथा की शुरुआत तब हुई थी जब भगवान् राम लंका पर विजय प्राप्त कर अयोध्या वापस लौटे थे। यह कथा दीवाली का मूल है, जो हमें यह सिखाती है कि अहंकार, अधर्म और बुराई का अंत सुनिश्चित है और सत्य, धर्म और अच्छाई की हमेशा जीत होती है।

दीपावली का पर्व पूरा परिवार मिल जुलकर मनाता है। यह पर्व हमें सामूहिकता, समर्पण और सहयोग का महत्व सिखाता है। आध्यात्मिक रूप से यह पर्व हमें आत्मज्ञान, शुद्धि, समृद्धि और धर्म का संदेश देता है। यह पर्व हमें अपने जीवन में सत्य, ज्ञान और प्रकाश को जलाए रखने की प्रेरणा देता है।

दिवाली के 5 दिन का महत्व

'दीपावली' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ "प्रकाश की पंक्तियाँ" होता है| भारतीय कैलेंडर के हिसाब से यह त्यौहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है| यह पर्व ज्ञान (प्रकाश) का अज्ञानता (अंधेरे) पर विजयी होने का प्रतीक है|

पटाखे और आतिशबाजी

क्रोध, ईर्ष्या या भय - जो भी नकारात्मकता आपके मन में पिछले एक साल में जमा हो गई है, वह सभी पटाखे के रूप में विस्फोट हो जाना चाहिए| प्रत्येक पटाखा के साथ, किसी भी व्यक्ति के लिए आपके मन में जो भी नकारात्मकता हो उसका विस्फोट करें या पटाखे के उपर उस व्यक्ति का नाम लिखें और उसका विस्फोट करें और सिर्फ यह जाने कि सभी बुरी भावनाएं, ईर्ष्या, आदि जला दिए गए हैं। लेकिन हम क्या करते हैं? नकारात्मकता को मिटाने के बजाय, या तो हम उस व्यक्ति को मिटाना चाहते है या अपने आप को नकारात्मकता की आग में जलाया करते हैं। आपके पास दूसरा रास्ता भी होना चाहिए। सभी नकारात्मकता या बुरी भावनाएं पटाखे के साथ फोड दें और फिर से उस व्यक्ति के साथ मित्रता बनाए, तब आप प्रेम, शांति और आनंद के साथ हल्कापन महसूस करेंगे| इसके पश्चात् उस व्यक्ति के साथ मिठाई बांटे और दीवाली का जश्न मनाएं। उस व्यक्ति को नहीं लेकिन उस व्यक्ति के अवगुणों का पटाखों से विस्फोट करना ये सही मायने में दिवाली है।

यह उत्सव ढलते चाँद के पखवाड़े के 13 दिन से प्रारंभ होता है।

पहला दिन - धनतेरस

उत्सव के पहले दिन, घरों और व्यावसायिक परिसर को पुनर्निर्मित किया जाता है और सजाया जाता हैं। धन और समृद्धि (लक्ष्मी) की देवी के स्वागत के लिए रंगोली की डिजाइन के सुंदर पारंपरिक रूपांकनों के साथ रंगीन प्रवेश द्वार बनाए जाते है। उसकी लम्बी प्रतीक्षा का आगमन दर्शाने के लिए, घर में चावल के आटे और कुमकुम से छोटे पैरों के निशान बनाएं जाते है। पूरी रात दीपक जलाए जाते है। इस दिन को शुभ माना जाता है इसलिए, महिलाएं कुछ सोने या चांदी या कुछ नए बर्तन खरीदती है और भारत के कुछ भागों में, पशु की भी पूजा की जाती हैं।

इस दिन को धन्वन्तरि-(आयुर्वेद के भगवान या देवताओं के चिकित्सक) का जन्मदिन माना जाता है और धन्वन्तरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन पर, मृत्यु के देवता- यम का पूजन करने के लिए सारी रात दीपक जलाएं जाते हैं इसलिए यह 'यमदीपदान' के रूप में भी जाना जाता है। यह असमय मृत्यु के डर को दूर करने के लिए माना जाता है।

दूसरा दिन - नर्क चतुर्दशी

दूसरे दिन नर्क चतुर्दशी होती है| इस दिन सुबह जल्दी जागना और सूर्योदय से पहले स्नान करने की एक परंपरा है। कहानी यह है कि दानव राजा नरकासुर- प्रागज्योतीसपुर (नेपाल का एक दक्षिण प्रांत) के शासक- इंद्र देव को हराने के बाद, अदिति (देवताओं कि माँ) के मनमोहक झुमके छीन लेते हैं और अपने अन्तःपुर में देवताओं और संतों की सोलह हजार बेटियों को कैद कर लेते हैं। नर्क चतुर्दशी के अगले दिन, भगवान कृष्ण ने दानव को मार डाला और कैद हुई कन्याओं को मुक्त कराकर, अदिति के कीमती झुमके बरामद किये थे। महिलाओं ने अपने शरीर को सुगंधित तेल से मालिश किया और अपने शरीर से गंदगी को धोने के लिए एक अच्छा स्नान किया। इसलिए, सुबह जल्दी स्नान की यह परंपरा बुराई पर दिव्यता की विजय का प्रतीक है। यह दिन अच्छाई से भरा एक भविष्य की घोषणा का प्रतिनिधित्व करता है।

तीसरा दिन - लक्ष्मी पूजन

तीसरा दिन समारोह का सबसे महत्वपूर्ण दिन है-लक्ष्मी पूजा। यह वह दिन है जब सूरज अपने दूसरे चरण में प्रवेश करता है। अंधियारी रात होने के बावजूद भी इस दिन को बहुत ही शुभ माना जाता है। छोटे छोटे टिमटिमाते दीपक पूरे शहर में प्रज्वलित होने से रात का अभेद्य अंधकार धीरे-धीरे गायब हो जाता है। यह माना जाता है कि लक्ष्मीजी दीपावली कि रात को पृथ्वी पर चलती हैं और विपुलता व समृद्धि के लिए आशीर्वाद की वर्षा करती है। इस शाम लोग लक्ष्मी पूजा करते है और घर की बनाई हुए मिठाई सभी को बांटते है।

यह बहुत ही शुभ दिन है क्योंकि इसी दिन कई संतों और महान लोगों ने समाधि ली और अपने नश्वर शरीर छोड़ दिया था। महान संतो के दृष्टांत में भगवान कृष्ण और भगवान महावीर शामिल हैं। यह वो दिन भी है जब भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद माता सीता और लक्ष्मण के साथ घर लौटे थे।

इस दिवाली के दिन के बारे में एक बहुत ही दिलचस्प कहानी कठोपनिषद से भी है| एक छोटा सा लड़का था जिसका नाम नचिकेत था| वह मानता था कि मृत्यु के देवता यम, अमावस्या की अंधेरी रात के जैसे रूप में काले हैं लेकिन जब वह व्यक्ति के रूप में यम से मिला, तो वह यम का शांत चेहरा और सम्मानजनक कद देखकर हैरान रह गया। यम ने नचिकेता को समझाया केवल मौत के अंधेरे के माध्यम से गुजरने के बाद व्यक्ति उच्चतम ज्ञान की रोशनी देखता है और उसकी आत्मा, परमात्मा के साथ एक होने के लिए अपने शरीर के बंधन से मुक्त होती हैं। तब नचिकेता को सांसारिक जीवन के महत्व और मृत्यु के महत्व का एहसास हुआ। अपने सभी संदेह को छोडकर, उसने फिर दिवाली के समारोह में हिस्सा लिया।

चौथा दिन - गोवर्धन पूजा (बलि प्रतिपदा)

समारोह का चौथा दिन वर्ष प्रतिपदा के रूप में जाना जाता है और राजा विक्रम की ताजपोशी को चिह्नित करता है। यह वो दिन भी है जब भगवान कृष्ण ने भगवान इंद्र की मूसलाधार बारिश के क्रोध से गोकुल के लोगों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था।

पांचवा दिन - भाईदूज

भाइयों और बहनों के बीच प्रेम का प्रतीक दर्शाता है। भाई उन्हें उनके प्यार की निशानी के रूप में एक उपहार देते हैं।

यह माना जाता है कि धन (लक्ष्मी देवी) बहुत क्षणिक है और यह केवल वहीं रहती है, जहां कड़ी मेहनत, ईमानदारी और कृतज्ञता हो। श्रीमद भागवत में, वहाँ एक घटना के बारे में एक उल्लेख है जब देवी लक्ष्मी ने राजा बली का शरीर छोड़ दिया और भगवान इंद्र के साथ जाना चाहती थी। पूछताछ पर उन्होंने कहा कि वह केवल वहीं रहती है, जहां 'सत्य', 'दान', 'तप', 'पराक्रम' और 'धर्म' हो।

इस दिवाली हम सब प्रार्थना करे और आभारी महसूस करें। विश्व के हर कोने में समृद्धि हो और सभी लोग प्यार, खुशी और अपने जीवन में विपुलता का अनुभव करे।

डबरा विधायक सुरेश राजे की एक और बड़ी पहल

नगर पालिका में आ रही पेयजल की समस्या को लेकर विधायक निधि से सीएमओ की डिमांड पर वाटर फाइटर टैंकर विधायक सुरेश राजे की निधि से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी देवी राजा पार्षद एवं जल प्रभारी हरविंदर सिंह हीरा द्वारा टैंकर प्रदान किए गए पार्षद श्री सुमित साहू,पार्षद श्री प्रीति कमलेश बाथम,पार्षद रानी श्री अशोक धानुक पार्षद श्री लवलेश कैन जी,पार्षद श्री सुनहरी रावत जी,पार्षद श्री नरेश पलिया जी,पार्षद श्री राजेश दुबे जी पार्षद श्री कपिल चौहान जी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक पाराशर एवं मिडिया विभाग के जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र मंडेलिया जी, सरपंच धर्मेंद्र जाट जी, उपस्थित रहे।

स्वदेशी वस्तुओं के विक्रेता एवं उपभोक्ताओं का किया सम्मान

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के गर्व से कहो हम स्वदेशी है के अभियान को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा दीपावली के शुभ अवसर के पूर्व स्वदेशी वस्तुएं के विक्रेताओं से संपर्क कर उनका सम्मान किया एवं बाजार में उपस्थित उपभोक्ताओं का भी स्वदेशी वस्तुएं लेने पर फूलों से वर्षा करके उन्हें धन्यवाद प्रेषित किया । इस अवसर पर भोपाल नगर निगम महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, पार्षद एवं जोन अध्यक्ष श्रीमति पूजा शर्मा, मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू, महामंत्री मनोज घट, युवा मोर्चा महामंत्री अजय साहू, विनोद सोनी, गंगाराम यादव, मोहन जटिया, राहुल यादव, शेलू खंडेलवाल, शुभम सेन, नितिन संकत,तरण प्रजापति, प्रियेश सक्सेना, मनोज बंसल, प्रदीप वर्मा, सोनू साहू सहित अनेक कार्यकर्ता एवं व्यापारी गण उपस्थित रहे।

अभियुक्त सुमेश शर्मा द्वारा बैंक एजेंसी credit कार्ड bill payment recovery के नाम पर निवेश ठगी

क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में बैंक एजेंसी के नाम पर निवेश ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अभियुक्त ने स्वयं को RBL Bank एवं IndusInd Bank की रिकवरी एजेंसियों – "Vivid Management Hub India Pvt. Ltd." तथा "Asper BPO Pvt. Ltd." – में सुपरवाइज़र बताकर, पीड़ितों को क्रेडिट कार्ड रोटेशन और फंडिंग स्कीम के नाम पर निवेश करवाने हेतु प्रलोभीत किया। अभियुक्त ने इस योजना के अंतर्गत पीड़ितों से नकद, UPI, एवं क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन के माध्यम से लगभग १९ लाख से अधिक की राशि प्राप्त की, और प्रारंभ में कुछ लाभ देकर विश्वास हासिल करने के बाद संपूर्ण राशि हड़प ली। अभियुक्त द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म (जैसे Kinsen, Dhanhind, RAjhavir, Jvmpay आदि) में किया गया तथा धनराशि को अपने और परिजनों के खातों में ट्रांसफर किया गया। शिकायतकर्ताओं की सूची (मुख्य पीड़ित):1.महेश यादव निवासी इंदौर –2.दीपक यादव निवासी इंदौर3.प्रतीक जटाले निवासी इंदौर 4.रानू सोलंकी –/-5.योगेन्द्र सिंह पूनिया – राशि जाँचाधीनकुल अनुमानित राशि – १९/- से लाख से अधिक। आरोपी से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि वह सहयोगियों के साथ मिलकर यह ठगी कर रहा था। आरोपी के पास से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक, एवं फर्जी एजेंसी के दस्तावेज़ के संबंध में पूछताछ जारी हैं।प्रकरण में धारा 318(4), 316(2), भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से और भी ठगी की घटनाओं के खुलासे की संभावना है।

पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट जिला सलाहकार समिति ग्वालियर की बैठक सम्पन्न, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

बेटी -बेटा के भेद को खत्म करने जागरूकता की होंगी गतिविधियां

सोनोग्राफी सेंटरो के नियमित हों निरीक्षण

ग्वालियर - ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के मार्गदर्शन में ग्वालियर जिले में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी / सक्षम प्राधिकारी अधिकारी पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट ग्वालियर डॉ.सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार दिनांक 17.10.2025 को पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें नवीन एवं नवीकरण हेतु अल्ट्रासोनोग्राफी सेन्टरो से प्राप्त आवेदनो पर चर्चा की गई एवं सोनोग्राफी सेंटरो के नियमित हों निरीक्षण के साथ अन्य पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट के तहत महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई , बेटी -बेटा में अन्तर एवं भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से जिले में पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट के तहत जागरूकता की गतिविधियों होंगी । बैठक में डॉक्टर ज्योति बिंदल समिति सदस्य , डॉ. पंकज यादव, डॉ दीपाली माथुर डीएचओ -1, डॉ मनोज सेमिल, डॉ.श्रीमती वंदना शर्मा, जिला जिला मीडिया अधिकारी श्री आई.पी. निवारिया व शाखा प्रभारी श्री संजय जोशी उपस्थित थे ।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पहली जिम्मेदारी कलेक्टर्स की : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कलेक्टर्स जिले के प्रशासनिक मुखिया होने के साथ-साथ जिला दण्डाधिकारी भी हैं , इसीलिए जिले में कानून व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करने की पहली जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों में खुद का प्रभावी सूचना तंत्र विकसित करें, ताकि किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना तत्काल प्राप्त हो और समय पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी घटना या दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचे। इससे घटना या दुर्घटना और अधिक बड़ा रूप नहीं लेंगी। जिला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से स्थिति नियंत्रण में बहुत मदद मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर एवं एसपी दोनों में उच्च कोटि का तालमेल होना चाहिए। दोनों संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाकर जिले की कानून व्यवस्था की निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के दृष्टिगत ऐसी संवेदनशील बस्तियां जहां सड़कें सकरी हैं, तथा फोर्स मूवमेंट में समस्या आती है, सभी कलेक्टर्स ऐसे स्पॉट्स/जगहों को चिन्हित कर वहां का जोनल प्लान स्थानीय नगरीय निकायों के सहयोग से अगले तीन माह में तैयार कर लें, ताकि आवागमन सुगम हो और आवश्यकता पड़ने पर फोर्स मूवमेंट में समस्या न आए। उन्होंने मार्च 2026 तक मध्यप्रदेश को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए ठोस रणनीति बनाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के आठवें एवं अंतिम सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सेंसिटिव पुलिसिंग पर जोर देते हुए कहा कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भाव होना चाहिए। पुलिस अपनी साख बनाएं और अपराधों को रोकने में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करें। प्रदेश के सभी कलेक्टर्स-एसपी की संयुक्त कॉन्फ्रेंस का विषय "कानून एवं व्यवस्था की सुनिश्चितता" था। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की मौजूदगी में हुए इस अंतिम सत्र का संचालन अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री शिवशेखर शुक्ला ने किया। सत्र में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मध्यप्रदेश को मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने के दृष्टिगत 6 माहों में बालाघाट, मण्डला और डिण्डोरी जिलों के कलेक्टर्स और एसपी लक्ष्य केंद्रित कर यह काम पूरा करें। उन्होंने कहा कि नक्सली घटनाओं को समाप्त करने के लिए हर संभव कार्यवाही करें। नक्सली या तो सरेंडर करें अन्यथा उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले में नक्सली गतिविधियों में बेहद कमी आने के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बालाघाट को अति नक्सलवाद प्रभावित जिले की श्रेणी से डाउनग्रेड कर सामान्य श्रेणी में कर दिया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर कलेक्टर-एसपी बालाघाट दोनों को बधाई दी। बताया गया कि कलेक्टर बालाघाट द्वारा नक्सल प्रभावित ग्रामों में विशेष प्रयास करके 200 से अधिक युवाओं को एलएनटी जैसी कंपनी में रोजगार दिलाया है। इससे वह दिशाभ्रमित होने से बच गए और समाज की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस साल ही हमने आठ मुठभेड़ में दस नक्सली मार गिराए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों को बाहर करने के लिए पुलिस एवं अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से कार्य करें, इस काम में और सख्ती लाएं। उन्होंने बताया कि अब तक 19 बांग्लादेशियों को चिन्हित कर वापस भेजा गया है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही आगे भी जारी रखें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूल एवं कॉलेज के आसपास आपराधिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए सूचना तंत्र विकसित करें, निगरानी तंत्र को और तेज करें और ऐसे चिन्हित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं।

शहर के 33 ब्लैक स्पॉट पर तीन दिनों में युद्ध स्तर पर होगा काम

कलेक्टर श्री वर्मा ने दुर्घटनाएं रोकने के लिए बुलाई बैठक में तीन विभागों को दिया समय

इंदौर शहर में दुर्घटनाएं रोकने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गुरुवार देर शाम को सड़क सुरक्षा के मद्देनजर बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी विभाग को तीन दिनों में शहर के चिन्हित 33 ब्लैक स्पॉट पर कार्य करने की हिदायत दी है। शहर में ऐसे 33 स्थान चिन्हित किये गए हैं, जहां ब्लैक स्पॉट होने से दुर्घटनाएं हुई हैं। इसलिए प्राथमिक रूप से इन स्थानों पर युद्ध स्तर पर तीन दिनों में साइनेज लगाने के साथ ही लाइट और रम्बल स्ट्रिप अनिवार्य रूप से लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। तीन दिनों बाद इन सभी स्थानों का वे स्वयं निरीक्षण भी करेंगे। कोई भी दुर्घटना न हो, ऐसे उपाय विभागों द्वारा अनिवार्यता से किये जायें। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय सहित नेशनल हाइवे, नगर निगम, एमपीआरडीसी, यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहें।

चिन्हित इन ब्लैक स्पॉट्स पर होगा कार्य

जिला प्रशासन द्वारा जो ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं उनमें लवकुश चौराहा, रिजलाय फाटा धार रोड, देवास नाका चौराहा, बेस्ट प्राईज के सामने बायपास रोड, ओमेक्स सिटी बायपास रोड, डेक्थनॉल के सामने बायपास रोड, टाटा शोरूम के सामने एबी रोड, बिचौली मर्दाना ब्रिज के ऊपर बायपास, तीन इमली चौराहा, रालामण्डल चौराहा बायपास रोड, तेजाजी नगर ब्रिज के ऊपर एबी रोड, कैलोद करताल फाटा बायपास रोड, राऊ गोल चौराहा, आईटी पार्क चौराहा, विशेष जूपीटर हॉस्पिटल के सामने रिंग रोड, प्रभु तौल कांटे के पास नेमावर, ट्रेंचिंग ग्राउंड के सामने नेमावर रोड देवगुराड़िया, ग्राम माचल, महू – नीचम रोड घाटाबिल्लौद, काला सूरा फाटा इंदौर धार रोड, ए बी रोड भैरुघाट पुलिया के पास ग्राम कालाकिराय, ए बी रोड अर्जुन बरोदा, डकाच्या ए बी रोड, बुड़ी बरलाई, कल्याण मील, लसुडिया परसार, टीही पुलिया फॉरलेन रोड, पिगडम्बर, माँ वैष्णो ढाबा, इंदौर खंडवा रोड भैरूघाट, इंदौर खंडवा बाई ग्राम और दुधिया पावर हाउस के सामने नेमावर रोड शामिल हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चिन्हित ब्लैक स्पाट्स पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाये।

इंदौर में पहली बार सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक 17 किमी दूर पहुंची मेट्रो रेल

इंदौर। इंदौर शहर के लिए गुरुवार का दिन एक और खुशखबर लेकर आया, शहर में पहली बार मेट्रो रेल सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक चली। इस ट्रायल रन में मेट्रो ने 17 किमी की दूरी तय की। पहली बार इस इलाके में पहुंची मेट्रो रेल को देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अभी मेट्रो केवल सुपर कॉरिडोर और उसके आस-पास के इलाके में ही चल रही थी। पहली बार यह शहर के अंदर पहुंची है। इसके पहले 19 सितंबर को मेट्रो रेल सुपर कॉरिडोर से एमआर 10 आईएसबीटी तक चली थी। अभी तक मेट्रो रेल सुपर कॉरिडोर में 5.9 किमी के हिस्से में ही चल रही है। अब जल्द ही इसे शहरी इलाकों में भी चलाने की तैयारी है, ताकि विजय नगर, मेघदूत, बापट चौराहा, रेडिसन क्षेत्र में रहने वाले लोगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने में आसानी हो। 31 मई 2025 को पीएम नरेन्द्र मोदी ने इंदौर में मेट्रो रेल के पहले चरण का उद्घाटन किया था। एमपी की पहली मेट्रो के उद्घाटन के साथ पहले शुरुआत में इसमें फ्री में सफर करने की सुविधा दी गई। इसके बाद एक-एक हफ्ते में इसका किराया बढ़ाया गया। मेट्रो रेल के एक स्टेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर रखा गया है। इसके साथ ही पांच स्टेशनों के नाम वीरांगनाओं के नाम पर रखे गए हैं।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ "MD" के साथ आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 10.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" (अंतराष्ट्रीय कीमत 1,10,000/- रुपए) जप्त । आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला।

आरोपी नशा बेचने एवं करने के है आदी ।

अपराध क्रमांक- 174/2025 , धारा- 8/22

घटना स्थल- रेलवे सिग्नल के पास एम आर 04 रोड, इन्दौर

आरोपी का नाम - चिराग कुशवाह निवासी द्वारिकापुरी इंदौर

जब्त माल का विवरण : -10.10 ग्राम "MD" जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 1,10,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्धों की चेकिंग करते रेलवे सिग्नल ऑफिस के पास एम आर 04 रोड , इन्दौर क्षेत्र में एक व्यक्ति सफेद रंग की एक्टिवा पर एक पिट्ठू बैग लेकर बैठा था जो कि गतिविधि से संदिग्ध दिखा जिससे वहां पर खड़े रहने का कारण पूछने पर पुलिस को देख घबराकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका व जिसने पूछताछ पर अपना नाम चिराग कुशवाह निवासी द्वारिकापुरी का होना बताया।

पुलिस कार्यवाही - आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदी है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदी लोगों को बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 10.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 174/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

'एक्शन मोड' में पुलिस विभाग टीआई को ब्लैकमेल करने वाली महिला एएसआई को किया बर्खास्त

इंदौर में टीआई सुसाइड केस में बड़ी कार्रवाई की गई है। बुधवार को शासन ने महिला एएसआई को सवा तीन साल बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभाग की जांच में सामने आया है कि एएसआई रंजना खोड़े टीआई हाकम सिंह को ब्लैकमेल कर रही थी। जिससे पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचा है। दरअसल, पूरा मामला साल 2022 के जून महीने का है। टीआई हाकम सिंह पंवार ने सर्विस रिवॉल्वर से पहले एएसआई रंजना खोड़े पर गोली चलाई थी और फिर खुद को गोली मार ली थी। जिसमें टीआई की मौत हो गई थई। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी। जिसकी पहली ही जांच में रंजना खोड़े को दोषी पाया गया था। उस दौरान मामले को रफा-दफा करके वेतनवृद्धि रोकी गई थी, लेकिन इस जांच में पुलिस कमिश्नर पूरी तरह से संतुष्ट नहीं थे।

दोबारा जांच में सेवा से बर्खास्त

टीआई सुसाइड केस की जांच दोबारा शुरू हुई। जांच में रंजना के खिलाफ कई गंभीर अनियमितता पाई गई। एएसआई पर अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग और विभाग की छवि खराब करने के आरोप भी लगे हैं। साथ ही यह भी जानकारी सामने आई कि हाकम सिंह पंवार की दो पत्नियां थीं और रंजना से भी उनके संबंध थे।इधर, रंजना के भाई की इस घटना के कुछ दिन बाद ही मौत हो गई थी। बताया जाता है कि रंजना के ऊपर हुए हमले और गिरफ्तारी के बाद से ही वह डिप्रेशन में था। जिसके बाद उसने घर में ही आग लगा ली थी। कुछ दिन इलाज चला, मगर उसे बचाया नहीं जा सका था।

सूरत, रायपुर, मुंबई, पुणे, उदयपुर की बस के लिए करना होगा इंतजार, जारी होगा टेंडर

इंदौर शहर में एआइसीटीएसएल ने कई शहरों के लिए लग्जरी मल्टी एक्सेल बस शुरू करने के प्रयास किए, लेकिन एजेंसी नहीं मिली तो टेंडर आगे बढ़ाना पड़ा। अब इस तरह की लग्जरी बसों में यात्रा के लिए इंतजार करना होगा। हालांकि, हेलिकॉप्टर सेवा के लिए जिन एजेंसियों ने रुचि दिखाई, उन्हें प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया है। यात्रियों की सुविधा के लिए नई इंटर सिटी व इंटर स्टेट बसों के संचालन की योजना थी। इंदौर से सूरत, रायपुर, मुंबई, पुणे, उदयपुर के बीच लग्जरी मल्टी एक्सेल बसें चलाने की योजना थी, जबकि इंदौर से उज्जैन, भोपाल, धार, मांडव-महेश्वर आदि स्थानों के लिए इलेक्ट्रिक बसों के टेंडर निकाले थे। कुछ एजेंसियों ने अधिकारियों से संपर्क कर टेंडर शर्तों को समझा जरूर, लेकिन

संचालन हाथ में नहीं लिया।

एजेंसियों को किया था आमंत्रित

इंदौर से भोपाल के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने के लिए एजेंसियों को आमंत्रित किया था, जिसमें चार एजेंसियों ने भाग लिया। अब सभी को प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया है, जिसमें सरकार की सब्सिडी व किराये पर भी बात होगी। एजेंसियों के प्रतिनिधियों से चर्चा के बाद टेंडर जारी किया जाएगा।

पटवारियों के काम करने का तरीका बदला, तुरंत मिलेगी 'खसरा-नक्शे' की रिपोर्ट

जमीन से जुड़े विवाद, सीमांकन, नामांकन और इसी तरह के काम में पोर्टल पर लॉगिन करके एक क्लिक पर ही खसरे से जुड़ी जानकारी नक्शे के साथ सामने आ जाएगी। टवारी अब स्मार्ट एप्लीकेशन फॉर रेवेन्यू एडमिनिस्ट्रेशन (सारा) पोर्टल तक ही सीमित नहीं रहेंगे। जमीन से जुड़े 19 तरह के मामलों को सारा पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा। इसे एआइ से जोड़ा गया है। डेटा के आधार पर तुरंत रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। सिटीजन इंटरफेस भी इसमें जोड़ा गया है। इसमें पीएम-किसान की स्थिति, खसरा विवरण और अन्य सार्वजनिक रिपोर्ट देख सकते हैं।

पोर्टल से ही खसरे की डिटेल

जमीन से जुड़े विवाद, सीमांकन, नामांकन और इसी तरह के काम में पोर्टल पर लॉगिन करके एक क्लिक पर ही खसरे से जुड़ी जानकारी नक्शे के साथ सामने आ जाएगी। यहीं पर अपडेशन भी हो जाएगा। नए बदलाव के बाद पोर्टल पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित सेवाओं से जुड़ गया है।

विलेज लेवल जियो-फेंस के तहत नक्शा दिखाई देना, डिजिटल क्रॉप सर्वे जैसी सुविधाएं जोड़ी गईं हैं। मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना, पीएम-किसान, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना जैसी प्रमुख योजनाओं का डैश बोर्ड और हितग्राही की स्थिति देखने की सुविधा जोड़ी गई है। एक ही प्लेटफॉर्म पर नवीनतम अपडेट भी मिलेंगे।

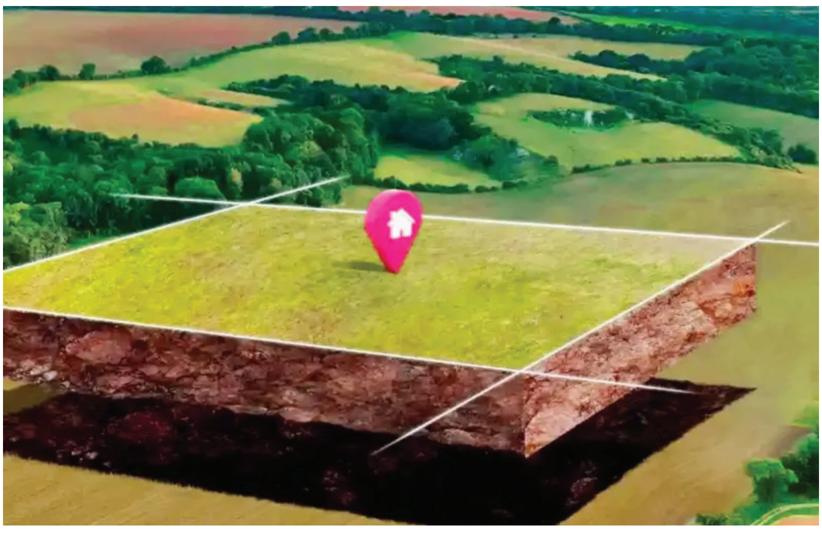

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ “MD” के साथ आरोपी गिरफ्तार

फिरोज

आरोपी के कब्जे से लगभग 21.40 ग्राम अवैध मादक पदार्थ “MD” (अंतराष्ट्रीय कीमत 2,14,000/- रुपए) जप्त । आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आरोपी नशा बेचने एवं करने का है आदी ।

अपराध क्रमांक- 175/2025, धारा- 8/22

घटना स्थल- संजय सेतु पार्किंग मेन रोड, इन्दौर

आरोपी का नाम - फिरोज खान निवासी खाचरोद उज्जैन

जब्त माल का विवरण : -21.40 ग्राम “MD” जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 2,14,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की चेकिंग की जा रही थी इसी कार्यवाही के दौरान शहर के रीवर साइड संजय सेतु पार्किंग मैन रोड , क्षेत्र में एक व्यक्ति पार्किंग क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर बैठा दिखा जो कि गतिविधि से संदिग्ध लगा जिससे वहां पर रुकने का कारण पूछने पर पुलिस को देख घबराकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका। पुलिस द्वारा पूछताछ पर अपना नाम फिरोज खान निवासी खाचरोद उज्जैन का होना बताया। जिसके कब्जे से 21.40 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स बरामद किया गया। आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस कार्यवाही - आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदी है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदी लोगों को बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 21.40 ग्राम अवैध मादक पदार्थ “MD” जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 175/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ “MD” के साथ आरोपी गिरफ्तार

कृष्णा राठौर नि. चंदन नगर इंदौर

कार्यालय पुलिस थाना अपराध शाखा नगरीय इन्दौर					
01 जनवरी 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक की अवैध मादक पदार्थ की जानकारी					
स.क्र.	जप्त सामग्री	प्रकरण	गिरफ्तार आरोपी	मात्रा	किमत
1	ब्राउन शुगर	22	37	721.44 ग्राम	14428800
2	एमडी ड्रग्स	43	74	1738.47 ग्राम	52154100
3	गांजा	12	18	90.683 किलो ग्राम	9068300
4	चरस	3	5	3.810 किलो ग्राम	1520000
5	कोडिन सिरप	1	5	5640 नग कोडिन सीरप	967800
6	अल्फोजोलम टेबलेट	2	5	933315 अल्प्राजोलम टेबलेट	1890000
7	डोडाचूरा	1	2	10.53 ग्राम	105300
कुल योग		84	146	-----	80134300

आरोपी के कब्जे से लगभग 13.72 ग्राम अवैध मादक पदार्थ “MD” (अंतराष्ट्रीय कीमत करीबन 1,40,000/- रुपए) जप्त। आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आरोपी नशा बेचने एवं करने का है आदी । अपराध क्रमांक- 176/2025 , धारा- 8/22 **घटना स्थल-** श्री चैतन्य पंचमुखी हनुमान मंदिर, एम आर 04 रोड, इन्दौर **आरोपी का नाम** - कृष्णा राठौर निवासी चन्दन नगर इंदौर **जब्त माल का विवरण** : -13.72 ग्राम “MD” जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 1,40,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश पतारसी करने के दौरान शहर के श्री चैतन्य पंचमुखी हनुमान मंदिर, एम आर 04 रोड क्षेत्र में एक व्यक्ति सड़क मार्ग से पैदल आते दिखा जो कि गतिविधि से संदिग्ध लगा जिससे पूछताछ करने पर पुलिस को देख घबराकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका। पुलिस द्वारा नाम पता पूछने पर अपना नाम कृष्णा राठौर निवासी चंदन नगर इंदौर का होना बताया। जिसकी विधिवत तलाशी लेते 13.72 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD ड्रग्स बरामद किया गया। आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस कार्यवाही - आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदी है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदी लोगों को बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 13.72 ग्राम अवैध मादक पदार्थ “MD” जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 176/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

कार्यालय पुलिस थाना अपराध शाखा नगरीय इन्दौर						
वर्ष 2023,2024,2025 की तुलनात्मक अवैध मादक पदार्थ की जानकारी (01 जनवरी से 07 अक्टूबर तक)						
स.क्र.	जप्त सामग्री	वर्ष	प्रकरण	गिरफ्तार आरोपी	मात्रा	किमत
1	ब्राउन शुगर	2023	2	8	304 ग्राम	6080000
		2024	2	3	44.09 ग्राम	881800
		2025	22	37	721.44 ग्राम	14428800
2	एमडी ड्रग्स	2023	0	0	0	0
		2024	4	6	108.6 ग्राम	3258000
		2025	43	74	1738.47 ग्राम	52154100
3	गांजा	2023	0	0	0	0
		2024	2	3	6.8 किलो ग्राम	680000
		2025	12	18	90.683 किलो ग्राम	9068300
4	चरस	2023	0	0	0	0
		2024	0	0	0	0
		2025	3	5	3.810 किलो ग्राम	1520000
5	कोडिन सिरप	2023	0	0	0	0
		2024	0	0	0	0
		2025	1	5	5640 नग कोडिन सीरप	967800
6	अल्फोजोलम टेबलेट	2023	0	0	0	0
		2024	1	2	1200 अल्प्राजोलम टेबलेट	10000
		2025	2	5	933315 अल्प्राजोलम टेबलेट	1890000
7	डोडाचूरा	2023	0	0	0	0
		2024	0	0	0	0
		2025	1	2	10.53 ग्राम	105300
कुल योग		2023	2	8	-----	6080000
		2024	9	14	-----	4829800
		2025	84	146	-----	80134300

शुभ दीपावली
आप सभी को
दीपावली
की हार्दिक
शुभकामनाएं
मोहम्मद शरीफ खान जिला कम्युनिटी
मोबाइलाइजर जिला ग्वालियर

अंधकार को दूर कर प्रकाश की तरफ
ले जाने का यह महापर्व आपके जीवन में
सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आए।
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।
विजय शर्मा, तहसीलदार घाटीगांव

धनतेरस
व
शुभ दिपावली
के पावन पर्व की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
राजीव समाधियां,एस. डी.एम. भीतरवार

झिलमिलाते दीपों की रोशनी
से प्रकाशित यह दीप पर्व दीपावली आपके
घर को सुख समृद्धि और उज्जवल
भविष्य को प्रकाशित करे
आप सभी को
दीपोत्सव की
हार्दिक
शुभकामनाएं
मनीष पांडे, इंदौर
जिला अध्यक्ष अखिल
भारती हिंदू सेवादल

चौदह वर्ष के वनवास को पूरा कर राम
लला के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य
में मनाए जाने वाले
दीपों के पर्व
दीपावली
की समस्त देशवासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएं
विनीत त्रिपाठी जी. एम.
(होटल लैंड मार्क .एन. एक्स) ग्वालियर एवं सलाहकार
(हमारा देश हमारा अभिमान) मासिक पत्रिका

आप सभी को
दीपावली
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनायें
शुभ दिपावली
मोहन सिंह राठौर विधायक, भीतरवार विधानसभा

खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली
की
आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
अभिनव पल्लव
DFO बालाघाट

आप सभी को
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली
की
हार्दिक
शुभकामनाएं
बृजेंद्र श्रीवास्तव,DFO छतरपुर

दीपावली
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
दीपक शुक्ला तहसीलदार, अशोकनगर

दीपावली
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शुभ
दिवाली
मंगला चतुर्वेदी, ग्वालियर

दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभकामनाये
यशपाल भदोरिया
लैब टेक्नीशियन, सिविल
अस्पताल डबरा

दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभकामनाये
आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं?
महेन्द्र सिंह कौरव सहायकर रजिस्टार, डबरा

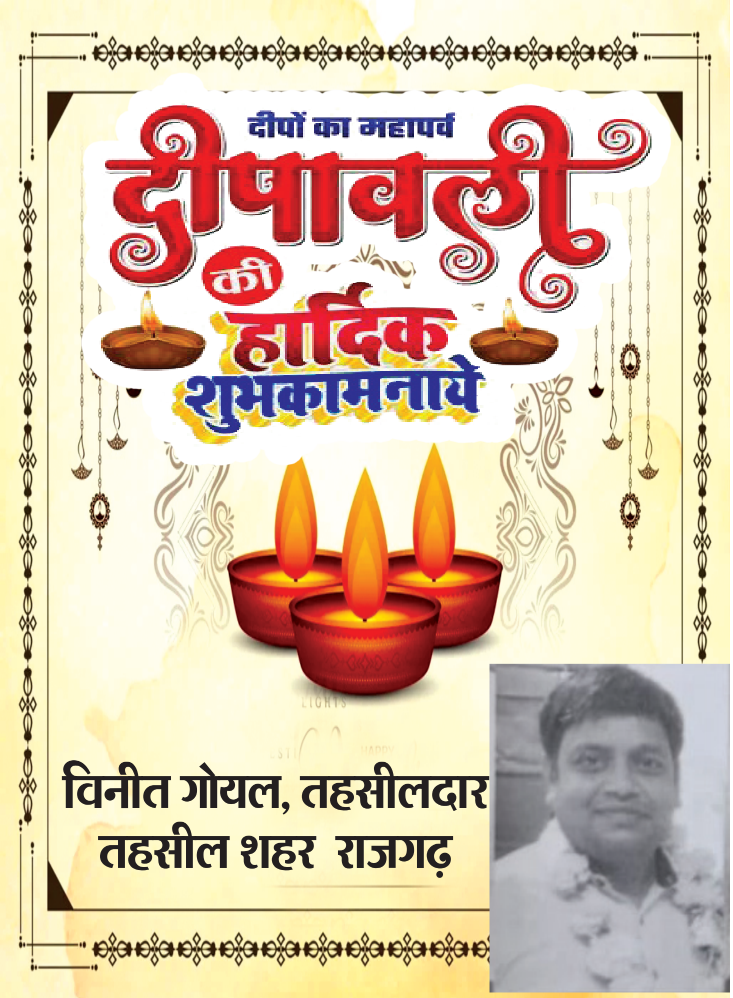
दीपों का महापर्व
दीपावली
की
हार्दिक
शुभकामनायें
विनीत गोयल, तहसीलदार
तहसील शहर राजगढ़

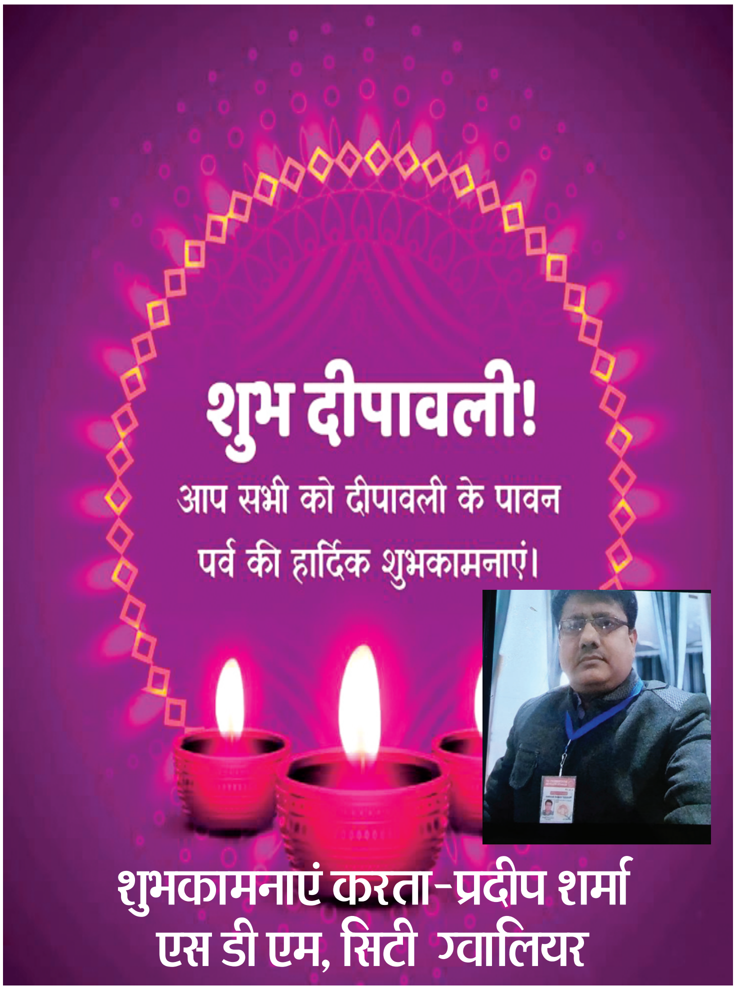
शुभ दीपावली!
आप सभी को दीपावली के पावन
पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।
शुभकामनाएं करता-प्रदीप शर्मा
एस डी एम, सिटी ग्वालियर

गुना नगर पालिका की ओर से
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपवली
की हार्दिक
शुभकामनाएं
अपील
अपने शहर को स्वच्छ बनाए रखें करो का भुगतान समय पर करें पॉलिथीन का उपयोग न करें नलों में टोटी लगवाएं कचरा नियत स्थान पर ही डालें
मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुना
नगर पालिका परिषद अध्यक्ष गुना
नगर पालिका उपाध्यक्ष गुना

Indane
SAFE.RELIABLE.CONVENIENT
GOYAL GAS AGENCY, DABRA
गोयल गैस एजेंसी
INDANE
सभी प्रदेशवासियों
को प्रकाशोत्सव
दीपावली
की
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
गोयल गैस एजेंसी डबरा
संचालक श्री द्वारका प्रसाद गोयल

मुंबई में मध्यप्रदेश का विशेष राजनयिक संवाद 'Heart of India' बनेगा ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब

मध्यप्रदेश सरकार ने आज मुंबई के द ट्राइडेंट, नरीमन प्वाइंट में एक विशेष राजनयिक संवाद (Diplomatic Roundtable) का आयोजन किया। इस संवाद में रूस, जर्मनी, सिंगापुर, इटली, तुर्किये, न्यूज़ीलैंड, पोलैंड, मलेशिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, केन्या, जिबूती और यूनाइटेड किंगडम समेत कई देशों के काउंसल जनरल और राजनयिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बताते हुए कहा –"मध्यप्रदेश सिर्फ भारत का भौगोलिक हृदय नहीं, बल्कि अवसरों का हृदय है। यहाँ की उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और समृद्ध संसाधन वैश्विक निवेशकों के लिए बेमिसाल संभावनाएँ प्रस्तुत करते हैं।" मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश ने हाल के वर्षों में Ease of Doing Business, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश आज भारत का अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र बन चुका है—रीवा सौर ऊर्जा परियोजना और ओंकारेश्वर जलविद्युत परियोजना इसकी मिसाल हैं। वहीं पीथमपुर ऑटोमोबाइल हब और इंदौर IT Hub ने राज्य को नई औद्योगिक पहचान दिलाई है। उन्होंने विदेशी प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे मध्यप्रदेश आकर PM MITRA Textile Park (धार), पीथमपुर ऑटोमोबाइल हब, BEML Rail Hub (भोपाल),

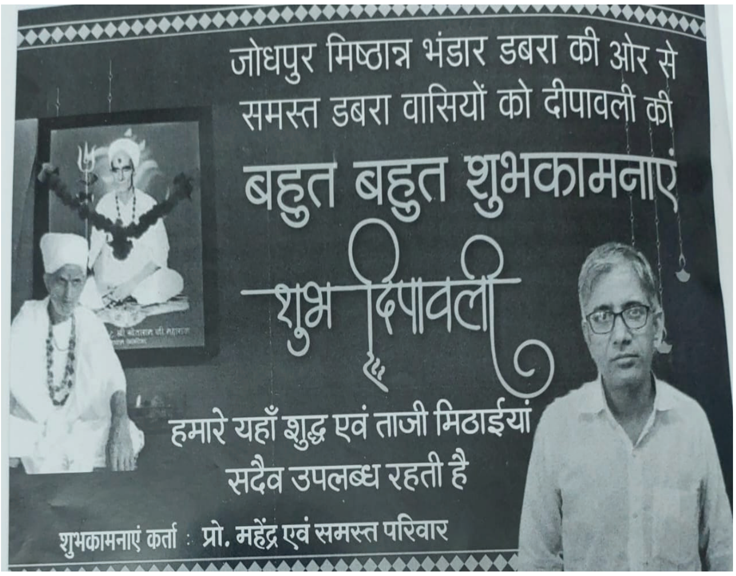

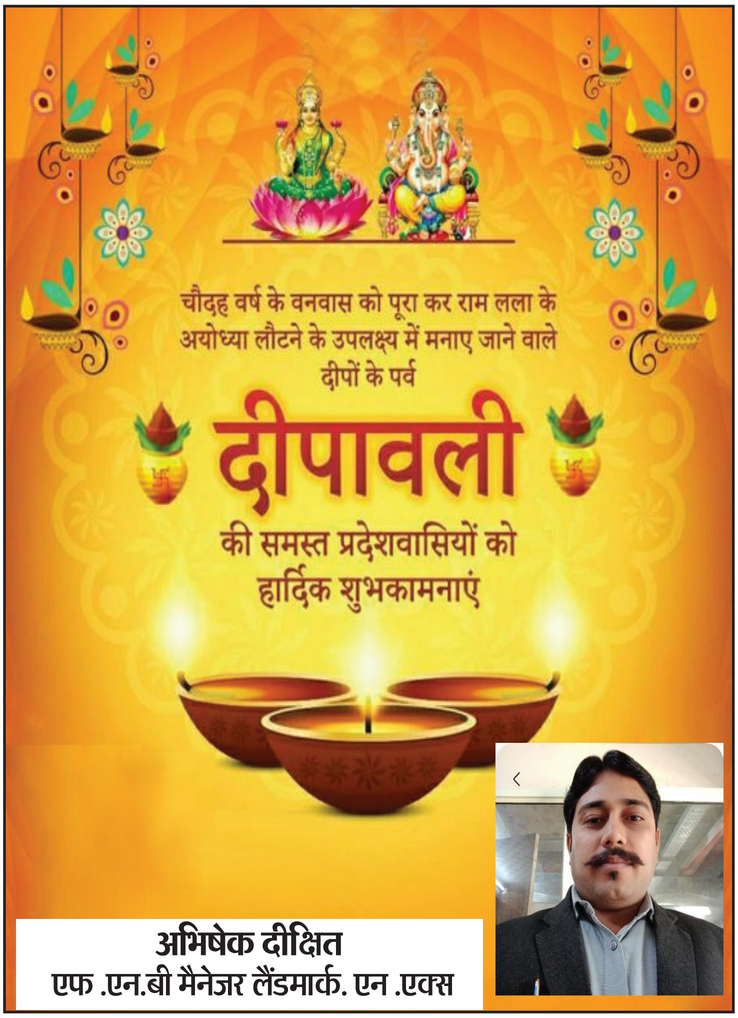
चौदह वर्ष के वनवास को पूरा कर राम लला के
अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले
दीपों के पर्व
दीपावली
की समस्त प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
अभिषेक दीक्षित
एफ .एन.बी मैनेजर लैंडमार्क. एन .एक्स

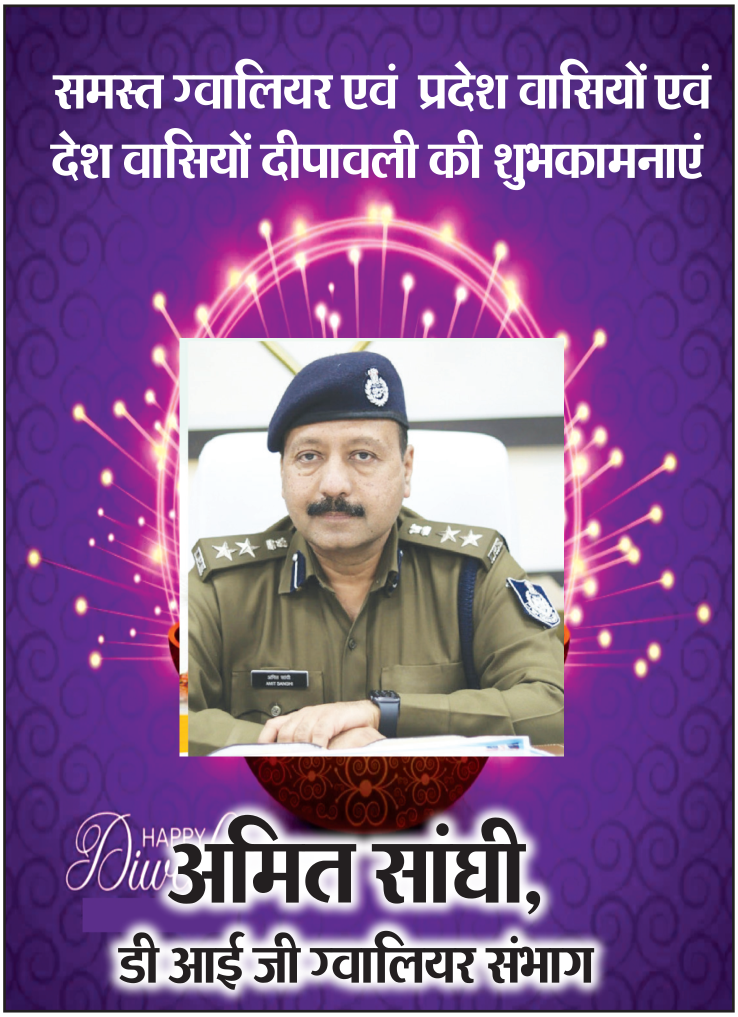
समस्त ग्वालियर एवं प्रदेश वासियों एवं
देश वासियों दीपावली की शुभकामनाएं
अमित सांघी,
डी आई जी ग्वालियर संभाग

ढेरो खुशियां लाने वाली,
दीपों का ये पर्व
दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनाएं
मयंक अग्रवाल
सचिव भोपाल

आप सभी को
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
दीपावली
की
हार्दिक शुभकामनायें
HAPPY
DIWALI
विधायक पारस जैन

दीपावली के पावन पर्व पर सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

- मण्डी प्रांगण में प्रवेश करते समय कृषि उपज की जानकारी प्रवेश द्वार पर आवश्यक रूप से दर्ज करावें एवं प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
- किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही करें।
- नीलामी के समय किसान भाई अपनी ट्रॉली पर उपस्थित रहें।
- फसल बेचते समय दलालों से एवं बिचौलियों से सावधान रहें।
- कृषि उपज मंडी में फसल विक्रय होने पर कर्मचारियों से अनुबंध पर्ची अवश्य प्राप्त करें।

दिव्यांशु चौधरी
एसडीएम डबरा
जिला ग्वालियर

पर्वतलाल मालवीय
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति, डबरा

शुभेच्छुः-कृषि उपज मंडी समिति डबरा

दीपावली के पावन पर्व पर सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर परिषद की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती रामजानकी राजेश पंडा
अध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

पीयूष श्रीवास्तव
सीएमओ
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

इरफान खान
उपाध्यक्ष
नगर परिषद पिछोर
जिला ग्वालियर

शुभेच्छुः-नगर परिषद पिछोर जिला ग्वालियर

दीपावली के पावन पर्व पर सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

: अपील :

- निकाय द्वारा जारी कम्प्यूटरीकृत संपत्ति कर,जल कर का समय पर भुगतान करें।
- जल ही जीवन है,जल का दुरुपयोग न करें।
- नगर पालिका की भूमि एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें।
- नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर पालिका परिषद का सहयोग करें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीयन समय पर कराएं तथा निकाय से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करें।
- नगर पालिका परिषद से अनुमति प्राप्त कर भवन निर्माण करें।
- नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हरे-भरे पौधे को अपने घरों में लगाएं।

श्रीमती लक्ष्मी देवी
अध्यक्ष
नगर पालिका डबरा

सुश्री साक्षी बाजपेयी
सीएमओ
नगर पालिका परिषद, डबरा

सतेन्द्र दुबे
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, डबरा

शुभेच्छुः-नगर पालिका परिषद डबरा जिला ग्वालियर

सिटीजन कॉप एप्लीकेशन (Citizen Cop Application) में प्राप्त शिकायतों पर क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा की गई प्रभावी कार्यवाही गुम मोबाईल आवेदकों को किए गए सुपुर्द।

दीपावली पर बांटी क्राइम ब्रांच इंदौर ने खुशिया लगभग 1 करोड़ रूपये की कीमत के 272 गुम मोबाईल फोन आवेदकों को किये गये सुपुर्द।
*गुम मोबाईल मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों तथा भारत के अन्य प्रदेशो जैसे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार आदि से किये गए बरामद।
* आईफोन, वन प्लस, सेमसंग, रेडमी, विवों, ओप्पो, रियलमी आदि कम्पनियों के मंहगे मोबाईल फोन भी हुये बरामद।
* वर्ष 2025 मे अभी तक कुल 760 गुम मोबाईल आवेदकों को किए गए सुपुर्द।
* शहर में बढ़ा है, Citizen Cop Application पर Online Complaint करने की ओर जनता का रूझान।

श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन मे इंदौर क्राईम ब्रांच द्वारा संचालित की जा रही ''सिटीजन कॉप' एप्लीकेशन पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं उचित वांछनिय वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतू निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देशों के पालन मे अपराध शाखा (सायबर सेल) द्वारा सिटीजन कॉप एप्लीकेशन के गुम मोबाईल फोन की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए वर्ष 2025 की शिकायतों का निराकरण कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। गुम मोबाईल फोन जो कि इंदौर सहित देश के विभिन्न शहरो में चल रहे थें, जिन्हे क्राईम ब्रांच टीम द्वारा बरामद किया गया। कुल 272 मोबाईल फोन जप्त किये गये हैं जिसमें हजारों रूपयें की कीमत के मंहगे मोबाईल फोन शामिल हैं, बरामद मोबाईल फोन में 02 आईफोन, 01 बेनको , 02 हॉनर , 04 इनफिक्स , 01 आई क्यु, 01 आइटैल , 01 लावा , 10 एम आइ , 05 मोटोरोला , 01 नोकिया , 02 नथिंग , 13 वन प्लस , 45 ओप्पों , 03 पोको , 32 रियल मी , 24 रेडमी , 21 सेमसंग , 08 टेक्नो , 96 वीवों कंपनियों के हैं। इंदौर पुलिस क्राईम ब्रांच (Crime Branch) द्वारा संचालित की जा रही ''सिटीजन कॉप एप्लीकेशन' (Citizen Cop Application) वास्तव में एक Phone Application है जिसे आमजन द्वारा Google Play Store के माध्यम से डाउनलोड किया

जा सकता है। इस एप्लीकेशन में प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों के संपर्क नम्बर के अलावा, अन्य महत्वपर्ण फीचर जैसे किसी घटना के संबंध में सीधे ऑनलाईन शिकायत अथवा पुलिस तक सूचना पहुंचाये जाने हेतु Report an incident, और किसी वस्तु चोरी अथवा गुम होने पर पुलिस में Online Complaint दर्ज कराये जाने हेतु Report lost article की सुविधा मुहैया कराई गई है। Report lost article में मोबाईल फोन अथवा अन्य वस्तु के गुमने पर सीधे इस फीचर के माध्यम से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई जा सकती है, जिसमें आवेदक को आनलाईन ही शिकायत क्रमांक सहित रिपोर्ट से संबंधित रसीद प्राप्त होती है, जिसका उपयोग वह मोबाईल में गुम हुई सिम को बंद कराने, अथवा नई सिम प्राप्त करने के लिये कर सकता है। इस कार्यप्रणाली की ऑनलाईन पद्धति होने से आवेदक को अब थाने अथवा अन्य कार्यालयों मे गुम मोबाईल का आवेदन नही देना होगा। आवेदक द्वारा की गई संपत्ति गुम/चोरी होने की शिकायत पर क्राईम ब्रांच इंदौर की सायबर सेल टीम द्वारा ऑनलाईन शिकायत के परिपेक्ष्य में पतारसी की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप 272 मोबाईल फोन आवेदकों को सुपुर्द किये जा रहे हैं, जिससे आमजन में ऑनलाईन शिकायत के प्रति जागरूकता आए तथा यह विश्वास हो कि, ऑनलाईन शिकायत के माध्यम से भी उनकी गुम वस्तु प्राप्त हो सकती हैं। गुम मोबाईल फोन की शिकायतों मे कार्यवाही करते हुये यदि आवेदक का मोबाईल फोन गुम होने के बाद चलना नही पाया जाता हैं, या फिर किसी वजह से खराब हो जाता हैं तो ऐसी स्थिति में मोबाईल सर्च नही हो पाता हैं। मोबाईल फोन गुम होने के बाद अगर उपयोग नही किया जाता हो तो उसे ढुढंना सम्भव नही हैं। ''इंदौर पुलिस द्वारा आमजन से यह अपील की जाती है कि''सिटीजन कॉप' एण्ड्रायड फोन एप्लीकेशन का उपयोग कर आपराधिक गतिविधियों की सूचनायें तथा इससे संबंधित शिकायतें घर बैठे सीधे ऑनलाईन पद्धति के माध्यम से पुलिस तक पहुँचाये। इससे न केवल आपके समय की बचत होगी, बल्कि आपकी शिकायतों अथवा सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही करने के लिये पुलिस को मदद मिलेगी।'' मोबाईल गुमने/चोरी होने पर शिकायत करने हेतु नीचे दी गई प्रक्रिया से अपनी शिकायत दर्ज करें। (Process of Complaint) प्ले स्टोर से सिटीजन कॉप एप डाउनलोड करें (Download) खोए/चोरी की शिकायत विकल्प का चयन करें (Select Option) A एग्री करें (Agree) खोई/चोरी हुई वस्तु का चुनाव करें- MOBILE+SIM CARD (Select) पूर्ण फार्म भरें (Fill Complete Form) बिल/थाने की शिकायत कॉपी, की फोटो अपलोड करें एवं वैकल्पिक नंबर दर्ज करें ; (Upload Photo) सबमिट करे (Submit) कन्फर्म करें (Confirm) कंप्लेन नंबर सेव करें (Save) * मोबाईल मिलने पर आपके द्वारा शिकायत में दर्ज । ALTERNATE मोबाईल नम्बर पर सूचित किया जायेगा

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
मा. नरोत्तम मिश्रा, गृह मंत्री, मध्यप्रदेश
एडवोकेट अनिल शुक्ला, शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट

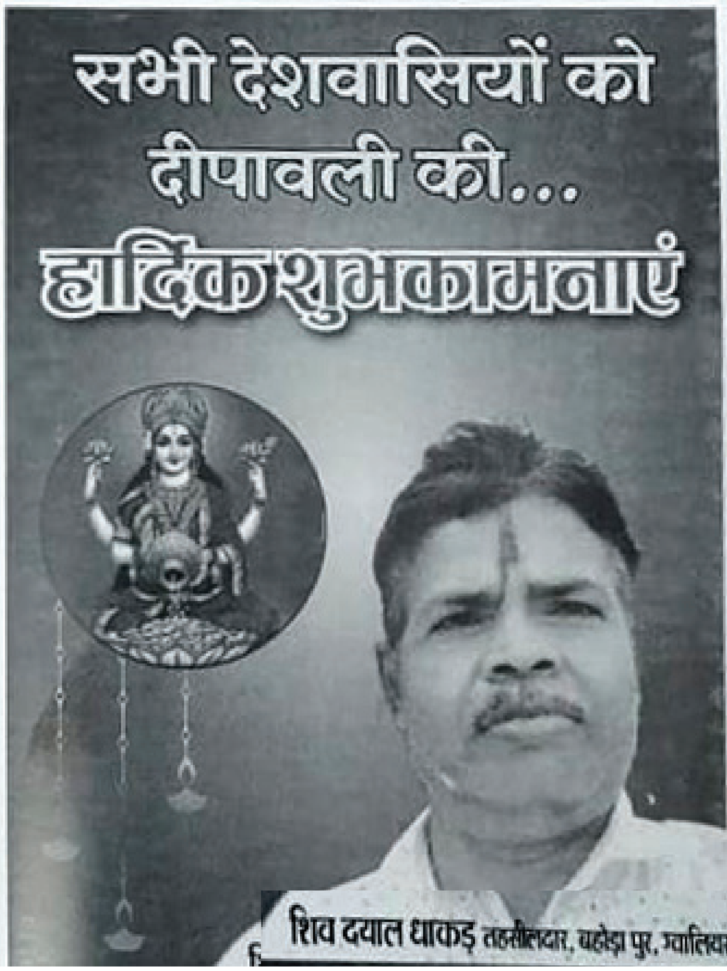

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
शिव दयाल धाकड़ तहसीलदार, बहोड़ा पुर, ग्वालियर

सभी देशवासियों को
दीपावली की...
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक शुक्ला तहसीलदार, डबरा, ग्वालियर

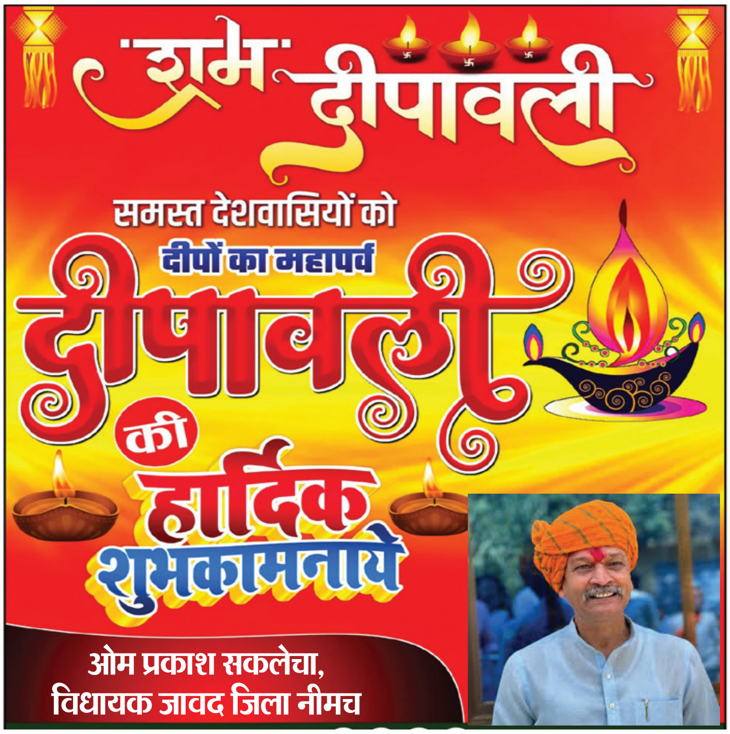
शुभ दीपावली
समस्त देशवासियों को
दीपों का महापर्व
दीपावली
की
हार्दिक
शुभकामनायें
ओम प्रकाश सकलेचा,
विधायक जावद जिला नीमच

सूर्यभान रावत (अध्यक्ष युवा शक्ति संगठन) की
ओर से समस्त ग्वालियर जिलेवासियों को
दीपावली, गोवर्धन, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं
सूर्यभान रावत, जिला पंचायत सदस्य

समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉक्टर शालिनी कौशिक
वरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका

न्यू आनंद मेडिकल स्टोर जवाहर गंज डबरा
की ओर से दीपावली के पावन पर्व की
बहुत बहुत शुभकामनाएं...
प्रो. आनन्द श्रीवास्तव

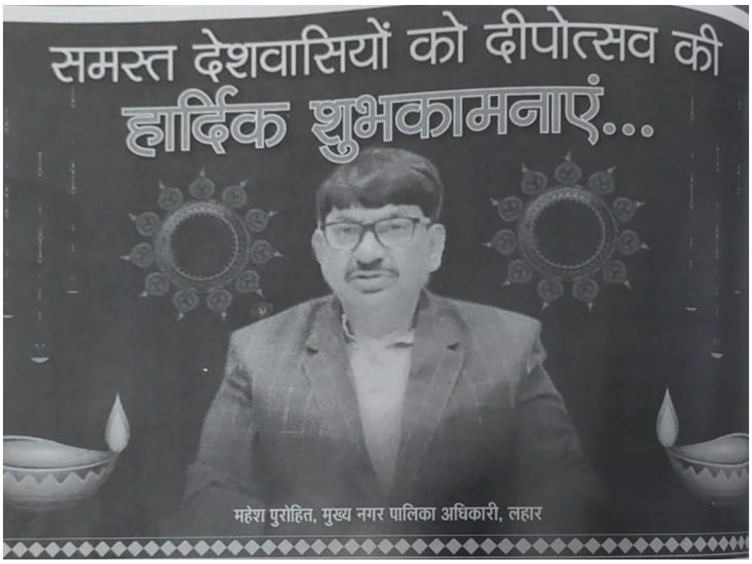
समस्त देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं...
महेश पुरोहित, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, लहार

सभी देशवासियों को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेश राजे डबरा विधायक (कांग्रेस)

डॉक्टर कमल भदौरिया
एम बी बी एस &एम डी
जे एच हॉस्पिटल,ग्वालियर

मांगीलाल इंदौर

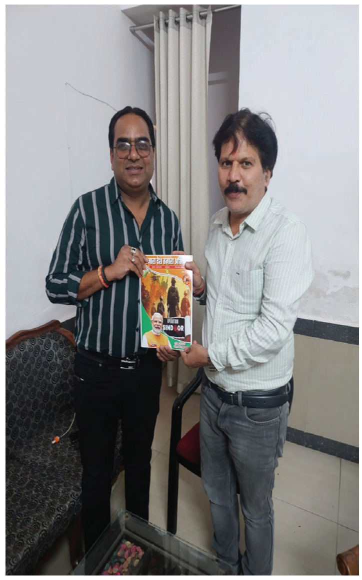

पप्पू शर्मा मंत्री प्रति निधि

घनश्याम यादव
ग्वालियर जिला खनिज अधिकारी

गुना कलेक्टर निकले और दीपकों की स्वयं की खरीदारी एवं शहर मै जाकर दीपावाली की सभी को दी शुभकामनाएं

सूटकेस और बैग में अवैध शराब परिवहन करने वाला 01 आरोपी, पुलिस थाना छोटी ग्वालटोली व क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में गिरफ्तार।

आरोपियों कब्जे से 24 बोटल रॉयल स्टैग,12 बोतल मैजिक मोमेंट,24 बोतल रॉयल स्टेग बैरल,11 बोटल ब्लेंडर प्राइड किया जप्त ।

इंदौर - शहर में अवैधानिक गतिविधिया अवैध शराब करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस थाना छोटी ग्वालटोली व क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध शराब का परिवहन करने वाले 01 आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है। पुलिस थाना छोटी ग्वालटोली व क्राइम ब्रांच इंदौर की पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के सामने एक व्यक्ति सूटकेस और बैग में अवैध शराब कहीं ले जा रहा है उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घटना की तस्दीक करते सही पाया गया जिस पर त्वरित कार्यवाही करते एक आरोपी (1) चेतन पिता राम प्रकाश परमार उम्र 30 साल निवासी 117 जयसिंहनगर देवास को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूध्द पुलिस थाना छोटी ग्वालटोली मे अपराध क्रमांक 158/25 धारा 34/2 मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम एक्ट का पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी के कब्जे से 24 बोटल रॉयल स्टैग,12 बोतल मैजिक मोमेंट,24 बोतल रॉयल स्टेग बैरल,11 बोटल ब्लेंडर प्राइड जप्त की गई है। आरोपी से इन गतिविधियों से जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इस पूरी कार्वाई में थाना छोटी ग्वालटोली व क्राइम ब्रांच इंदौर का सराहनीय योगदान रहा।

रैगिंग केस के बाद IET कैंपस में अब तोड़फोड़ और चोरी, 14 कैमरे तोड़े, 4 छात्रों पर FIR दर्ज, 100 स्टूडेंट की जांच शुरू

इंदौर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आईईटी कॉलेज में एक बार फिर से हंगामा हुआ है। यहां एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां करीब 14 सीसीटीवी कैमरे तोड़ने के साथ ही डीवीआर चोरी होने की बात भी सामने आई है। घटना के बाद इंदौर की भंवरकुआ पुलिस थाने में कॉलेज स्टाफ की शिकायत पर 4 छात्रों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। बता दें कि यहां हाल ही में रैगिंग की घटना सामने आई थी। जिसमें सिनियर्स ने जूनियर सट्रूडेंट की रैगिंग की थी। इसके साथ ही यहां रैगिंग की जांच में सामने आया था कि कुछ स्टूडेंट नेपाल की तर्ज पर यहां भी जेन जी प्रोटेस्ट की तैयारी की जा रही थी। कुछ स्टूडेंट ने यह बात कॉलेज प्रबंधन को बताई है, जिसके आधार पर जांच कमेटी इस मामले की भी जांच कर रही है। सीसीटीवी कैमरे तोड़े, डीवीआर चोरी : अब यहां आईईटी कैंपस में तोड़फोड़ और चोरी की घटना सामने आई है। यहां अज्ञात लोगों ने 14 सीसीटीवी कैमरे तोड़े दिए हैं। इसके साथ ही डीवीआर भी चोरी कर लिया गया है। इस घटना से कॉलेज प्रशासन को भारी संपत्ति नुकसान झेलना पड़ा है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच में कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही हैं।

मध्यप्रदेश में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर

मध्यप्रदेश और फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच हुआ एमओयू

मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर स्थापित करने के लिये कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश और स्पेन के फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच एमओयू हुआ। यह केन्द्र न केवल नवाचार एवं स्मार्ट शहरी समाधानों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि वैश्विक स्तर के आयोजनों और निवेश सम्मेलनों की मेजबानी का मंच भी बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी साल जुलाई में स्पेन प्रवास के दौरान संस्थान के पदाधिकारियों से चर्चा हुई थी और उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश आमंत्रित किया था।

इस अवसर पर स्पेन के राजदूत श्री जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल तथा फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रिचर्ड जपाटेरो और संस्था के भारत प्रतिनिधि श्री मुकेश अरोरा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से स्पेन के राजदूत श्री जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने विस्तार से चर्चा की।

यह एमओयू दोनों पक्षों के बीच सांस्कृतिक-व्यापारिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा और मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन, एक्जीबिशन और व्यापार संबंधी संवाद, निवेश सम्मेलनों के लिए विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस साझेदारी से वैश्विक निवेशकों ओर हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। मध्यप्रदेश का लक्ष्य वैश्विक केन्द्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक सशक्त बनाना है। विशेष रूप से स्मार्ट शहरी समाधान, प्रौद्योगिकी और व्यापार संबंधी प्रदर्शनियों के आयोजन के क्षेत्र में राज्य अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय मानकों और अवसरों के अनुरूप विकास कर सकेगा। यह एमओयू औद्योगिक और निवेश गतिविधियों के नये क्षितिजों को जोड़ने वाला साबित होगा इससे मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। मध्यप्रदेश को वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संवाद मंचों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों का आयोजन करने वाले राज्य के रूप पहचान बनेगी। इस केन्द्र के माध्यम से दुनिया के शीर्ष उद्योगपति, निवेशक और कंपनियां भोपाल आयेंगी। मध्यप्रदेश वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा बनेगा और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी और अवसरों का भी केन्द्र बिन्दु बनेगा।

मध्यप्रदेश बनायेगा वैश्विक पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ना सिर्फ उद्योग, व्यापार वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए बल्कि संपूर्ण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति बेहद लाभकारी सिद्ध हुई है। मध्य प्रदेश आने वाले वर्षों में दिल्ली क्षेत्र के विकल्प की दृष्टि से भी आवश्यक अधोसंरचना का विकास कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में इंदौर और भोपाल दो मेट्रापोलिटन क्षेत्र के बाद जबलपुर और ग्वालियर के मेट्रापोलिटन क्षेत्र के विकास की तैयारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेन के बार्सिलोना शहर में विकास की विशिष्ट प्लानिंग की गई है। वहां इस वर्ष की गई अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के साथ विरासत के संरक्षण का संदेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिया है। स्पेन के बार्सिलोना जैसे शहर भी प्राचीन वैभव को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध दिखते हैं। मध्यप्रदेश में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा बताए मॉडल और बार्सिलोना के संदेश को अपनाया जा रहा है। स्पेन के राजदूत श्री पुजोल ने कहा कि अच्छी लीडरशिप और संगठन तथा प्रबंधन क्षमता से भारत और स्पेन मिलकर बेहतर कार्य करेंगे।

सोलर प्लस स्टोरेज मुरैना एक ऐतिहासिक परियोजना : मंत्री श्री शुक्ला

अब तक का न्यूनतम रुपये 2.70 प्रति यूनिट का टैरिफ

भोपाल। मध्यप्रदेश मुरैना में अपनी पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना विकसित कर रहा है, जिसमें रु 2.70 प्रति यूनिट का ऐतिहासिक टैरिफ प्राप्त हुआ है । यह भारत में पहली बार है कि किसी Firm and dispatchable नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए रु 3 प्रति यूनिट से कम टैरिफ हासिल किया गया है। शुक्रवार को प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने मुरैना सोलर प्रोजेक्ट को लेकर मीडिया से चर्चा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव और ऊर्जा विकास निगम के एमडी अमनबीर सिंह बैंस भी मौजूद रहे। मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि चंबल क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मुरैना परियोजना को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना से सामान्य सौर घंटों एवं पीक घंटों के दौरान समान स्तर की विद्युत आपूर्ति की जाएगी, जबकि देश में ऐसी सभी परियोजनाओं में पीक ऑवर क्षमता की तुलना में सौर क्षमता अनुपातिक रूप से अधिक हैं। यह देश की पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना भी है जिसमें 95 प्रतिशत पीक आपूर्ति की सुनिश्चित वार्षिक उपलब्धता है। दो तरीकों से समझें क्या है 'सोलर प्लस स्टोरेज प्रोजेक्ट' ?-क्लीन एनर्जी की दिशा में बढ़ने के लिए यह बड़ा कदम है। अब दिन की समय सोलर से पैदा होने वाली बिजली से प्रोजेक्ट के साथ स्थापित की गई विशाल बैटरी को चार्ज किया जाएगा। फिर सूरज डूबने के बाद शाम को इसी बैटरी से बिजली की सप्लाइ हो जाएगी। डिस्चार्ज बैटरी को मध्यरात्रि बाद सबसे कम दरों में मिलने वाली सस्ती ग्रिड पॉवर (थर्मल, जल या पवन) से फिर चार्ज किया जाएगा। सुबह के समय फिर बैटरी से सप्लाई दे दी जाएगी। यानि जिस तरह घरों में बिजली जाने के बाद इनवर्टर काम आते हैं बैटरी बैकअप रहता। ठीक उसी तरह अब सोलर के बड़े प्रोजेक्ट काम करेंगे। मुरैना पार्क में दो सौर प्लस बैटरी भंडारण ईकाइयां शामिल हैं, प्रत्येक इकाई से तीनों अवधियों में 220 मेगावाट बिजली की आपूर्ति होगी : (i) real time solar (220 मेगावाट तक), (ii) शाम के पीक आवर्स के दौरान 2 घंटे (बैटरी चार्ज करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा), और (iii) सुबह के पीक आवर्स के दौरान 2 घंटे (बैटरी चार्ज करने के लिए रात्रि के समय सस्ती ग्रिड पावर का उपयोग किया जाएगा)। इस पार्क को रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (RUMSL) द्वारा क्रियान्वित किया गया है, जिसने पहले भी प्रतिष्ठित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित किया है। ई-रिवर्स नीलामी 19 सितंबर, 2025 को 25 वर्षों के लिए निर्धारित 2.70 प्रति kWh के ऐतिहासिक टैरिफ के साथ संपन्न हुई, नीलामी प्रक्रिया लगभग 12 घंटे चली। यह पूरे भारत में FDRE निविदाओं के लिए एक मील का पत्थर है, जिनमें अब तक सबसे कम टैरिफ रु 3.09 प्राप्त हुआ था, जो शाम को 2 पीक घंटों के समय अनुबंधित सौर क्षमता के केवल 50 प्रतिशत की आपूर्ति एवं 85 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता हेतु था। निविदा में 16 बोलीदाताओं के साथ वैश्विक भागीदारी देखी गई, जिसमें बोली क्षमता की खरीद की जाने वाली बोली क्षमता का लगभग 10 गुना था। बोलीदाताओं में Acme Solar Holdings, Adani Renewable, AMPIN Energy, Apraava Energy, Ceigall India Limited, Dilip Buildcon, Engie energy, Goldi Solar, MB Power, NTPC Renewable energy, Power Mech, Purvah Green, ReNew Solar, Serentica Renewables, Shivalaya Constructions, and Waaree Forever Energies सहित प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हैं। सफल निविदादाता Ceigall India Limited और Acme Solar Holdings Limited हैं, जिनके टैरिफ यूनिट 1 और यूनिट 2 के लिए क्रमशः रु 2.70 और रु 2.764 प्रति यूनिट हैं। इस auction में प्राप्त टैरिफ इस बात पर प्रकाश डालता है कि dispatchable नवकरणीय ऊर्जा (बैटरी भंडारण के साथ सौर ऊर्जा के संयोजन से सक्षम) कोयला आधारित बिजली की तुलना में अधिक किफायती हो गई है। RUMSL द्वारा परियोजना को निविदा से पहले निवेश के लिए तैयार किया गया। International Finance Corporation द्वारा Transaction Advisor के रूप में मध्य प्रदेश में तैयार की गई जोखिम मुक्त परियोजनाओं ने समय-समय पर साबित किया है कि bankable अनुबंध, पूरी तरह से भूमि एकत्रीकरण, सक्रिय पारेषण योजना, वित्तपोषण और अनुबंध सहित साइट तैयार करना, पर्यावरण और सामाजिक जोखिमों को पर्याप्त रूप से कम करना, साथ ही एक पारदर्शी और विकासक अनुकूल निविदा प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बेहतर मूल्य निर्धारण से उल्लेखनीय बचत होती है।

दो तरीकों से समझें क्या है 'सोलर प्लस स्टोरेज प्रोजेक्ट'?-

क्लीन एनर्जी की दिशा में बढ़ने के लिए यह बड़ा कदम है। अब दिन की समय सोलर से पैदा होने वाली बिजली से प्रोजेक्ट के साथ स्थापित की गई विशाल बैटरी को चार्ज किया जाएगा। फिर सूरज डूबने के बाद शाम को इसी बैटरी से बिजली की सप्लाई हो जाएगी।

पशु-पक्षी हमारे पर्यावरणीय तंत्र का भी हैं अभिन्न हिस्सा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वन्य जीव संपदा से लगातार समृद्ध हो रहा है मध्यप्रदेश, मुख्यमंत्री ने इंदौर के प्राणी संग्रहालय का किया अवलोकन,आकर्षक रंग-बिरंगे पक्षियों को आत्मीयता के साथ किया दुलार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पशु-पक्षी केवल चिड़ियाघरों की शोभा नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय तंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं। इनके प्रति संवेदनशील होना हर नागरिक का कर्त्तव्य है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे पक्षियों और जानवरों के प्रति प्रेम और करुणा का व्यवहार करें। मुख्यमंत्री ने यह संदेश भी दिया कि मानवीय संवेदनशीलता ही प्रकृति और समाज के बीच संतुलन बनाए रख सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार की सुबह इंदौर के प्राणी संग्रहालय पहुंचे। यहाँ उनका पशु-पक्षियों के प्रति लगाव देखने को मिला। उन्होंने वन्य प्राणियों का अवलोकन किया और आकर्षक रंग-बिरंगे पक्षियों को आत्मीयता के साथ दुलार भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्य जीव संपदा के दृष्टिकोण से लगातार समृद्ध हो रहा है। श्योपुर जिले के कूनो में चीतों के आने के बाद इंदौर के प्राणी संग्रहालय में शिमोगा के जू से दो जोड़ी बायसन का आगमन हुआ है। प्राणी संग्रहालय में नए मेहमानों के आगमन पर उन्होंने इंदौरवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशु-पक्षियों के साथ जुड़ाव हमें प्रकृति के और करीब लाता है। उनका संरक्षण और संवर्धन समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वन्य प्राणियों को मध्यप्रदेश का वातावरण अनुकूल लग रहा है, जिससे वे अपना वंश बढ़ा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के प्राणी संग्रहालय में पहले आए जेब्रा की देखरेख उत्कृष्ट स्तर पर हुई, जिससे जेब्रा ने यहां सफलतापूर्वक वंश वृद्धि की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इंदौर के प्राणी संग्रहालय को और बड़ी सौगात मिलने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राणी संग्रहालय स्थित "पक्षी विहार" सहित बायसन एवं शतुरमुर्ग के बाड़े, स्नेक एक्वेरियम में किंग कोबरा का अवलोकन कर विभिन्न प्रजातियों की जानकारी भी ली।इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि टाइगर ब्रीडिंग एवं एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत इंदौर के जू को शिमोगा के जू से रुद्र, तुलसी, कल्कि और ताप्ती नाम के 4 जंगली भैंसे "बायसन" प्राप्त हुए हैं। इसके बदले इंदौर ने शिमोगा जू को एक टाइगर दिया है। बायसन के साथ ही इंदौर को शुतुरमुर्ग के दो जोड़े भी मिले हैं। इंदौर जू के परिवार में 8 एग्जॉटिक एनिमल हाल ही में जुड़े हैं। यह न केवल इंदौर शहर के लिए बल्कि प्रदेशवासियों के लिए भी बड़ी खुशखबरी है। जल्द ही सेंट्रल इंडिया का सबसे आकर्षक एक्वेरियम यहां स्थापित किया जाएगा।इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मधु वर्मा तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया, एमआईसी मेंबर श्री नंदकिशोर पहाड़िया एवं प्राणी संग्रहालय प्रभारी डॉ. उत्तम यादव सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

'संघर्ष से सफलता तक' बाल आशीर्वाद योजना से बदली माँ की दुनिया

नर्मदापुरम के इटारसी की श्रीमती मालती वर्मा के लिये म.प्र. शासन की बाल आशीर्वाद योजना संकट में आशा की किरण साबित हुई है। श्रीमती मालती वर्मा दो बच्चों की माँ हैं और इटारसी के वार्ड 14 में रहती हैं। उनके पति श्री पुरुषोत्तम वर्मा का असमय निधन हो जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर हो गई। पति की मृत्यु के बाद श्रीमती मालती अकेले ही घर चलाने का प्रयास कर रही थीं, लेकिन सीमित आय के कारण बच्चों की पढ़ाई और पोषण का खर्च पूरा करना बहुत कठिन हो रहा था। उनके दोनों बच्चे आदित्य वर्मा और मुस्कान वर्मा शिक्षा जारी रखने में कठिनाई का सामना कर रहे थे।

योजना से जुड़ाव

इसी दौरान क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रश्मि यादव ने मालती वर्मा को बाल आशीर्वाद योजना की जानकारी दी। उनकी सलाह और मार्गदर्शन में मालती ने सन् 2023 में योजना का फॉर्म भरा। आवश्यक दस्तावेज़ जमा करने और प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग ने उनके बच्चों को स्पॉन्सरशिप सहायता स्वीकृत की।

योजना से मिला संबल

सन् 2024 में बेटी मुस्कान वर्मा के बैंक खाते में योजना के अंतर्गत 48,000 की राशि ट्रांसफर की गई। इस आर्थिक सहयोग से बच्चों की स्कूल फीस, यूनिफॉर्म, किताबें और पौष्टिक आहार का खर्च सुचारु रूप से पूरा होने लगा। नियमित मासिक सहायता ने शिक्षा को निरंतर बनाए रखा।आंगनवाड़ी और बाल संरक्षण समिति द्वारा लगातार निगरानी और परामर्श मिलता रहा।परिवार को अन्य सरकारी योजनाओं का भी लाभ दिया गया।

सकारात्मक परिणाम

बाल आशीर्वाद योजना से प्राप्त सहयोग के कारण दोनों बच्चे अब नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं और पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आर्थिक सहयोग से न केवल उनकी शिक्षा सुरक्षित हुई बल्कि परिवार का आत्मविश्वास और स्थिरता भी बढ़ा। मुस्कान वर्मा की पढ़ाई अब बिना किसी रुकावट के जारी है और आदित्य वर्मा भी अपनी पढ़ाई में प्रगति कर रहा है।

श्रीमती मालती वर्मा बताती हैं कि पति के निधन के बाद बच्चों की पढ़ाई रुकने की कगार पर थी। महिला एवं बाल विकास विभाग की बाल आशीर्वाद योजना और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रश्मि यादव की मदद से मेरे बच्चों को समय पर आर्थिक सहयोग मिला। बेटी के खाते में प्राप्त राशि से स्कूल की फीस और आवश्यक खर्च आसानी से पूरे हो पाए। अब मुझे विश्वास है कि मेरे बच्चों का भविष्य सुरक्षित है।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बाल आशीर्वाद योजना (स्पॉन्सरशिप योजना) का उद्देश्य ऐसे बच्चों को आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करना है जिनके परिवार अचानक उत्पन्न कठिन परिस्थितियों के कारण बच्चों की शिक्षा और पोषण का खर्च वहन करने में असमर्थ हों। इस योजना से बच्चों को अपने परिवार में ही रहते हुए आवश्यक आर्थिक सहायता मिलती है, जिससे उनका पालन-पोषण और शिक्षा बाधित नहीं होती।

ये हैं दिल्ली की होलसेल क्लॉथ मार्केट, आप भी घूम आएं एक बार

हम सभी डिजाइनर व स्टाइलिश कपड़े पहनना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए हम एक बड़ी रकम खर्च करते हैं। दरअसल, जब हम किसी रेडीमेड शॉप पर जाते हैं तो वहां पर एक-एक आउटफिट को खरीदने के लिए हजारों रूपए खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में आप बेहद ही लिमिटेड आउटफिट खरीद पाते हैं। लेकिन अगर आप सस्ते में बेस्ट कपड़ा खरीदना चाहती हैं तो आपको दिल्ली की होलसेल मार्केट का रुख करना चाहिए। इनमें कपड़ा इतना सस्ता मिलता है, जिसके बारे में आपने शायद सपने में भी ना सोचा हो।

इतना ही नहीं, यहां पर कपड़े की वैरायटी एक बड़ी रेंज भी मिलती हैं। बस आपको इन मार्केट को एक्सप्लोर करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होती है, क्योंकि इन बाजारों में मनपसंद व सबसे सस्ता कपड़ा खरीदने के लिए आपको काफी घूमना पड़ता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दिल्ली की कुछ बेहतरीन होलसेल क्लॉथ मार्केट के बारे में बता रहे हैं-

सेंट्रल मार्केट

सेंट्रल मार्केट को लाजपत नगर मार्केट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर आपको कपड़े के फैब्रिक से लेकर रेडीमेड कपड़ां तक सब कुछ आसानी से मिलेगा। एशिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक होने के नाते, सेंट्रल मार्केट को अक्सर दिल्ली में सबसे सस्ते कपड़े बाजार के रूप में जाना जाता है।(दिल्ली की सबसे फेमस होलसेल मार्केट) चाहे आपको समर क्लॉथ खरीदने हों या फिर शादी की आउटफिट खरीदनी हो, सेंट्रल मार्केट में शॉपिंग करना यकीनन आपके लिए एक अच्छा अनुभव रहेगा। बाजार और उसके आसपास कई टेलरिंग की दुकानें हैं जो आपके लिए कपड़ों की सिलाई भी करती हैं।

मोहन सिंह प्लेस

कनॉट प्लेस में स्थित मोहन सिंह प्लेस एक ऐसी जगह है, जहां पर महिलाओं से लेकर कॉलेज स्टूडेंट तक शॉपिंग करना पसंद करते हैं। सस्ती कीमत, बेहतरीन कपड़े, और कनॉट प्लेस में चहल-पहल भरा माहौल आपको शॉपिंग का एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। सभी लोग मोहन सिंह प्लेस को दिल्ली की क्लॉथ होलसेल मार्केट में एक प्रमुख नाम मानते हैं। यहां पर आपको प्रिंटेड फैब्रिक से लेकर ड्रेस मैटीरियल, डेनिम आदि काफी कुछ मिल जाएगा।

गांधी नगर बाजार

जब दिल्ली के होलसेल क्लॉथ मार्केट की बात हो और उसमें गांधी नगर बाजार का नाम ना लिया जाए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता है। अगर आप यहां पर हैं तो आपको 20 रुपये से भी कम कीमत के कपड़े मिल जाएंगे। सुनकर आपको शायद विश्वास ना हो, लेकिन यही सच है। यहां पर आकर आप डिज़ाइनर ब्लाउज और शर्ट से लेकर कुर्ते, सूट और दुपट्टे तक सब कुछ आसानी से खरीद सकते हैं। बता दें कि गांधी नगर मार्केट को देश के सबसे बड़े बाजारों में से एक माना जाता है, जो होलसेल रेट्स पर रेडीमेड गारमेंट्स बेचता है। इसका मतलब यह भी है कि ऐसे स्टोर ढूंढना वाकई मुश्किल है जो आपको सिर्फ एक शर्ट या सूट बेचते हों। अगर आप थोक में कपड़ा खरीदना चाहते हैं तो ऐसे में गांधी नगर बाजार से बेहतर शायद ही आपको कोई दूसरी जगह मिले। तो अब आप भी एक बार दिल्ली की इन होलसेल क्लॉथ मार्केट में जाएं और अपने एक्सपीरियंस हमारे साथ शेयर करें। इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय भी आप हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा है तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

गांधी नगर मार्केट से करें होलसेल रेट में शॉपिंग

दिल्ली में कई चीजें थोक के भाव पर मिलती है। दिल्ली में ऐसी ही कुछ मार्केट हैं, जहां होलसेल पर सामान बेचा जाता है। क्या आपने कभी गांधी मार्केट के बारे में सुना है? यह दिल्ली ही नहीं एशिया की सबसे बड़ी टेक्सटाइल मार्केट है। अब आप खुद सोचिए कि यह मार्केट कितनी अच्छी और सस्ती होगी। अगर आप सरोजिनी और लाजपत नगर मार्केट के बजाय कोई नई जगह एक्सप्लोर करना चाहती हैं तो इस बार वीक ऑफ पर गांधी मार्केट घूमें। इस मार्केट से आप केवल 1000 रूपये में पूरे साल की शॉपिंग कर सकती हैं। क्या आप जानना चाहती हैं क्या खास है इस मार्केट में? तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें।

क्या आप जींस खरीदने के लिए केवल सरोजिनी और मॉल जाती हैं? जहां आपको 1000 रूपये में एक जींस मिलती है, लेकिन अगर हम कहें कि आपको 150 रूपये में जींस मिल जाएगी तो क्या आप मेरी बात पर यकीन करेंगी? गांधी नगर मार्केट में 150 रूपये की जींस मिलती है, लेकिन आपको जींस का सेट लेना पड़ेगा जिसमें 3-4 जींस होती है। इस मार्केट में मिलने वाली सबसे महंगी जींस का दाम भी केवल 350 रूपये हैं, तो खुद सोचिए आप यहां से कितनी चीजें खरीद सकती हैं।

50 रूपये में मिल जाएगी शर्ट

भला 50 रूपये में आजकल 1 किलो चावल नहीं मिलते हैं। सोचिए अगर आपको इसी दाम में शर्ट मिल जाए तो आपको कैसा लगेगा। गांधी नगर मार्केट में थोक भाव पर शर्ट मिलती है।(विनोद नगर मार्केट कहां है)

एथनिक आउटफिट्स के लिए है बेस्ट

अगर आप एथनिक आउटफिट्स की दीवानी हैं तो आपको गांधी नगर मार्केट से खरीदारी जरूर करनी चाहिए। जितने दाम में आप अन्य मार्केट से 1 सूट खरीदेंगी, उतने में आपको इस मार्केट से 2-3 जोड़ी सूट मिल जाएंगे। यहां आपको एकदम सिंपल से लेकर कढ़ाई वाले सूट तक की वैरायटी मिल जाएगी।

इसलिए अगर आप अपनी दोस्त की शादी के लिए शॉपिंग करने का प्लान बना रही हैं तो यहां जाएं। गांधी नगर मार्केट में आप अपने भाई के लिए शेरवानी का कपड़ा भी खरीद सकती हैं

मार्केट कब रहती है बंद?

ज्यादातर मार्केट हफ्ते के किसी एक दिन बंद रहती है। सोमवार को गांधी नगर मार्केट खाली पड़ी रहती है। इस दिन यहां आपको केवल बंद दुकानें ही दिखेंगी। सोमवार के दिन बेहद कम ही लोगों का ऑफिस बंद रहता है। इसलिए आपको इस मार्केट से शॉपिंग करने के लिए छुट्टी लेनी पड़ सकती है।

यह सामान भी खरीद सकती हैं आप

वर्तमान समय में इस मार्केट की पूरी दशा बदल गई है। करीब 40 साल पहले तक यहां पर पटरियों पर सामान बेचा जाता था। अब यहां आपको हजारों की संख्या में दुकानें देखने को मिलेंगी। साथ ही अगर आपको मोल भाव करना आता है तो गांधी नगर मार्केट आपके लिए अच्छी साबित हो सकती है। अगर आपके घर में शादी है तो आप यहां से थान का कपड़ा ले सकती हैं। गांधी नगर मार्केट में कोट-पैंट का कपड़ा भी बेहद सस्ते दाम में मिलता है।अगर आप कैजुअल वियर के लिए सही दाम में टॉप खरीदना चाहती हैं तो गांधी मार्केट जाएं।

कैसे पहुंचें मार्केट?

मार्केट जाने के लिए आपको सीलमपुर मेट्रो स्टेशन पर उतरना होगा। वहां से आप रिक्शा से मार्केट पहुंच सकती हैं।

2025 में वर्क फ्रॉम होम जॉब्स घर बैठे कमाइए लाखों में

आज के समय में और कोविड के बाद से ज्यादा से ज्यादा लोग अपने घर से ही काम कर रहे हैं। ये एक अच्छी बात है क्योंकि वर्क फ्रॉम होम से आप उस तरीके से काम कर सकते हैं, जो आपके लिए कम्फ़र्टेबल है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएँगे कि वर्क फ्रॉम होम जॉब्स कहा से ढूंढी जा सकती है। उनके लिए किन चीज़ो की ज़रुरत होगी और वर्क फ्रॉम होम जॉब्स से कितनी कमाई हो सकती है। वर्क फ्रॉम होम जॉब्स के कई विकल्प उपलब्ध हैं, जैसे– डेटा एंट्री, आर्टिकल लेखन, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन ट्यूशन और वीडियो एडिटिंग। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए राजस्थान सरकार ने "मुख्यमंत्री घर से काम – जॉब वर्क योजना" शुरू की है, जिससे वे घर बैठे ही रोजगार प्राप्त कर सकें। वर्क फ्रॉम होम के कई फायदे हैं, और आज के कम्पटीशन में हर कोई सरकारी जॉब नहीं ले सकता है, इसलिए अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कुछ ऐसे जॉब्स हैं, जो घर से किये जा सकते है।

वर्क फ्रॉम होम जॉब्स के लिए क्या ज़रूरी?

जब भी हम वर्क फ्रॉम होम जॉब्स की बात करते हैं, तो ऐसे में कुछ बाते हैं जिनके बारे में सोचना बेहद जरूरी है। उनमें से कुछ हमने नीचे बताई हैं, उन्हें ध्यान से जरूर पढ़ें।

वर्क फ्रॉम होम जॉब्स के लिए आवश्यक सामग्री |

इंटरनेट कनेक्शनः वर्क फ्रॉम होम के लिए हाई स्पीड और रिलाएबल इंटरनेट जरूरी होता है ताकि ऑनलाइन काम में कोई रुकावट न आए।

एक शांत जगहः काम के दौरान ध्यान केंद्रित करने के लिए शांत और शोर-शराबे से मुक्त जगह चाहिए।

टाइम मैनेजमेंट स्किल्सः वर्क और लाइफ को बैलेंस करने के लिए बेहतर टाइम मैनेजमेंट जरूरी है, ताकि दोनों में कोई कमी न हो।

सेल्फ मोटिवेशन और डिसिप्लीनः काम को समय पर और प्रभावी तरीके से करने के लिए खुद को मोटिवेट और डिसिप्लीन बनाए रखना जरूरी है।

कम्युनिकेशन स्किल्सः टीम के साथ प्रभावी संवाद के लिए आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स मजबूत होनी चाहिए, ताकि सभी काम सही से हो सकें।

टेक्नोलॉजी स्किल्सः वर्क फ्रॉम होम में उपयोग किए जाने वाले सॉफ़्टवेयर और टूल्स का ज्ञान होना आवश्यक है।

2025 में टॉप वर्क फ्रॉम होम जॉब्स और उनकी कमाई

जिन लोगो के पास जॉब्स नहीं है और वो 2023 में वर्क फ्रॉम होम जॉब्स करना चाहते हैं, उनके लिए हम 7 जॉब्स की एक लिस्ट लेकर आए हैं, जिनके लिए आप अप्लाई कर सकते हैं और अपने घर से ही काम कर सकते हैं। आपको किसी इंटरव्यू या ऑफिस में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, आप सब कुछ अपने लैपटॉप, मोबाइल और इंटरनेट पर ही कर सकते हैं। कुछ ऐसे Online Work From Home Jobs जो दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनी ऑफर करती हैं।

1. मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शनिस्ट

मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शनिस्ट बनने के लिए किसी भी मेडिकल बैकग्राउंड के स्टूडेंट की जरूरत होती है। bsc, msc किये हुए स्टूडेंट्स ये काम आसानी से कर सकते हैं, क्योंकि इस काम के लिए मेडिकल से जुड़े टर्म्स के बारे में पता होना बेहद जरूरी होता है। जो भी मेडिकल डिक्टेशन यानी कि डॉक्टर द्वारा बोली गई बातें होती हैं, उन्हें ऑडियो फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया जाता है, ऐसे रिकॉर्ड किये हुए ऑडियो को टेक्स्ट में लिखने का काम मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शनिस्ट का होता है। इस तरह के जॉब्स हॉस्पिटल्स, क्लीनिक्स और हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स द्वारा दिए जाते हैं। अगर आप एक मेडिकल बैकग्राउंड के स्टूडेंट हैं, तो आप नीचे दिए हुए कंपनियों में अप्लाई करके ये वर्क फ्रॉम होम जॉब पा सकते हैं।

2. कस्टमर सक्सेस मैनेजर

इस जॉब में कस्टमर को प्रोडक्ट या सर्विस लेने में मदद करनी होती है। कस्टमर की जरूरत समझकर उन्हें फीचर्स, फायदे और नुकसान बताना होता है, साथ ही उनके सवालों का जवाब भी देना होता है। अगर कस्टमर सर्विस लेता है, तो कस्टमर सक्सेस मैनेजर समस्याओं को हल करता है। इसके लिए उच्च शिक्षा की जरूरत नहीं, लेकिन अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स जरूरी हैं। इस वर्क फ्रॉम होम जॉब के लिए आप नीचे दी गई कंपनियों में अप्लाई कर सकते हैं।

3. ऑनलाइन ट्रेवल एजेंट

ऑनलाइन ट्रेवल एजेंट बनना आसान है, क्योंकि इसमें न तो कोई स्किल और न ही इन्वेस्टमेंट की जरूरत होती है। आप कस्टमर और ट्रेवल कंपनी के बीच मीडिएटर का काम करते हैं और कमीशन कमाते हैं। ट्रेवल पैकेजेस कस्टमर को होटल, फ्लाइट और रेंटल कार जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं। एजेंट के जरिए कस्टमर को सुविधाजनक और सस्ता पैकेज मिलता है। आप यह काम घर से कर सकते हैं और 10,000 से 30,000 रुपए तक कमा सकते हैं।

4. ऑनलाइन डेटा एनालिस्ट

डेटा एनालिस्ट की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। ये बिज़नेस की ग्रोथ के लिए जरूरी

डेटा कलेक्ट और एनालाइज करते हैं, जिससे बिज़नेस को बेहतर फैसले लेने में मदद मिलती है। डेटा एनालिस्ट वेबसाइट ट्रैफिक, सोशल मीडिया, कस्टमर सर्वे जैसी जानकारी पर काम करते हैं। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप नीचे दी गई कंपनियों में ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

5. ऑनलाइन सॉफ्टवेयर टेस्टर

सॉफ्टवेयर या ऐप लांच से पहले उसे ऑनलाइन सॉफ्टवेयर टेस्टर से टेस्ट किया जाता है, ताकि बग्स और समस्याओं से बचा जा सके। यह काम आप घर से कर सकते हैं, जिसमें सॉफ्टवेयर और टूल्स की टेस्टिंग करनी होती है। आपको टेस्ट प्लान बनाना और डिफेक्ट्स ठीक करने के लिए डेवलपर्स से काम करना होता है। इसके लिए सॉफ़्टवेयर मेथोडोलॉजी और टेस्ट ऑटोमेशन टूल्स की जानकारी जरूरी है। आप फ्रेशर के तौर पर भी इस वर्क फ्रॉम होम जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

6. लॉयर्स के लिए वर्चुअल असिस्टेंट

ये जॉब लॉ स्टूडेंट्स के लिए सबसे बेस्ट है, क्योंकि उनको लॉ से जुड़ी सारी जानकारी होती है। लॉ फर्म्स या फिर लॉयर्स अपने सपोर्ट के लिए इस तरह के ऑनलाइन वर्चुअल असिस्टेंट को हायर करते हैं। ये वर्चुअल असिस्टेंट बनकर आपको लीगल रिसर्च, केस मैनेजमेंट, डॉक्युमेंट्स बनाना, अपॉइंटमेंट को फिक्स करना, ट्रेवल ट्रिप्स को अरेंज करने जैसे काम करने होते हैं। इस काम मे आपको अच्छा खासा पेमेंट मिलता है। कुछ ऐसी टॉप कम्पनीज हैं, जो ऑनलाइन वर्चुअल असिस्टेंट हायर करती हैं। जैसे किः

7. बिज़नेस के लिए वर्चुअल असिस्टेंट

जैसे वर्चुअल असिस्टेंट लॉयर्स के लिए होते हैं, वैसे ही बिज़नेस के लिए HR होते हैं। इनका काम एम्प्लॉय हायर करना, इंटरव्यू लेना, सैलरी रिलीज करना, काम के रिकॉर्ड्स मैनेज करना, समस्याओं को हल करना और ट्रेनिंग देना होता है। यह बिज़नेस के लिए एक महत्वपूर्ण रोल है। अगर आपके पास अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स और MBA जैसी डिग्री है, तो आप इस वर्क फ्रॉम होम जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

8. ऑनलाइन कैप्शनर

ये जॉब सबसे आसान और बिना किसी स्किल और एक्सपीरियंस पर किया जा सकता है। ऑनलाइन कैप्शनर बनकर आप घर से ही अपने खाली समय मे काम करके अच्छा पेमेंट पा सकते हैं। मीडिया कंपनी, प्रोडक्शन कंपनी और एजुकेशनल कंपनीज को इस तरह के ऑनलाइन कैप्शनर की जरूरत होती है। क्योंकि इन सबका कॉन्टेन्ट वीडियो फॉरमेट में होता है, जिसे समझने के लिए वीडियो के नीचे कैप्शन्स दिए जाते है। कभी कभी अलग अलग लैंग्वेज में भी कैप्शन्स लिखे जाते हैं। आपको केवल इन वीडियोस को देखना होता है और उसका कैप्शन लिखना होता है। इस तरह के जॉब करने के लिए आप नीचे दिए हुए साइट्स पर अप्लाई कर सकते हैं।

9. ऑनलाइन डेटा एंट्री क्लर्क

ये एक वर्क फ्रॉम होम जॉब है जिसे आप जब चाहे तब कर सकते है। इसमें किसी भी तरह का कोई टाइम लिमिट आपको नही दिया जाता है। इसमें आपको कंपनी के द्वारा हाथ से लिखे हुए डॉक्यूमेंट्स, या फिर डॉक्युमेंट्स की फोटोज, या फिर इलेक्ट्रॉनिक फाइल्स दी जाती हैं, जिसे आपको टेक्स्ट में कन्वर्ट करना होता है। इसमें आपको केवल इतना ध्यान रखना होता है कि आपके लिखे हुए डेटा में कोई गलती न हो। इस तरह के डेटा जॉब करने के लिए आप नीचे दिए हुई कंपनीज में अप्लाई कर सकते हैं।

भारत की सबसे महंगी ट्रेन

किराया 15 लाख रु से भी ज्यादा, कमरे और सुविधाएं देख कहेंगे आ गए हैं किसी महल में

पैलेस ऑन व्हील्स देश की सबसे महंगी ट्रेन है, जो पीक सीजन में भी चलती है और लो सीजन में भी। अगर आप घूमना चाहते हैं, तो दोनों सीजन की ही कीमत आपको अलग-अलग पड़ेगी।

आपने कई बार ट्रेन में सफर किया होगा, अपनी जेब के मुताबिक ही हम अपनी टिकट खरीदते हैं, सुविधाएं लेते हैं और अपने सफर को पूरा करते हैं। लेकिन देश में कुछ और ट्रेनें भी हैं, जो लग्जुरियस से लग्जुरियस फैसिलिटी देती हैं। जी हां, ऐसी ट्रेनों में सफर करके आपको बिल्कुल भी नहीं लगेगा कि आप किसी किसी ट्रेन में हैं, एकदम महल जैसा फील देती हैं ऐसी ट्रेनें।

हम बात कर रहे हैं भारत की सबसे महंगी ट्रेन पैलेस ऑन व्हील्स की, जिसमें बैठना सबके बस की बात नहीं। ये इतनी महंगी ट्रेन है कि इस ट्रेन में सफर करने के लिए यात्री को 8 रु से लेकर 16 लाख रु से अधिक का किराया चुकाना होता है। चलिए आपको बताते हैं इस ट्रेन के बारे में। (All photo:heritagepalaceonwheels@insta)

शुरूआती कीमत है ये

पैलेस ऑन व्हील्स की टिकट कीमतें मौसम और इस बात पर निर्भर करती हैं कि आप सिंगल ऑक्युपेंसी चुनते हैं या डबल ऑक्युपेंसी। टिकट की शुरुआती कीमत लो सीजन (अप्रैल और सितंबर) में डबल ऑक्युपेंसी पर प्रति व्यक्ति 6048 अमेरिकी डॉलर (5,36,711 रु) से शुरू होती है।

पैलेस ऑन व्हील्स की साइट के अनुसार, किराए को दो हिस्सों में बांटा गया है- लीन सीजन (अप्रैल और सितंबर) और पीक सीजन (अक्टूबर से मार्च)। ये किराए अप्रैल 2025 तक मान्य हैं। ध्यान रहे, मई से अगस्त के बीच कोई ट्रेन नहीं चलती। इसके अलावा, कुछ खास तारीखों और सीजनल डिपार्चर पर अतिरिक्त शुल्क भी लग सकता है।

अगर आप घूमना चाहते हैं, इस प्रकार है कीमत

पीक सीजन पैलेस ऑन व्हील्स (2025-26) अक्टूबर 2025 से मार्च 2026

सुइट - प्रति रात कीमत - 7 रात/8 दिन की कीमत

प्रेसिडेंशियल सुइट (प्रति केबिन) – 2,87,800 – 20,15,300रु

सुपर डीलक्स (प्रति केबिन) – 2,25,300 – 15,77,100रु

सिंगल ऑक्यूपेंसी (प्रति यात्री) – 1,23,100 – 8,61,700रु

डबल ऑक्यूपेंसी (प्रति यात्री) – 80,000 – 5,60,000रु

लो सीजन पैलेस ऑन व्हील्स (2025-26) सितंबर 2025 से अप्रैल 2026

प्रेसिडेंशियल सुइट (प्रति केबिन) - 264300 - 1850100 रु

सुपर डीलक्स (प्रति केबिन) – 215600 - 1509200 रु

सिंगल ऑक्यूपेंसी (प्रति यात्री) – 108900 - 762300 रु

डबल ऑक्यूपेंसी (प्रति यात्री) –70800- 495600 रु

क्या रहता है यात्रा का रूट

दिल्ली - जयपुर - सवाई माधोपुर - चित्तौड़गढ़ - उदयपुर - जैसलमेर - जोधपुर - भरतपुर - आगरा - दिल्ली

पैलेस ऑन व्हील्स अपनी शानदार यात्रा की शुरुआत देश की राजधानी दिल्ली (सफदरजंग रेलवे स्टेशन) से करता है। इस यात्रा में दो राज्यों की सैर करवाई जाती है, जहां आपको अनगिनत ऐतिहासिक इमारतें, खूबसूरत नजारे और भारत की प्राकृतिक धरोहर देखने को मिलती है।

यह 7 रात / 8 दिन की यात्रा भारतीय पर्यटन के हर रंग को अपने में समेटे हुए है। इस सफर में राजस्थान के उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर और भरतपुर घूमने को मिलते हैं। राजस्थान से बाहर यह यात्रा आपको ले जाती है मुगल नगरी आगरा (ताजमहल) तक।

ट्रेन में मिलती हैं ये सुविधाएं

इस ट्रेन को दुनिया की मशहूर टूरिज्म मैगजीन Conde Nast ने दुनिया की दूसरी सबसे बेहतरीन लग्जरी ट्रेन का खिताब दिया है। इस ट्रेन में आपको मिलती हैं कुछ ऐसी सुविधाएं जिनका मजा बस वही जाकर है।

2 रेस्तरां, जहां तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं।

1 बार, जहां ड्रिंक्स और आराम का मजा लिया जा सकता है।

4 सर्विस कारें, जो हर समय मदद के लिए तैयार रहती हैं।

पूरी ट्रेन एसी है और 24 घंटे सर्विस मिलती है।

ऐसे राज्य में जाना चाहेंगे जहां आजतक किसी को ना सांप ने कांटा और ना ही कुत्ते ने, आखिर क्या है वजह, कहां है जगह?

भारत में एक ऐसा राज्य भी है जहां ना ही कुत्ता है और ना ही सांप। मालदीव की तरह खूबसूरत इस राज्य में लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। यहां 600 से ज्यादा प्रजाति की मछलियां पाई जाती हैं। इस राज्य का नाम है लक्षद्वीप जहां आप प्रकृति का मजा लेने के साथ-साथ रोमांच का भी पूरा मजा ले सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं यहां एक जानवर को पालने पर पाबंदी है, ये जानवर आपको लक्षद्वीप में देखने को भी नहीं मिलेगा। ये जानवर कोई और नहीं बल्कि कुत्ता है। हालांकि डॉगी पालना हर किसी को पसंद है। यही नहीं डॉगी को सबसे ज्यादा वफादार भी मानते हैं। लेकिन लक्षद्वीप में कहीं पर भी आपको एक भी डॉगी दिखाई नहीं देगा। WHO के मुताबिक, लक्षद्वीप एक रेबीज फ्री राज्य भी है। इसके अलावा यहां कोई भी पर्यटक कुत्ता नहीं ले जा सकता। वहीं एक और जीव है जो यहां नहीं पाया जाता। चलिए आपको इस जगह के बारे में बताते हैं।

लक्ष्यद्वीप में यह जीव भी नहीं मिलेगा

लक्ष्यद्वीप में यह जीव भी न लक्षद्वीप को स्नेक-फ्री स्टेट कहा जाता है क्योंकि यहां सांप बिल्कुल नहीं पाए जाते। फ्लोरा एंड फौना ऑफ लक्षद्वीप के अनुसार यह भारत का इकलौता प्रदेश है जहां सांपों की कोई प्रजाति मौजूद नहीं है। यहां आपको ना केवल कुत्ते बल्कि सांप भी दिखाई नहीं देंगे। वहीं

इसके पड़ोसी राज्य केरल में सबसे अधिक प्रजाति के सांप पाए जाते हैं। इस अनोखी बात के चलते भी लक्षद्वीप कई लोगों द्वारा पसंद किया जाता है।लक्षद्वीप को स्नेक-फ्री स्टेट कहा जाता है क्योंकि यहां सांप बिल्कुल नहीं पाए जाते। फ्लोरा एंड फौना ऑफ लक्षद्वीप के अनुसार यह भारत का इकलौता प्रदेश है जहां सांपों की कोई प्रजाति मौजूद नहीं है। यहां आपको ना केवल कुत्ते बल्कि सांप भी दिखाई नहीं देंगे। वहीं इसके पड़ोसी राज्य केरल में सबसे अधिक प्रजाति के सांप पाए जाते हैं। इस अनोखी बात के चलते भी लक्षद्वीप कई लोगों द्वारा पसंद किया जाता है।

पक्षियों की ये प्रजातियां भी मिलेंगी

लक्षद्वीप अपने समृद्ध वन्यजीव और पक्षी जीवन के लिए जाना जाता है। यहां पक्षी प्रेमियों को कई तरह की प्रजातियों के रंग-बिरंगे पक्षी देखने को मिल जाएंगे। साधारण कौवे से लेकर राजसी समुद्री पक्षी तक यहां सब दिखाई देते हैं। खासतौर पर पिट्टी द्वीप एक लोकप्रिय पक्षी अभयारण्य है, जहां अनेक प्रजातियां घोंसले बनाने और प्रजनन के लिए आती हैं।

समुद्री जीवन में भी यहां विविधता है। दुर्लभ और लुप्तप्राय समुद्री स्तनपायी डुगोंग, जिसे समुद्री गाय कहा जाता है, वो भी यहां पाया जाता है। लक्षद्वीप अपनी समुद्री विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां लगभग 600 से अधिक प्रजाति की मछलियां पाई जाती हैं, जिनमें तितली मछली विशेष महत्व रखती है।

तो इसलिए नहीं ला सकते यहां कुत्ते

लक्षद्वीप प्रशासन द्वीपों के नाजुक इकोसिस्टम का खास ख्याल रखता है। ऐसा बताते हैं कि ये द्वीप प्राकृतिक रूप से सांप-मुक्त रहे हैं। माना जाता है कि कुत्तों के रहने से यहां का संतुलन बिगड़ सकता है। इसी कारण, यहां कुत्तों को लाने पर पूरी तरह प्रतिबंध है, ताकि वनस्पतियों और जीवों की रक्षा हो सके। अच्छी बात ये है यहां अब तक किसी को भी रेबीज नहीं हुआ और न ही सांप काटने का कोई मामला सामने आया है।

लक्षद्वीप इस वजह से आना पसंद करते हैं लोग

लक्षद्वीप भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश है, जो अरब सागर में स्थित है। यह लगभग 32 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, लेकिन यहां करीब 64,000 लोग निवास करते हैं। लक्षद्वीप में कुल 36 द्वीप हैं, जिनमें से केवल 10 द्वीपों पर ही आबादी रहती है। इनमें कवरत्ती, अगत्ती, अमिनी, कदमत, किलाटन, चेतलाट, बिट्रा, एंड्रोथ, कल्पेनी और मिनिकॉय प्रमुख हैं। कवरत्ती यहां की प्रशासनिक राजधानी है। ज्यादातर निवासी मुस्लिम समुदाय से,

गोबर से दौड़ेंगी मारुति की कारें? कितना सस्ता होगा चलाना? कितनी रहेगी सेफ? ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स के जवाब

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब ऑटोमोबाइल सेक्टर में नए फ्यूल ऑप्शन्स खोजे जा रहे हैं। इलेक्ट्रिक और सीएनजी के बाद अब मारुति ने यह कहकर तहलका मचा दिया कि उसकी कारें अब गोबर गैस से दौड़ेंगे। भारत में ये कारें कितनी सक्सेस हो सकेंगी। ऐसे में यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या पुरानी कारों को भी नए बायो गैस फ्यूल व्हीकल में बदला जा सकेगा। मारुति सुजुकी ने इसके लिए केंद्र सरकार के कुछ उपक्रमों से भी साझेदारी की बात कही है। क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स-

बाजार में मारुति सुजुकी के फिलहाल 14 सीएनजी मॉडल उपलब्ध है। इसमें ऑल्टो, सेलेरियो, वैगनआर, स्विफ्ट, स्विफ्ट डिजायर, बलेनो, अर्टिगा, ग्रैंड विटारा समेत अन्य कारें शामिल हैं। भारतीय सीएनजी कार बाजार में मारुति सुजुकी की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। मारुति ने साल 2010 में तीन मॉडलों ऑल्टो, ईको और वैगनआर के साथ सीएनजी कार बाजार में बिक्री शुरू की थी। बायोगैस से कार चलाने के जुगाड़ प्रयास पहले भी लोग कर चुके हैं। हालांकि ये प्रयास बहुत छोटे स्तर पर हुए हैं और इनमें इतनी सफलता नहीं मिल पाई है। कंपनी को इस प्लान को सक्सेस करने के लिए बड़े बदलाव करने होंगे।

सस्ती, सेफ और ज्यादा माइलेज :

ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स का कहना है कि बायोगैस की कारें सीएनजी और एलपीजी कारों के मुकाबले काफी सुरक्षित होंगी। माइस्चर कंटेंट ज्यादा होने के कारण इनमें आग लगने का खतरा काफी कम होगा। एलपीजी कारों के साथ आने वाली गंध की समस्या भी इन कारों में नहीं होगी। बायोगैस से कार चलाना सस्ता होगा, क्योंकि ये गैस सस्ती होगी और कंबशन रेट अच्छा होने के चलते इससे चलने वाली कारें माइलेज भी अच्छा देंगी। इनसे प्रदूषण भी बहुत कम होगा।

ये आ सकती हैं परेशानियां :

ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स के मुताबिक ठंडे इलाकों में बायोगैस की कार स्टार्टिंग और मिसिंग की परेशानी होगी, क्योंकि इसमें माइस्चर होगी। पेट्रोल इनलाइन में भी बदलाव करने होंगे। पेट्रोल इंजेक्टर्स का डिजाइन इसके लिए बदलना होगा। हालांकि सारी सुविधाएं और परेशानियां तो कार के रोड पर चलने पर ही पता चलेंगे।

आपकी 15 साल पुरानी कार या बाइक बना सकती है आपको मालामाल, बेचने से अच्छा है कर दें स्क्रैप

भारत में स्क्रैपेज नीति सरकारी वित्त पोषित कार्यक्रम है, जिसे सड़कों पर चलने वाली पुरानी और खराब हालत वाली गाड़ियों को नई और आधुनिक गाड़ियों से बदलने के लिए लाया गया है. इस नीति का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाना और देश के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है.

यह वाहन स्क्रैपेज नीति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात में एक निवेशक सम्मेलन में शुरू की गई थी. यह नीति चलने लायक़ नहीं रह गईं गाड़ियों को स्क्रैप करने का लक्ष्य रखती है. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के अनुसार, यदि आप अपने पुराने वाहन को कबाड़ में बदलने का फैसला करते हैं, तो आप प्रोत्साहन राशि के पात्र होंगे.

स्क्रैपेज नीति के लिए वाहनों का वर्गीकरण

चूंकि भारत में सड़कों पर कई तरह के वाहन चलते हैं, इसलिए इन वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए लागू किए जाने वाले नियम वाहनों के वर्गीकरण के आधार पर अलग-अलग होंगे. निजी वाहनः सभी निजी कारों को उनके पंजीकरण के 15 साल बाद फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा. यदि कार फिटनेस टेस्ट पास कर लेती है, तो पंजीकरण का नवीनीकरण किया जा सकता है जो 5 साल के लिए वैध होता है. व्यावसायिक वाहनः बसों, ट्रकों आदि जैसे व्यावसायिक वाहन पंजीकरण के पहले 8 वर्षों के लिए हर दो साल में और 8 साल के बाद हर साल फिटनेस टेस्ट के लिए पात्र होते हैं, जब तक कि वाहन की पंजीकरण आयु 15 वर्ष तक नहीं पहुंच जाती.

सरकारी वाहनः 15 साल से अधिक पुराने सभी राज्य और केंद्र सरकार के वाहनों को हटा दिया जाएगा. विंटेज वाहनः पुरानी कार स्क्रैपेज नीति विंटेज वाहनों पर लागू नहीं होती क्योंकि उनकी ज्यादातर अच्छी तरह से देखभाल की जाती है और उन्हें कम चलाया जाता है.

महंगी हो जाएगी Hero की बाइक और स्कूटर्स, जानें कितने रुपये की होगी वृद्धि

पुरानी गाड़ी को स्क्रैप में बदलने के फायदे

सरकार पुरानी गाड़ी स्क्रैप करने पर कई तरह के प्रोत्साहन देती है, जिनमें शामिल है वाहन निर्माता कंपनियां नई गाड़ी खरीदने पर 5% तक की छूट दे सकती हैं. नई गाड़ी खरीदने पर रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट. स्क्रैप मूल्य के बराबर राशि (नई गाड़ी की एक्स-शोरूम

Whatsapp को सीधी टक्कर दे रहा है Zoho का Arattai, जानिए क्यों बन रहा है यूजर्स की पसंद

भारत की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी Zoho ने हाल ही में अपना नया मैसेजिंग ऐप अरट्टई (Arattai) लॉन्च किया है। इसे सोशल मीडिया पर लोग तेजी से अपनाते हुए 'व्हाट्सऐप किलर' तक कहने लगे हैं। Zoho का यह कदम ऐसे समय पर आया है जब देश में यह मांग बढ़ रही है कि भारतीय कंपनियां ऐसे प्लेटफ़ॉर्म तैयार करें जो विदेशी टेक दिग्गजों का ऑप्शन बन सकें।

अरट्टई का ज़ोर सिर्फ़ नए फीचर्स पर ही नहीं, बल्कि यूज़र प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा पर भी है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर यह ऐप चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे व्हाट्सऐप का असली भारतीय ऑप्शन मानने लगे हैं।

ये 5 फीचर्स व्हाट्सएप को दे रहे हैं मात-

Zoho पहले से ही अपने बिज़नेस सॉल्यूशन्स के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसे बड़े नामों को टक्कर देता आया है। अब आम यूजर्स के लिए लॉन्च हुआ अरट्टई, व्हाट्सऐप के सामने एक मजबूत चुनौती बनकर खड़ा है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से अभी अरट्टई केवल वॉयस और वीडियो कॉल्स को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन देता है, जबकि व्हाट्सऐप में टेक्स्ट मैसेज और कॉल्स दोनों ही पूरी तरह सुरक्षित रहते हैं।

1. मीटिंग्स (Meetings)

अरट्टई का 'मीटिंग्स' फीचर इसे खास बनाता है। जहां व्हाट्सऐप की वीडियो कॉलिंग सीमित है, वहीं अरट्टई पर यूजर्स Google Meet और Zoom की तरह तुरंत मीटिंग बना सकते हैं, किसी मीटिंग में जुड़ सकते हैं या भविष्य के लिए शेड्यूल कर सकते हैं।

2. पॉकेट (Pocket)

व्हाट्सऐप पर लोग खुद को मैसेज भेजकर जानकारी सेव करते हैं। अरट्टई ने इसे और बेहतर बना दिया है। इसका 'पॉकेट' फीचर यूजर्स को एक तरह का पर्सनल क्लाउड स्टोरेज देता है, जहां वे मैसेज, मीडिया और जरूरी फाइलें सुरक्षित रख सकते हैं।

3. मेंशन्स (Mentions)

व्हाट्सऐप पर किसी ग्रुप चैट में किसने आपको टैग किया, यह ढूंढना मुश्किल होता है। अरट्टई ने यह समस्या हल कर दी है। इसमें Slack की तरह एक 'मेंशन्स' सेक्शन है, जहां सभी मैसेज एक ही जगह मिल जाते हैं जिनमें यूज़र का ज़िक्र किया गया है।

4. बिना विज्ञापन (No Ads)

अरट्टई पूरी तरह ऐड-फ़्री है और कंपनी ने साफ कहा है कि वह यूज़र्स के डेटा का इस्तेमाल विज्ञापन के लिए नहीं करेगी। वहीं, व्हाट्सऐप ने हाल ही में Updates टैब में विज्ञापन दिखाना शुरू किया है और डेटा को अपनी पैरेंट कंपनी Meta के साथ शेयर भी करता है।

5. जबरन AI नहीं (No Forced AI)

Meta ने पिछले कुछ महीनों में व्हाट्सऐप और अन्य प्लेटफ़ॉर्म्स पर AI फीचर्स जोड़ दिए हैं, जिन्हें पूरी तरह बंद करने का विकल्प नहीं है। दूसरी ओर, अरट्टई में इस समय कोई AI फीचर मौजूद नहीं है। कंपनी भविष्य में इन्हें जोड़ सकती है, लेकिन उम्मीद है कि इन्हें यूज़र्स पर थोपा नहीं जाएगा।

iPhone 17 खरीदने के लिए उमड़ी भीड़, मुंबई में एप्पल स्टोर के बाहर मारपीट

मुंबई में मारामारी : मुंबई के बीकेसी स्थित एप्पल स्टोर के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। हर कोई सबसे पहले इस फोन को खरीदना चाहता था। इस बीच स्टोर के बाहर लोगों में हाथापाई हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। एपल कंपनी भारत में 82,900 रुपए से लेकर 2,29,900 रुपए की कीमत में आईफोन 17 सीरिज लेकर आई है। भारत में एपल आईफोन प्रो मैक्स की कीमत 256GB के लिए 149,900 रुपए, 512GB के लिए 169,900 रुपए, 1TB के लिए 189,900 रुपए और नए 2TB स्टोरेज के लिए 229900 रुपए से शुरू होती है। नए आईफोन एयर की कीमत 256GB के लिए 119,900 रुपए, 512GB के लिए 139,900 रुपए और 1TB स्टोरेज के लिए 159,900 रुपए हैं।

apple iphone 16 pro पर बंपर डिस्काउंट, 55,000 रुपए तक की बचत, जानिए क्यों कम हुए दाम

apple 17 सीरीज को लॉन्च कर दिया गया है। नए मॉडल्स लॉन्च होने के बाद आईफोन 16 के कुछ मॉडल्स की कीमतों में गिरावट आई है। iPhone 16 Pro Max को अब Flipkart की आने वाली Big Billion Days Sale में बेहद कम दामों पर खरीदा जा सकेगा। साल की Big Billion Days Sale, जो 23 सितंबर से शुरू हो रही है, में iPhone 16 Pro Max के बेस वेरिएंट पर भारी डिस्काउंट मिलेगा।

Flipkart ने ऐलान किया है कि स्मार्टफोन की लॉन्च कीमत 1,44,900 रुपए थी, लेकिन इस सेल के दौरान इसे 90,000 रुपए से भी कम कीमत में खरीदा जा सकेगा। खरीदारों को लॉन्च प्राइस पर करीब 55,000 रुपए से ज्यादा की बचत होगी। Flipkart पर मौजूदा कीमत लगभग 1,38,000 रुपए के आसपास है, जिसमें से भी लगभग 48,000 रुपए तक की कटौती मिलेगी। आप नया iPhone 17 खरीदने की बजाय एक प्रीमियम स्मार्टफोन कम दाम में लेना चाहते हैं, तो Flipkart की यह सेल आपके लिए एक बेहतरीन अवसर है। Flipkart पर Samsung Galaxy S24 Ultra 5G पर भी भारी डिस्काउंट मिल रहा है। इसके 12GB रैम और 256GB स्टोरेज वाले वेरिएंट की असली कीमत 1,34,999 रुपये है, लेकिन फिलहाल इसे 40% की छूट के साथ मात्र 79,999 रुपए में खरीद सकते हैं। इसे किस्त में भी खरीदा जा सकता है।

महंगी क्यों है iPhone 17 सीरीज

Apple की नई iPhone 17 सीरीज की कीमतें पिछले मॉडल्स से ज्यादा रखी गई हैं। इसका कारण अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए टैरिफ है। Apple के सीईओ टिम कुक ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में कुछ समय के लिए टैरिफ में छूट हासिल की थी, लेकिन भविष्य में अगर यह छूट समाप्त हो जाती है तो Apple की कीमतें बढ़ाने की रणनीति को समझा जा सकता है। Edited by : Sudhir Sharma

48MP के AI कैमरे के साथ iPhone 16e को टक्कर देने आया Google का सस्ता स्मार्टफोन

Google Pixel 9a लॉन्च हो गया है। यह फ्लैगशिप Google Pixel 9 लाइनअप का हिस्सा होगा। Google Pixel 9a स्मार्टफोन की भारत में सीधा मुकाबला iPhone 16e से होना है। iPhone 16e को भारत में 59,900 रुपए की कीमत में लॉन्च किया गया है।

बिना लाइसेंस शुरू करें इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन, हर साल कमाएं 25 लाख रुपये

क्या आप नया बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं? कम निवेश और बिना स्टॉफ के शुरू हो सके और कमाई लाखों रुपये में हो। तो इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन एक बेस्ट ऑप्शन है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों का दौर आ चुका है गांव हो या शहर, हर जगह लोग इलेक्ट्रिक गाड़ियां इस्तेमाल करने लगे हैं, और आने वाले समय में इसका इस्तेमाल और ज्यादा होना वाला है. ऐसे में भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन का बिजनेस धीरे-धीरे चर्चा में आ रहा है. अगर आप भी एक ऐसा शानदार बिजनेस शुरू कर सकते हैं जिससे आपकी तगड़ी कमाई हो सकती है. जी हां हम बात कर रहे हैं इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन की.

भारत में एक इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन लगाने का खर्चा 1 लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक हो सकता है. ये खर्चा इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह का चार्जर इस्तेमाल करना चाहते हैं. इसमें कुछ चीजों के लिए पैसा लगता है, जैसे जमीन का किराया, ट्रांसफॉर्मर, बिजली का कनेक्शन, निर्माण का काम, मेंटेनेंस, मार्केटिंग, EVSE सॉफ्टवेयर और साइट के कॉन्ट्रैक्ट्स आदि.

जमीन की जरूरत इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन सी गाड़ियों के लिए स्टेशन चला रहे हैं और वहां क्या-क्या काम होंगे. जैसे, अगर छोटी कारें या स्कूटर चार्ज होंगे, तो कम जगह चाहिए.

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चार्जर की कीमत अलग-अलग होती है. अगर आप भरत AC चार्जर लेते हैं, तो वो करीब 65,000 रुपये का पड़ता है. वहीं, तेज चार्जिंग के लिए CCS फास्ट चार्जर लेना हो, तो उसकी कीमत 14 लाख रुपये तक जा सकती है. ये सारी चीजें स्टेशन शुरू करने में जरूरी हैं.

कम स्टॉफ में भी हो जाएगा काम

एक इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन चलाने के लिए ज्यादा कर्मचारी की जरूरत नहीं पड़ती. आजकल कई कंपनियां पूरी सुविधा देती हैं, जिसमें मशीनें, सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप्स शामिल हैं, जिससे कर्मचारियों की संख्या कम हो जाती है. लोग सोचते हैं कि बिजनेस में बहुत सारे लोग चाहिए, लेकिन यहां ऐसा नहीं है. ये सब कुछ आसान बना देता है. पेमेंट और बिलिंग का काम ऑनलाइन होता है, इसलिए कैश संभालने के लिए किसी को खड़ा करने की जरूरत नहीं पड़ती. आप मोबाइल या ऑनलाइन तरीके से पैसे ले सकते हैं, जिससे किसी भी तरह की समस्या का डर भी कम हो जाता है. फोटो में आप देख सकते हैं कि स्टेशन पर मशीनें और डिस्प्ले हैं, जो सारा हिसाब-किताब खुद कर लेते हैं. इससे काम आसान हो जाता है और समय भी बचता है. स्टेशन को चला पाने के लिए एक छोटी सी टीम काफी है. इस टीम का मुख्य काम सुरक्षा का ध्यान रखना और ग्राहकों की मदद करना होता है. जैसे, अगर किसी की गाड़ी चार्ज नहीं हो रही या कोई परेशानी हो, तो टीम वहां मदद के लिए होती है. सॉफ्टवेयर और ऐप्स सारा तकनीकी काम संभाल लेते हैं, इसलिए ज्यादा लोगों की जरूरत नहीं पड़ती.

सब्सक्रिप्शन प्लान का उठाएं फायदा

एक 3000 किलोवाट का चार्जिंग स्टेशन जो प्रति किलोवाट घंटे के 2 लेता है, वह महीने में तकरीबन 2.25 लाख तक कमा सकता है. ये बात सुनकर लगता है कि ये बिजनेस कितना फायदेमंद हो सकता है. आजकल लोग इलेक्ट्रिक गाड़ियां इस्तेमाल करने लगे हैं, तो ऐसे में ये स्टेशन उनकी मदद करता है और आपको भी कमाई का मौका देता है और कमाई सिर्फ चार्जिंग से ही नहीं होती. आप सब्सक्रिप्शन प्लान भी शुरू कर सकते हैं, जिसमें लोग हर महीने थोड़े पैसे देकर चार्जिंग की सुविधा ले सकें. इसके अलावा, स्टेशन पर विज्ञापन लगाकर भी पैसा कमाया जा सकता है. जैसे, कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स का पोस्टर लगाने के लिए पैसे देंगी. साथ में अगर आप कैफे या छोटी-मोटी दुकानें भी रखें, जहां लोग चाय-नाश्ता या सामान खरीद सकें, तो और भी फायदा हो सकता है. गांव हो या शहर, लोग इंतजार के वक्त कुछ न कुछ लेना पसंद करते हैं.

स्टेशन पर होनी चाहिए ये सभी चीजें

भारत सरकार की पॉलिसी के मुताबिक, शहरों में हर 3 किलोमीटर पर और हाईवे पर हल्की गाड़ियों के लिए हर 25 किलोमीटर पर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन होने चाहिए. भारी गाड़ियों के लिए हर 100 किलोमीटर पर स्टेशन लगाने का नियम है. ये नीति इसलिए बनाई गई है ताकि लोग अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को आसानी से चार्ज कर सकें. पब्लिक चार्जिंग स्टेशन को कम से कम एक ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइडर से जोड़ा जाना जरूरी है. इससे लोग बुकिंग और रिमोट स्लॉट रिजर्वेशन कर सकेंगे. जैसे, आप अपने मोबाइल से स्टेशन पर स्लॉट बुक कर लेंगे और अपनी बारी का इंतजार कर सकेंगे. ये सुविधा लोगों को बहुत पसंद आएगी, खासकर उनको जो शहरों में ट्रैफिक में फंसते हैं. ऑनलाइन सिस्टम से समय भी बचेगा और गड़बड़ी का डर भी कम होगा.

एक इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) चार्जिंग स्टेशन चलाने के लिए कुछ जरूरी चीजें चाहिए होती हैं, जैसे ट्रांसफॉर्मर, सेफ्टी इक्विपमेंट, 33/11 केवी केबलिंग, मीटर और सुरक्षित पार्किंग. ये सारी चीजें स्टेशन को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं ताकि लोग बिना डर के अपनी गाड़ियां चार्ज कर सकें.

स्टेशन पर सुरक्षा भी है जरूरी

सुरक्षा के लिए अच्छी रोशनी और सुरक्षा इंतजाम भी जरूरी हैं. रात के वक्त या बारिश में भी लोग स्टेशन पर आते हैं, इसलिए वहां सिक्योरिटी का ध्यान रखना पड़ता है ताकि लोग सुरक्षित महसूस करें. इसके अलावा, घरों और ऑफिसों में भी EV चार्जिंग की इजाजत है, बशर्ते मौजूद बिजली कनेक्शन का इस्तेमाल हो और सेफ्टी नियमों का पालन किया जाए. जैसे, अगर घर में बिजली का लोड सही है और सावधानी बरती जाए, तो अपनी गाड़ी चार्ज करना आसान हो सकता है. तेज चार्जिंग स्टेशन मेट्रो शहरों, स्मार्ट सिटीज, पहाड़ी राज्यों, एक्सप्रेसवे और हाईवे पर लगाए जाएंगे. ये स्टेशन ऑफिस, होटल, रेस्तरां और हाईवे के रेस्ट स्टॉप के पास बनेंगे, ताकि EV यूजर्स अपनी यात्रा के ब्रेक के दौरान गाड़ी चार्ज कर सकें. इससे रेंज एंग्जायटी यानी गाड़ी की बैटरी खत्म होने का डर कम होगा और लंबी दूरी की या शहरों के बीच की यात्रा आसान हो जाएगी.

ये हैं भारत के टॉप मुनाफा देने वाले बिजनेस अपनी तरक्की के लिए ऐसे कर सकते हैं शुरू

आज के समय में बिजनेस शुरू करके उसमे बने रहना आसान नहीं है। बिजनेस शुरू करने के लिए आपको कई चीजों की जरूरत होती है। लेकिन बहुत से लोग आइडिया की कमी के चलते खुद का बिजनेस नहीं शुरू कर पाते। अगर आप भी Idea की कमी से जूझ रहे हैं और खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसे टॉप 3 बिजनेस आईडिया बताएंगे तो आपको तगड़ा मुनाफा दे सकते हैं।

Cloud Kitchen

क्लाउड किचन आपके लिए एक बेहतर बिजनेस Idea हो सकता है। भागदौड़ भरी Life में खासकर शहरी इलाकों में, खाना पकाने के लिए बहुत कम समय बचा पाता है। भारत में, बैंगलोर, मुंबई, पुणे आदि शहरों में क्लाउड किचन बहुत ही लोकप्रिय हो रहे हैं। आप अपने घर पर ही इसे शुरू कर सकते हैं। स्विगी और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़कर अपने ग्राहकों तक खाना पहुंचा सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि क्लाउड किचन एक बेहद मुनाफे वाला व्यवसाय है, जिसमें बहुत कम निवेश की जरूरत होती है। अगर आपका व्यवसाय फल-फूल रहा है, तो आप इसे रेस्टोरेंट में भी बदल सकते हैं।

E-Commerce Store

आज के समय में लोग जमकर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं। ऐसे में आप आपना ई-कॉमर्स स्टोर भी खोल सकते हैं। खुद को अमेजन या फिर फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करें और कपड़े, गैजेट, किताबों से लेकर बहुत कुछ बेच सकते हैं। आपको जो सामान बेचना है वह सामान किसी डीलर से लीजिए और फिर इन प्लेटफॉर्म पर बेचने के लिए उन्हें लिस्ट कर दें।

Organic farming

आज के समय में ऑर्गेनिक फॉर्मिंग बहुत ही जबरदस्त बिजनेस के रूप में उभर रही हैं। बहुत से नवयुवा इस बिजनेस में घुसकर बड़ा नाम कमा रहे हैं। ऑर्गेनिक फार्मिंग करने के लिए आपको बस कुछ बीघे जमीन की जरूरत होती है। आप जैविक खेती करके मोटा पैसा कमा सकते हैं। अलग-अलग फसल या फिर सब्जियों को उगाकर उसे मार्केट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेच सकते हैं। इसके लिए सरकार भी कई प्रकार की योजनाओं के जरिए आर्थिक मदद मुहैया कराती है।

डिजिटल मार्केटिंगः

बिज़नेस को ऑनलाइन बढ़ाने में मदद करने के लिए सोशल मीडिया, SEO और कंटेंट बनाने में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएं।

फ्रीलांसिंगः यदि आपके पास ग्राफिक डिजाइनिंग, कंटेंट राइटिंग, वीडियो एडिटिंग या कोडिंग जैसे विशेष कौशल हैं, तो आप फ्रीलांस सेवाएं दे सकते हैं।

ऑनलाइन कोचिंग और कंसल्टिंगः

किसी विषय में अपनी महारत के आधार पर ऑनलाइन शिक्षा, फिटनेस या पर्सनल फाइनेंस जैसी सेवाओं के लिए परामर्श दें।

ऐप डेवलपमेंटः
यदि आपके पास सॉफ्टवेयर कौशल है, तो कंपनियों के लिए आवश्यक कार्यों को स्वचालित करने वाले ऐप बनाकर एक लाभदायक व्यवसाय शुरू करें।

सस्टेनेबल फैशन/इको-फ्रेंडली उत्पादः

पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के लिए टिकाऊ या इको-फ्रेंडली उत्पादों को बेचना एक अच्छा विचार हो सकता है।

हेल्थ और वेलनेस उत्पादः
स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए आप इस क्षेत्र में एक ऑनलाइन व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं।

ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्मः

लोगों को ऑनलाइन सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन (एजुकेशन) प्लेटफॉर्म बनाएं या विशिष्ट विषयों पर वर्कशॉप्स आयोजित करें।

शुरुआत कैसे करें?

अपने कौशल और रुचि की पहचान करेंः तय करें कि आपकी विशेषज्ञता क्या है और आपको किस चीज में आनंद आता है।

बाजार का अनुसंधान करेंः देखें कि आपके चुने हुए क्षेत्र में क्या मांग है और आपके प्रतियोगी क्या कर रहे हैं।

एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति बनाएंः अपनी खुद की वेबसाइट बनाएं, सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें और प्रासंगिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करें।

मार्केटिंग और प्रचार करेंः अपने उत्पादों या सेवाओं का प्रचार करने के लिए ऑनलाइन टूल और सोशल मीडिया का उपयोग करें।

ऑनलाइन विज्ञापन अनुकूलन सेवाएं प्रदान करें

व्यापार मालिकों को अपनी ऑनलाइन उपस्थिति को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करना चाहिए क्योंकि प्रतिस्पर्धा भयंकर होती है। राजस्व बढ़ाने के लिए, ऑनलाइन अनुकूलन के लिए लक्षित विज्ञापन बनाने की आवश्यकता होती है। कीवर्ड विज्ञापन जैसी रणनीतियों को नियोजित करने से ग्राहकों के लिए उत्पाद या सेवा ऑनलाइन खोजना आसान हो जाता है। यदि आपके पास डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन का अनुभव है, तो आप उद्यमियों को अपने राजस्व को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपने ऑनलाइन विज्ञापनों को अनुकूलित करने में मदद कर सकते हैं।

एसईओ परामर्श

ऑनलाइन खरीदारी की लोकप्रियता के साथ, कई कंपनियां और ब्रांड उच्च रैंकिंग और खोजकर्ताओं को अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए भुगतान करने वाले ग्राहकों में बदलने के लिए प्रेरित होते हैं।

पूर्वज करते थे इसी खाद का प्रयोग, डीएपी और यूरिया से भी तगड़ी, मिट्टी की दोस्त, किसान खुद बनाएं, मुनाफा बढ़ाएं

आज के समय में खाद और रासायनिक दवा का खर्च बढ़ता जा रहा है. लेकिन, किसान प्राकृतिक घोल बनाकर खेती की लागत को आधा कर सकते हैं. मिट्टी की उर्वरता को कई गुना बढ़ा सकते हैं. 'बैक्टीरिया खाद' को किसान खुद अपने घर या खेत पर बहुत ही कम खर्च में तैयार कर सकते हैं. इस खाद को एक बार तैयार कर लीजिए, फिर सालभर तक आपको किसी भी रासायनिक खाद या बाजार की महंगी खाद पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा.

किसान भागीरथ पटेल की पहल मध्य प्रदेश के किसान भागीरथ पटेल बताते हैं कि पहले उनकी खेती पर हर सीजन में हजारों रुपये सिर्फ खाद पर खर्च हो जाते थे. लेकिन, जब उन्होंने बैक्टीरिया घोल तैयार करना सीखा, तो उनका खर्च 60% तक कम हो गया और फसल की पैदावार भी बढ़ी. उनका दावा है कि "अगर किसान एक बार यह घोल बना ले, तो न तो यूरिया की जरूरत पड़ती है और न ही डीएपी की. मिट्टी खुद ही उपजाऊ बन जाती है."

क्या है बैक्टीरिया खाद?

बैक्टीरिया खाद एक प्रकार का प्राकृतिक जैविक उर्वरक है जिसमें लाभकारी सूक्ष्मजीव (बैक्टीरिया) होते हैं जो मिट्टी में जाकर पौधों को आवश्यक पोषक तत्व, जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश, आसानी से उपलब्ध कराते हैं. यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है, पौधों की वृद्धि में मदद करता है, और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करता है. इसे अक्सर गोबर, गोमूत्र, गुड़ और बेसन जैसी सामग्रियों के मिश्रण से तैयार किया जाता है और मिट्टी में छिड़काव के लिए उपयोग किया जाता है.

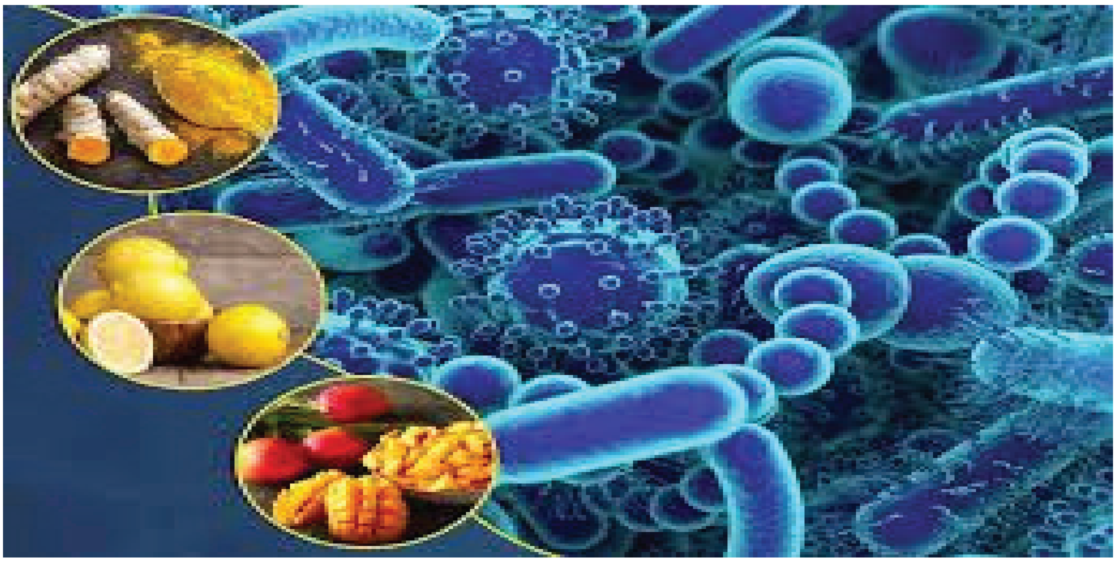

बैक्टीरिया खाद क्या है?

सूक्ष्मजीवों का घोल:

बैक्टीरिया खाद जीवित सूक्ष्मजीवों, यानी बैक्टीरिया, का एक घोल है.

जैविक खाद:

यह एक प्रकार की प्राकृतिक खाद है जो मिट्टी के मित्र जीवाणुओं से बनती है.

पोषक तत्वों का स्रोत:

ये जीवाणु मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों को पौधों के लिए उपलब्ध कराने में मदद करते हैं, जिससे फसलें मजबूत और हरी-भरी बनती हैं.

यह कैसे काम करती है?

पोषक तत्व उपलब्धता:

बैक्टीरिया मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे आवश्यक तत्वों को घुलनशील और सुलभ रूप में बदलकर पौधों तक पहुंचाते हैं.

मिट्टी की सेहत:

यह मिट्टी की संरचना और जल धारण क्षमता में सुधार करती है और उसमें लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ाती है.

जैविक अपशिष्ट का विघटन:

यह जैविक कचरे को विघटित करने और उसे पोषक तत्वों से भरपूर सामग्री में बदलने में मदद करती है.

बैक्टीरिया खाद के फायदे

कम लागत:

यह सबसे सस्ती और प्राकृतिक खादों में से एक है.

स्वस्थ मिट्टी और पौधे:

यह मिट्टी की गुणवत्ता और पौधों के स्वास्थ्य में सुधार करती है.

रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम:

यह रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने में मदद करती है, जिससे पर्यावरण को लाभ होता है.

फसल की वृद्धि:

पौधों की जड़ों की संख्या बढ़ाता है और फसल की उपज में सुधार करता है.

उपयोग

छिड़काव:

इसे फसलों की जड़ों में या मिट्टी की नमी के साथ छिड़का जा सकता है.

नियमित प्रयोग:

महीने में एक बार इसका प्रयोग किया जा सकता है.

पत्तियों पर छिड़काव:

1 लीटर घोल को 10 लीटर पानी में मिलाकर पत्तियों पर स्प्रे भी किया जा सकता है.

बैक्टीरिया खाद बनाने की विधि

इस घोल को तैयार करना बहुत ही आसान है. आइए जानते हैं कि किसान इसे कैसे बना सकते हैं.

सामग्री:

गोमूत्र – 10 लीटर,गोबर – 5 किलो
गुड़ – 1 किलो,बेसन या चना दाल का आटा – 500 ग्राम,पानी – 100 लीटर
प्लास्टिक का ड्रम – 200 लीटर क्षमता वाला

तैयारी की विधि:

1. सबसे पहले ड्रम को साफ पानी से धोकर छांव वाली जगह पर रखिए.
2. इसमें 100 लीटर पानी डालिए.
3. अब गोबर, गोमूत्र, गुड़ और बेसन डालकर लकड़ी की डंडी से अच्छे से मिला दीजिए.
4. इस मिश्रण को 5 से 7 दिन तक ढककर रखिए, लेकिन रोजाना एक बार हिलाते रहिए ताकि बैक्टीरिया सक्रिय रहें.
5. सातवें दिन यह घोल तैयार हो जाएगा. इसे आप अपने खेत में छिड़काव के लिए उपयोग कर सकते हैं.

कैसे करें उपयोग

– फसलों की जड़ में या मिट्टी की नमी के साथ इस घोल का छिड़काव करें.
– हर महीने एक बार इसका प्रयोग करें.
– चाहें तो 1 लीटर घोल को 10 लीटर पानी में मिलाकर पत्तियों पर स्प्रे भी किया जा सकता है.
– इससे पौधों की जड़ों में लाभकारी बैक्टीरिया बस जाते हैं और फसल को संपूर्ण पोषण मिलता है.

कृषि व्यवसायः परिभाषा, चुनौतियाँ और बाज़ार की शक्तियों की व्याख्या

कृषि व्यवसाय में उत्पादन से लेकर वितरण तक, खेती और उससे जुड़े वाणिज्य से जुड़े सभी आर्थिक क्षेत्र शामिल हैं। यह क्षेत्र अर्थव्यवस्थाओं के लिए, विशेष रूप से उन अर्थव्यवस्थाओं के लिए आवश्यक है जिनके पास निर्यात योग्य कृषि उत्पाद हैं। बाजार की गतिशीलता और जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि व्यवसाय को अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए स्थिरता और विकास हेतु अनुकूलन और नवाचार की आवश्यकता होती है।

कृषि व्यवसाय में कृषि-आधारित वस्तुओं के उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण के सभी पहलू शामिल हैं, तथा पारंपरिक कृषि को उच्च तकनीक प्रगति के साथ एकीकृत किया जाता है। उद्योग को जलवायु परिवर्तन से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए व्यवसायों पर टिकाऊ प्रथाओं और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने का दबाव डालता है। उपभोक्ता वरीयताओं में बदलाव, जैसे कि लाल मांस की मांग में कमी, उत्पादित फसलों और पशुधन के प्रकार में परिवर्तन करके कृषि व्यवसाय बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। कृषि व्यवसाय में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए दक्षता और नवाचार की आवश्यकता होती है, तथा किसान फसलों और पशुधन का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए मधुमक्खी वेक्टरिंग और ड्रोन जैसी प्रौद्योगिकियों में निवेश कर रहे हैं। कृषि व्यवसाय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रमुख योगदानकर्ता है, जो विश्व भर में लगभग 17% के लिए उत्तरदायी है, जिससे उत्सर्जन को कम करने के लिए नवाचारों की आवश्यकता बढ़ जाती है। कृषि व्यवसाय, एक क्षेत्र के रूप में, कृषि उत्पादों को एक एकीकृत प्रणाली के रूप में उगाने के सभी विभिन्न पहलुओं का समावेश है। कृषि उत्पादों का व्यापार सबसे पुराने मानवीय उपक्रमों में से एक है, लेकिन पिछली शताब्दी में हुई प्रगति ने इसे एक उच्च तकनीक वाला उद्योग बना दिया है। विश्व बैंक. " विकास के एक स्तंभ के रूप में कृषि व्यवसाय व्यापारः मापन और पैटर्न ." किसान अत्याधुनिक कटाई तकनीकों, जिनमें जीपीएस का उपयोग भी शामिल है, की मदद से पशुपालन करते हैं और फलों व सब्जियों की कटाई करते हैं। निर्माताओं ने तेज़ी से स्वचालित मशीनें विकसित की हैं जिनमें बहुत कम श्रम की आवश्यकता होती है। प्रसंस्करण संयंत्र उत्पादन को अधिक स्वच्छ और कुशल बनाने के लिए पशुओं की सफाई और पैकेजिंग के तरीके में लगातार सुधार कर रहे हैं।यद्यपि उपभोक्ता इस उद्योग के प्रत्येक भाग को नहीं देखते हैं, फिर भी हम खाद्य पदार्थों की कम कीमतों का लक्ष्य रखते हुए, टिकाऊ बने रहने के लिए इस क्षेत्र के प्रयासों पर भरोसा करते हैं। उपभोक्ताओं की बदलती पसंद इस बात को प्रभावित करती है कि कौन से उत्पाद उगाए और उगाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, लाल मांस से दूरी बनाने से गोमांस की मांग और इसलिए कीमतें गिर सकती हैं, जिससे हज़ारों एकड़ कृषि भूमि के उपयोग का तरीका बदल सकता है। उपज की बढ़ती मांग से फलों और सब्जियों की खेती में बदलाव आ सकता है, जिसके लिए बेहतर सिंचाई और उत्पादन विधियों में निवेश की आवश्यकता होगी। जो व्यवसाय घरेलू मांग के साथ जल्दी तालमेल नहीं बिठा पाते, वे अक्सर अपने उत्पादों का निर्यात करने की कोशिश करते हैं। अगर कोई बाज़ार नहीं है, तो वे अन्य फसलों की ओर रुख किए बिना प्रतिस्पर्धा करने और व्यवसाय में बने रहने में असमर्थ हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन ने उद्योग में टिकाऊ तरीकों की ज़रूरत पर दबाव बढ़ा दिया है, ठीक वैसे ही जैसे यह दुनिया भर में मौसम के पैटर्न में भारी बदलाव के साथ तालमेल बिठा रहा है। लेकिन मौसम के पैटर्न में अल्पकालिक बदलाव भी नाटकीय प्रभाव डाल सकते हैंः नींबू-उत्पादक क्षेत्र में शुरुआती पाला उस वर्ष की फसल में भारी गिरावट का कारण बन सकता है, जबकि पहाड़ी क्षेत्र में कम बर्फबारी का मतलब आसपास की घाटियों में वसंत ऋतु में सूखा पड़ना हो सकता है, जो फसल की वृद्धि के लिए पिघले हुए पानी पर निर्भर हैं।

कृषि व्यवसाय में चुनौतियों पर काबू पाना

बड़े कृषि क्षेत्र वाले देशों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का निरंतर दबाव झेलना पड़ता है। गेहूँ, मक्का और सोयाबीन जैसी वस्तुएँ जहाँ भी उगाई जाती हैं , वहाँ एक जैसी होती हैं, जिससे एक क्षेत्र का उत्पाद दूसरे क्षेत्र के उत्पाद से आसानी से प्रतिस्थापित हो जाता है, बशर्ते वह कम कीमत पर बाजार में उपलब्ध हो। किसानों के सामने कई अन्य चुनौतियाँ भी हैंः

वैश्विक कृषि उत्पादों की कीमतें तेजी से बदल सकती हैं, जिससे फसल नियोजन जटिल हो जाता है।उपनगरीय और शहरी क्षेत्रों के कृषि क्षेत्रों में विस्तार होने के कारण किसानों के पास काम करने के लिए कृषि योग्य भूमि भी कम हो सकती है।प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कृषि व्यवसायों को अधिक कुशलता से काम करने की आवश्यकता होती है, जिसमें अक्सर नई प्रौद्योगिकियों में निवेश, फसलों को खाद और पानी देने के नए तरीके, तथा वैश्विक बाजार में माल लाने के नए तरीके शामिल होते हैं।

जलवायु परिवर्तन शायद दुनिया भर के कृषि व्यवसायों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यह उन उद्योगों में से एक है जो जलवायु परिवर्तन से सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं और इसे बढ़ावा देने में भी शामिल हैं।3 विश्व भर में कृषि व्यवसाय विश्व के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 17% हिस्सा है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि में सहायक है, तथा इस क्षेत्र पर उत्सर्जन कम करने का दबाव बना रहा है।2 कृषि व्यवसाय औसत तापमान और वर्षा में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ चरम मौसम से भी बुरी तरह प्रभावित होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाली गर्म लहरें, सूखा, भीषण तूफ़ान और जंगल की आग फसलों को नुकसान पहुँचा सकती हैं और पशुधन के लिए ख़तरा बन सकती हैं। बढ़ते तापमान से फसलों की बढ़ती परिस्थितियों को ख़तरा हो सकता है और कई क्षेत्रों में उत्पादन सीमित हो सकता है, जबकि बढ़ती वैश्विक जनसंख्या खाद्यान्न की माँग को बढ़ा रही है। यह सब कृषि व्यवसायों के लिए एक बड़ी चुनौती है, जिन पर अधिक टिकाऊ उत्पादन विधियों को अपनाने का दबाव है। उत्सर्जन कम करने और बदलती जलवायु के अनुकूल ढलने के तरीके खोजना भविष्य की सफलता की कुंजी होगी।कृषि व्यवसाय की सफलता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना वैश्विक कृषि व्यवसाय क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नई तकनीक का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए किसानों को फसल की लागत कम करने और प्रति वर्ग एकड़ उपज बढ़ाने की आवश्यकता है। कुछ किसानों ने मधुमक्खी वेक्टरिंग तकनीक अपनाई है। इसमें मधुमक्खियों को पालना और उन्हें जैव-नियंत्रण एजेंटों के वितरण विधि के रूप में उपयोग करना शामिल है, जो पौधों को कीटों, कवकों और बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं।मधुमक्खियाँ कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी संख्या में गिरावट आई है। अप्रैल 2022 और अप्रैल 2023 के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग आधी मधुमक्खी कॉलोनियाँ मर गईं। यह नई तकनीक अधिक मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित कर सकती है तथा अधिक संख्या में कॉलोनियों के विकास को बढ़ावा दे सकती है, साथ ही फसल की पैदावार में सुधार ला सकती है तथा बीमारियों से लड़ सकती है।

हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक ड्रोन ने कृषि व्यवसाय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किसान कीटों की निगरानी, जल संकट की निगरानी, पौधों की जाँच, आवारा पशुओं का पता लगाने और बाढ़ के जोखिम के आँकड़े इकट्ठा करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं। रोबोटिक्स, जीपीएस प्रौद्योगिकी और नमी सेंसर भी किसानों को श्रमिक सुरक्षा में सुधार करने और निकट-लक्षित क्षेत्रों में कीटनाशकों और उर्वरकों को अधिक आसानी से छिड़कने और पानी की बर्बादी को कम करने में मदद करते हैं। कृषि व्यवसाय कंपनियों के प्रमुख उदाहरणकृषि व्यवसाय एक व्यापक उद्योग है जिसमें कंपनियों और संचालनों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। कृषि व्यवसायों में छोटे पारिवारिक फार्म और वैश्विक स्तर पर खाद्य उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ शामिल हैं।कृषि व्यवसाय के कुछ उदाहरणों में कृषि मशीन निर्माता, जैसे डीयर एंड कंपनी (डीई); बीज और कृषि रसायन निर्माता, जैसे बायर; खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां, जैसे आर्चर-डेनियल्स-मिडलैंड कंपनी (एडीएम); किसान सहकारी समितियां; कृषि पर्यटन कंपनियां; और जैव ईंधन , पशु आहार और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्माता शामिल हैं। कृषि, भोजन या अन्य उत्पादों के लिए फसलों, पशुओं, मछलियों, पेड़ों और अन्य जीवों को पालने की प्रथा है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के सपोर्ट में उतरे आर अश्विन, टीम मैनेजमेंट को लेकर ये क्या कह दिया

आर अश्विन ने विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए भारतीय टीम मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों को संभालने और अनुभव ट्रांसफर की संस्कृति भारत में पूरी तरह गायब है.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार उन्होंने खुलकर विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन किया है और टीम मैनेजमेंट की कार्यशैली पर बड़ा सवाल उठाया है. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि भारतीय टीम में "नॉलेज ट्रांसफर" यानी अनुभव साझा करने की संस्कृति ही नहीं है. उनके मुताबिक, टीम मैनेजमेंट सीनियर खिलाड़ियों को संभालने में पूरी तरह नाकाम रहा है.

"कोहली-रोहित सिर्फ खिलाड़ी नही हैं"

अश्विन ने कहा, "एक तरफ टीम सिलेक्शन है, दूसरी तरफ कोहली और रोहित. ये दोनो खिलाड़ी एक ही सिक्के के दो भाग हैं. चयनकर्ताओं के फैसलों से यह साफ है कि वे आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन सवाल यह है कि जो खिलाड़ी देश के लिए एक दशक से भी ज्यादा समय तक खेले, उनके साथ बदलाव का तरीका क्या होना चाहिए?"

उन्होंने आगे कहा कि रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ियों को सिर्फ "बूढ़ा" कह देना आसान है, लेकिन ऐसे खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए सोने से भी ज्यादा कीमती होता है. "आईपीएल में कोई युवा अच्छा खेलता है तो तुरंत तुलना शुरू हो जाती है, लेकिन कोई यह नहीं देखता कि दबाव की घड़ी में मैदान पर खड़ा रहना क्या होता है.

"नॉलेज ट्रांसफर सिर्फ शॉट सिखाना नहीं"

अश्विन ने खास तौर पर नॉलेज ट्रांसफर की बात उठाई. उनके मुताबिक, यह सिर्फ तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक मजबूती और दबाव झेलने की क्षमता साझा करना भी शामिल है. उन्होंने कहा, "कोहली और रोहित को किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है, लेकिन क्या भारतीय टीम में कभी यह व्यवस्था बनी कि वे युवा खिलाड़ियों को सिखा सकें कि मैच प्रेशर से कैसे निपटा जाए, इंजरी से कैसे बचा जाए?"

अश्विन ने यह भी कहा कि भारत में "ट्रांजिशन फेज" की कोई ठोस योजना नहीं होती, यानी टीम बदलाव के दौर से कैसे गुजरे, इसके लिए कोई प्लान नही होता है.

"कोचिंग में भी कोई रोडमैप नहीं"

अश्विन ने कोचिंग सिस्टम को लेकर भी कड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा, "राहुल द्रविड़ के बाद गौतम गंभीर को कोच बनाया गया, लेकिन क्या किसी ने सोचा कि द्रविड़ से ज्ञान या अनुभव का ट्रांसफर कैसे होगा? हमारे पास कोई तय टेम्पलेट ही नहीं है."

उन्होंने अंत में उम्मीद जताई कि टीम मैनेजमेंट की रोहित और कोहली से पहले ही बातचीत हो चुकी होगी. अगर यह बात अब जाकर हुई है, तो ये गलती है. पिछले साल ही साफ बातचीत होती तो सीनियर खिलाड़ियों को सम्मान के साथ विदा किया जा सकता था.

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर कैसा होना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के प्राचीन सिद्धांतों को समझने से आपको एक संतुलित और सुकूनभरा घर बनाने में मदद मिलेगी। भारतीय परंपरा में जड़ें जमाए, वास्तु शास्त्र के अनुसार घर ऐसी गाइडलाइन्स प्रदान करता है जो सकारात्मकता, स्वास्थ्य और समृद्धि को बढ़ावा देते हैं। घर का वास्तु शास्त्र समझकर, आप एक ऐसा स्थान बना सकते हैं जो संतुलन और शांति का प्रतीक हो, चाहे वह नया घर हो या मौजूदा। यहां बताया गया है कि आपके घर के प्रत्येक हिस्से में ये सिद्धांत कैसे झलक सकते हैं।

वास्तु क्यों महत्वपूर्ण है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर केवल वास्तुकला के बारे में नहीं है; यह ऊर्जा प्रवाह का विज्ञान है। इसका उद्देश्य आपके रहने के वातावरण को प्रकृति के पांच तत्वों – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश – के साथ संतुलित करना है। वास्तु शास्त्र के अनुसार मकान बनाने का नक्शा चाहिए, तो इन सिद्धांतों का पालन करके आपका घर एक सुखद स्थान बन सकता है जो कल्याण, सफलता और खुशी को प्रोत्साहित करता है। इन गाइडलाइन्स को नज़रअंदाज़ करने से मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, एक समग्र जीवनशैली के लिए वास्तु का ध्यान रखना आवश्यक है।

घर के मुख्य दरवाजे की आदर्श दिशा

आपके घर का मुख्य दरवाज़ा ऊर्जा प्रवाह का प्रवेश द्वार है और पूरे घर का वातावरण तय करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का नक्शा बनाते समय मुख्य दरवाजे के लिए सबसे शुभ दिशाएं पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व मानी जाती हैं। इसके अतिरिक्त, दरवाजा अच्छी तरह से रोशनी वाला, अव्यवस्था-रहित और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करने वाला होना चाहिए। दरवाजे के पास कूड़ेदान, टूटी हुई चीजें या अवरोध रखने से बचें, क्योंकि ये समृद्धि को रोक सकते हैं। एक व्यवस्थित मुख्य दरवाजा समृद्धि को आमंत्रित करता है और नकारात्मक प्रभावों से बचाव करता है।

वास्तु के अनुसार लिविंग रूम

लिविंग रूम घर का सामाजिक केंद्र है और इसमें गर्मजोशी और आतिथ्य की भावना होनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम के लिए उत्तर या पूर्व दिशा सबसे उपयुक्त है। फर्नीचर और सजावट इस तरह से रखें कि सहजता से बातचीत और आवागमन हो सके। भारी फर्नीचर को दक्षिण-पश्चिम में और हल्के फर्नीचर को उत्तर या पूर्व में रखें। हल्के नीले, बेज़ या पेस्टल जैसे शांत रंगों का उपयोग करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा बढ़ सके। यह सुनिश्चित करेगा कि यह स्थान खुला, स्वागत योग्य और शांतिपूर्ण महसूस हो।

वास्तु के अनुसार बेडरूम

बेडरूम आपका व्यक्तिगत स्थान है और इसे शांति और आराम सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। मुख्य बेडरूम के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह स्थिरता और सामंजस्य को बढ़ावा देता है।
बिस्तर का सिरहाना दक्षिण या पूर्व दिशा में होना चाहिए और इसे एक ठोस दीवार से टिकाकर रखा जाना चाहिए। बिस्तर के सामने आईना रखने से बचें, क्योंकि इससे नींद में खलल पड़ सकता है। बिस्तर के नीचे इलेक्ट्रॉनिक्स और अव्यवस्था भी ऊर्जा प्रवाह को बाधित कर सकती है, इसलिए इन्हें न्यूनतम रखें।
बेडरूम में शांत रंगों जैसे पेस्टल, क्रीम या मिट्टी के रंगों का चयन करें। सजावट में पौधे, पानी के फव्वारे, या नुकीली चीजें न रखें, क्योंकि ये शांति भंग कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार घर का नक्शा ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया बेडरूम रिश्तों, स्वास्थ्य और मानसिक शांति को बढ़ावा दे सकता है।

वास्तु के अनुसार रसोई

रसोई घर में अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना सबसे अच्छा है। खाना बनाते समय चूल्हे का मुंह पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए ताकि सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। रसोई को सीढ़ी के नीचे या बाथरूम के पास न बनाएं, क्योंकि यह घर के स्वास्थ्य और सद्भाव को बाधित कर सकता है। जे.के. सीमेंट के उच्च गुणवत्ता वाले ग्रे सीमेंट समाधान रसोई के लिए मजबूत और टिकाऊ नींव प्रदान करते हैं।

वास्तु टिप्स प्रत्येक कमरे के लिए

वास्तु घर डिजाइन के अनुसार, घर के प्रत्येक कमरे का एक विशिष्ट उद्देश्य होता है और इसे ध्यानपूर्वक डिज़ाइन करने की आवश्यकता होती है। Study room को स्पष्टता और ध्यान के लिए उत्तर-पूर्व में रखें, जबकि पूजा कक्ष को आध्यात्मिक विकास के लिए पूर्व दिशा में रखें।
बाथरूम उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में होने चाहिए ताकि नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सके। कमरों की सही व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि आपके घर का हर कोना सकारात्मकता और कार्यक्षमता के साथ गूंजे, जिससे शरीर, मन और आत्मा को पोषण मिले।

घर के लिए सही रंगों का चयन

रंग आपके घर की ऊर्जा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वास्तु हल्के रंगों जैसे सफेद, क्रीम और पेस्टल टोन की सिफारिश करता है ताकि एक शांत वातावरण बनाया जा सके। गहरे रंगों का अधिक उपयोग करने से बचें, क्योंकि यह ऊर्जा को भारी बना सकते हैं।
सही रंग विकल्प मूड को प्रोत्साहित कर सकते हैं और ऊर्जा के कंपन को संतुलित कर सकते हैं।

निष्कर्ष

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का नक्शा बनाना एक सामंजस्य और समृद्धि का स्थान तैयार करता है। इन सिद्धांतों के साथ अपने घर को संतुलित करके, आप बेहतर रिश्तों, स्वास्थ्य और समृद्धि को अपना सकते हैं।

घर में अकेले हैं और पड़ गया हार्ट अटैक तो क्या करें? मदद मिलने से पहले ऐसे बचेगी जान

पिछले कुछ समय में हार्ट अटैक के मामले काफी तेजी बढ़ रहे हैं. अगर आप अकेले में अकेले में हैं और हार्ट अटैक आ जाए तो क्या करें. चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं.आपने पिछले कुछ महीनों में यह लगातार सुना या फिर पढ़ा होगा कि लोगों को दिल के दौरे पड़ रहे हैं. नाचते वक्त, खाते-पीते वक्त शादियों में लोग गिर जा रहे हैं और उनकी मौत हो जा रही है. कोरोना के बाद हार्ट अटैक के मामले काफी तेजी के साथ बढ़े हैं. आप सोचिए कि आप घर में अकेले हैं और उस वक्त आपको हार्ट अटैक आता है, तो आप क्या करेंगे. क्योंकि उस वक्त आपकी मदद के लिए कोई तो होगा नहीं. अगर आप यह सोचकर घबरा गए हैं, तो घबराइए मत. चलिए आज हम आपको एक्सपर्ट के कुछ उपाय बताते हैं, जिसमें अगर आप अकेले घर में हैं और हार्ट अटैक जैसी दिक्कत होती है, तो आप इससे बचाव कैसे कर सकते हैं.

कब आता है हार्ट अटैक?

हार्ट अटैक भले ही आपको लगे कि यह अचानक आता है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह अचानक नहीं होता है. यह तब होता है, जब हमारी आर्टरीज में कोलेस्ट्रॉल और फैट जमा हो जाती हैं. जिससे प्लाक बनता है, ये प्लाक न केवल खून के बहाव में दिक्कत करता है, बल्कि दिल की मांसपेशियों को भी नुकसान पहुंचाता है. डॉक्टर कहते हैं कि अधिकतर दिल के दौरे तब होते हैं जब लोग अकेले होते हैं, जिससे यह और भी खतरनाक और जानलेवा हो जाता है.

हार्ट अटैक आने पर क्या करें?

एक्सपर्ट बताते हैं कि आपको इसको लेकर अवेयर रहना होता है, ताकि आप खुद की जिंदगी बचा सकें. हार्ट अटैक के कुछ लक्षण होते हैं, जिसमें सीने में तेज या दबाव वाला दर्द, दर्द का हाथों (खासकर बाएं हाथ), गर्दन, जबड़े और पीठ तक फैलना, सांस लेने में कठिनाई, तेज थकान, मितली और उल्टी और जरूरत से ज्यादा पसीना आना. अगर आपको इस तरह की कोई दिक्कत दिखती है, डॉक्टर के अनुसार इस तरह के मामलों को हल्के में नहीं लेना चाहिए. इसके अलावा, महिलाओं में लक्षण अलग हो सकते हैं, जैसे गर्दन, हाथ या पीठ में तेज दर्द. कई बार दिल का दौरा अचानक नहीं पड़ता. बहुत से लोगों को इसके चेतावनी संकेत घंटों, दिनों या हफ्तों पहले दिख सकते हैं. लगातार सीने में दर्द या दबाव रहना, जो आराम करने से भी न जाए, दिल के दौरे का शुरुआती संकेत हो सकता है.

दिल का दौरा पड़ने पर क्या करें?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप अकेले हैं और हार्ट अटैक आता है तो सबसे पहले तुरंत इमरजेंसी सर्विस को कॉल करें. ऑपरेटर को स्थिति बताएं और उनकी सलाह का पालन करें. दूसरी सबसे जरूरी बात यह है कि जैसे ही दिल का दौरा पड़ने के लक्षण महसूस हों, एक एस्पिरिन की गोली चबाकर निगल लें. डॉक्टरों के अनुसार यह हार्ट अटैक के मामलों को गंभीर होने से रोकती है. अगर आपको लग रहा है कि आपको हार्ट अटैक के लक्षण दिख रहे हैं, तो तुरंत ऐसी पोजिशन में बैठ जाएं जो आपके लिए आरामदायक हो. जब तक एम्बुलेंस या डॉक्टर न आएं, किसी दोस्त, परिवार के सदस्य या पड़ोसी को तुरंत कॉल करें ताकि वे मदद कर सकें.

दिल का दौरा (मायोकार्डियल इन्फार्क्शन) एक चिकित्सीय आपात स्थिति है जिसमें आपकी हृदय की मांसपेशी पर्याप्त रक्त प्रवाह न मिलने के कारण काम करना बंद कर देती है। आमतौर पर, हृदय को रक्त पहुँचाने वाली धमनियों में रुकावट के कारण ऐसा होता है। यदि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता रक्त प्रवाह को तुरंत बहाल नहीं करता है, तो दिल का दौरा हृदय को स्थायी क्षति और मृत्यु का कारण बन सकता है।

हृदयाघात क्या है?

दिल का दौरा (मायोकार्डियल इन्फार्क्शन) एक बेहद खतरनाक स्थिति है जो आपके हृदय की कुछ मांसपेशियों में पर्याप्त रक्त प्रवाह न होने के कारण होती है। रक्त प्रवाह की यह कमी कई अलग-अलग कारकों के कारण हो सकती है, लेकिन आमतौर पर यह आपके हृदय की एक या एक से ज़्यादा धमनियों में रुकावट से संबंधित होती है ।

रक्त प्रवाह के बिना, प्रभावित हृदय की मांसपेशी नष्ट होने लगेगी। यदि रक्त प्रवाह जल्दी बहाल नहीं होता है, तो दिल का दौरा पड़ने से हृदय को स्थायी क्षति और/या मृत्यु हो सकती है। दिल का दौरा एक जानलेवा आपात स्थिति है। अगर आपको लगता है कि आपको या आपके किसी साथी को दिल का दौरा पड़ रहा है, तो 911 (या अपने स्थानीय आपातकालीन सेवा नंबर) पर कॉल करें। दिल के दौरे के इलाज में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। कुछ मिनटों की भी देरी से दिल को स्थायी क्षति या मौत हो सकती है।

दिल का दौरा पड़ने पर वास्तव में क्या होता है?

जब दिल का दौरा पड़ता है, तो आपके हृदय के किसी हिस्से में रक्त प्रवाह रुक जाता है या सामान्य से बहुत कम हो जाता है, जिससे आपके हृदय की मांसपेशी के उस हिस्से को चोट पहुँचती है या उसकी मृत्यु हो जाती है। जब आपके हृदय का कोई हिस्सा रक्त प्रवाह की कमी के कारण पंप नहीं कर पाता है, तो यह आपके हृदय की पंपिंग क्रिया को बाधित कर सकता है। इससे आपके शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त प्रवाह कम या बंद हो सकता है, जो अगर जल्दी ठीक न किया जाए तो जानलेवा हो सकता है।

दिल का दौरा कितना आम है?

अमेरिका में हर साल 800,000 से ज़्यादा लोगों को दिल का दौरा पड़ता है। ज़्यादातर दिल के दौरे कोरोनरी धमनी की बीमारी के कारण होते हैं , जो संयुक्त राज्य अमेरिका में मौत का सबसे आम कारण है।

कफ सिरप से बच्चों की मौत पर WHO ने जताई चिंता, पूछा- क्या दूसरे देशों को भी किया एक्सपोर्ट?

भारत में कफ सिरप पीने से 25 बच्चों की मौत की खबर ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है. मासूम बच्चों की जान जाने से लोग सदमे में हैं और सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ये कफ सिरप कितने सुरक्षित हैं? अब इस मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) भी हरकत में आ गया है. WHO ने भारत सरकार से पूछा है कि जिन कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत हुई, क्या उन्हें दूसरे देशों को भी भेजा गया है? बता दें कि मध्यप्रदेश और राजस्थान में कोल्ड्रिफ नाम के कफ सिरप को पीने से कई बच्चों की मौत हो चुकी है.

सिरप में पाई गई यह चीज

जांच में सामने आया कि इस सिरप में Diethylene Glycol (DG) और Ethylene Glycol (EG) नाम के दो रसायनों की मात्रा जरूरत से ज्यादा थी. ये दोनों रसायन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हुए. मध्य प्रदेश में इस सिरप से 22 बच्चों की जान चली गई, जबकि 5 बच्चों की हालत गंभीर है. वहीं, राजस्थान के अलग-अलग जिलों में इस सिरप से तीन बच्चों की मौत की खबर है. इन घटनाओं ने न सिर्फ स्थानीय प्रशासन बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों का ध्यान भी खींच लिया है.

डब्ल्यूएचओ ने पूछा यह सवाल

इस मामले में WHO भी हरकत में आ गया है. डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने भारत सरकार से पूछा है कि क्या ये खतरनाक सिरप विदेशों में भी निर्यात किए गए हैं? अगर ऐसा हुआ है तो WHO ग्लोबल मेडिकल प्रॉडक्ट्स अलर्ट जारी करने पर विचार करेगा. बता दें कि ऐसा अलर्ट तब जारी किया जाता है, जब किसी दवा या प्रॉडक्ट में ऐसी खामी पाई जाती है, जो लोगों की सेहत के लिए खतरा बन सकती है. अगर ये सिरप दूसरे देशों में एक्सपोर्ट किए गए हैं तो WHO जल्द ही एडवाइजरी जारी कर सकता है, ताकि अन्य देशों में भी इस तरह के हादसों को रोका जा सके.

इस घटना ने उठाए कई सवाल

भारत में इस मामले ने दवा उद्योग और नियामक संस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं. भारत के ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सख्त निर्देश दिए हैं. DCGI ने एक पत्र जारी करके कहा कि किसी भी दवा को बाजार में उतारने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच होनी चाहिए. कुछ जगहों पर कमी मिली है, जिसे लेकर DCGI ने नाराजगी जताई है. उन्होंने सभी दवा कंपनियों को आदेश दिया है कि हर बैच की सख्ती से जांच की जाए और उसके बाद ही उसे बिक्री के लिए बाजार में भेजा जाए.

छिंदवाड़ा में सबसे ज्यादा हालात खराब

इस मामले में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं. यहां के स्थानीय प्रशासन ने भी सख्त कदम उठाए हैं. इस सिरप को बनाने वाली फार्मा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है. जांच में ये भी सामने आया है कि सिरप में मौजूद DG और EG जैसे रसायन बच्चों के लिए जहरीले साबित हुए. ये केमिकल कफ सिरप में इस्तेमाल होने वाले सामान्य तत्व नहीं हैं और इनकी ज्यादा मात्रा जानलेवा हो सकती है.

मध्य प्रदेश और राजस्थान में खांसी की सिरप (Cough Syrup) पीने से कई बच्चों की मौत के मामले ने हड़कंप मचा दिया है. सूत्रों के अनुसार, इस पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) और संबंधित राज्य की ड्रग कंट्रोल एजेंसियां जांच में जुटी हैं. मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में खांसी की सिरप पीने के बाद 6 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई. इसके अलावा, राजस्थान के सीकर जिले में भी इसी तरह से एक बच्चे की मौत की खबर है. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, NCDC की एक टीम जांच के लिए घटनास्थल पर गई थी और उन्होंने सैंपल भी लिए हैं, हालांकि उनकी टेस्ट रिपोर्ट अभी नहीं आई है.

दवाओं के सैंपल की होगी जांच

दवाओं के नमूनों की जांच राज्य की ड्रग अथॉरिटी द्वारा की जा रही है. यह सुनिश्चित करने के लिए कि कहीं कोई संक्रामक बीमारी तो नहीं है, पानी, मच्छरों से जुड़ी (एंटोमोलॉजिकल) और दवाओं के सैंपल की जांच अलग-अलग एजेंसियों द्वारा की जा रही है. सभी जांच रिपोर्ट राज्य के अधिकारियों के साथ साझा की जाएंगी ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके.

सिरप पर प्रतिबंध और कंपनी की पहचान

जानकारी के मुताबिक जिस सिरप से बच्चों की तबीयत बिगड़ी है उसकी सप्लाई इसी साल जून में शुरू हुई थी. यह सिरप जयपुर की कायसन फार्मा कंपनी बनाती है. कंपनी का रिकॉर्ड पहले भी विवादों में रहा है। 5 अक्टूबर 2023 को कंपनी की खांसी की दवा का बैच KL-22/359 को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड घोषित किया गया था. लगातार मामलों के सामने आने के बाद आरएमएससीएल ने इस सिरप के सभी बैच की सप्लाई पर रोक लगा दी है. आरएमएससीएल के कार्यकारी निदेशक जयसिंह ने बताया कि दवा के दो बैच की जांच कराई जा रही है और बाकी 19 बैच पर भी रोक लगाई गई है. स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि बैच का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

घर पर तुरंत बालों का झड़ना कैसे रोकें: जानें असरदार घरेलू उपाय

घर पर तुरंत बालों का झड़ना रोकना चाहते हैं लेकिन नहीं पता कैसे? बाल झड़ने की समस्या से परेशान हैं लेकिन समय और पैसे खर्च नहीं करना चाहते? बाल झड़ने की समस्या का समाधान घर बैठे घरेलु नुस्खों से करना चाहते हैं? अगर इन प्रश्नों का जवाब हाँ है, तो यह ब्लॉग आपकी पूरी मदद करेगा. इस ब्लॉग के माध्यम से हम आपको विस्तृत जानकारी देंगे कि आप कैसे बाल झड़ने की समस्या का रोकथाम घर पर ही कर सकते हैं. बाल झड़ने की समस्या आज भारत में काफी बढ़ चुकी है, आंकडें देखकर लगता है कि जल्द ही भारत की आधे से अधिक जनसँख्या तेजी से बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या से परेशान होगी. लेकिन, समस्या है तो समाधान भी! बाल झड़ने की समस्या का समाधान अवश्य किया जा सकता है अगर आप इस ब्लॉग में बताई गई सभी बातों का पालन करें तो. हमने घर बैठे बाल झड़ने की समस्या के रोकथाम के प्रभावी तरीकों को डिस्कस किया है.

घर पर तुरंत बालों का झड़ना कैसे रोकें?

घर पर तुरंत बालों का झड़ना रोकने के लिए अपने आहार में प्रोटीन, विटामिन और खनिज से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। नारियल का तेल या जैतून का तेल से नियमित रूप से बालों की मालिश करें। हर्बल हेयर पैक जैसे मेथी, दही और एलोवेरा का इस्तेमाल भी फायदेमंद हो सकता है। तनाव कम करने के लिए योग और ध्यान करें, क्योंकि तनाव भी बालों के झड़ने का एक कारण हो सकता है।

लेकिन अगर समस्या विकट है यानी तेजी से बाल झड़ रहे हैं और काफी प्रयत्नों के बावजूद बाल झड़ रहे हैं तब आपको holistic approach के साथ आगे बढ़ना होगा. यानी अब सिर्फ तेल या हर्बल पैक लगाने भर से काम नहीं चलेगा बल्कि समस्या की जड़ तक जाना होगा. तेजी से बाल झड़ रहे हैं तो सबसे पहले डॉक्टरों द्वारा तैयार किया गया आसान सा Free Hair Test दीजिये. टेस्ट देकर आप समस्या के मूल कारण की पहचान कर पाते हैं. इससे इलाज काफी आसान हो जाता है.

1. प्रोटीन, विटामिन और खनिज से भरपूर आहार लें

बाल झड़ने की समस्या से परेशान हैं तो सबसे पहले तो आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए. घर बैठे तुरंत बाल झड़ना रोकना है तो आज से ही अपने आहार में ऐसे खाद्य पदार्थों को मिलाएं जो प्रोटीन, विटामिन और खनिज से भरपुर हों. बालों का स्वास्थ्य पूरी तरह से आपके खानपान पर निर्भर करता है. अगर आप बासी, प्रोसेस्ड, तली हुई और असंतुलित आहार का सेवन करते हैं तो बालों का तेजी से झड़ना शुरू हो जाता है.बालों का समग्र स्वास्थ्य बनाए रखने और उनका झड़ना रोकने के लिए निम्नलिखित विटामिन और खनिजों का सेवन काफी महत्त्वपूर्ण हो जाता है:बायोटिनः अंडे, लीवर, मेवे, बीज और साबुत अनाजविटामिन एः गाजर, शकरकंद, पालक और केलविटामिन सीः खट्टे फल, जामुन, शिमला मिर्च और ब्रोकली

विटामिन डीः सूरज की रोशनी, वसायुक्त मछली, फोर्टिफाइड दूध और अंडेविटामिन ईः मेवे, बीज, एवोकाडो और पालक

आयरनः लाल मांस, मुर्गी, मछली, पालक और दालेंजिंकः सीप, लाल मांस, मुर्गी, बीन्स और मेवेमैग्नीशियमः साबुत अनाज, मेवे, बीज और गहरे रंग की हरी सब्जियाँकॉपरः सीप, लीवर, मेवे और बीज2. सप्ताह में दो दिन तेल मालिश करें

अगर आपके बाल झड़ रहे हैं तो हो सकता है कि ऐसा स्कैल्प के ड्राई होने, स्कैल्प में रक्त प्रवाह कम होने और बालों के रोमों तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की डिलीवरी सुचारू रूप से न होने की वजह से हो रहा हो. ऐसे में स्कैल्प पर तेल मालिश करना महत्वपूर्ण हो जाता है. वर्षों पहले दादी-नानी स्कैल्प पर तेल रखने की सलाह इसलिए ही तो देती थीं ताकि संपूर्ण स्कैल्प स्वास्थ्य बेहतर हो सके.

लेकिन तेल कौन सा इस्तेमाल करें? घर पर तुरंत बालों का झड़ना रोकने के लिए आपको Traya Nourish Hair Oil का इस्तेमाल करना चाहिए. इस तेल में भृंगराज, आंवला, शिकाकाई और ब्राह्मी जैसे तत्व पाए जाते हैं जो बालों को पोषण देने वाले गुणों के लिए जाने जाते हैं। वे बालों के रोम को मजबूत करने, स्कैल्प के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और बालों के टूटने को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा आप अन्य तेलों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, जैसे:

नारियल तेल कैस्टर ऑयल जैतून का तेल बादाम तेल आंवला तेल

3. तनाव से दूरी बनाएं

अगर आप घर बैठे बाल झड़ने की समस्या को कम करना चाहते हैं तो सबसे आसान और सस्ता लेकिन प्रभावी तरीका है तनाव से दूरी. Stress यानी तनाव पुरूषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने के प्रमुख कारणों में गिना जाता है. जो व्यक्ति अत्यधिक तनाव लेते हैं, उनके बाल तेजी से झड़ते हैं और समय बीतने के साथ-साथ उन्हें गंजेपन का शिकार भी बनना पड़ सकता है. तनाव दूर करने के लिए आप कई तरीके अपना सकते हैं जैसे:

माइंडफुलनेस मेडिटेशन का अभ्यास करें नियमित शारीरिक गतिविधि में शामिल हों प्रकृति में समय बिताएंस्वस्थ आहार लें अच्छी नींद को प्राथमिकता दें

4. नियमित रूप से योगाभ्यास करें

नियमित रूप से योगाभ्यास और व्यायाम करना भी हेयर फॉल यानि बालों के झड़ने की समस्या के रोकथाम में मदद कर सकता है. रोजाना योग और व्यायाम करने से आप stress free होते हैं, जोकि हमने अभी आपको ऊपर बताया बालों के झड़ने की समस्या का मूल कारण है. नियमित शारीरिक गतिविधि और योग तनाव के स्तर को कम करने और स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं।

साथ ही, जब आप रोजाना योग-व्यायाम करते हैं तो स्कैल्प में रक्त संचार सुचारू रूप से संभव हो पाता है. इससे स्कैल्प और बालों के रोमों को आवश्यक मात्रा में ऑक्सीजन और पोषण मिलता है जिससे वे मजबूत बनते हैं. अंत में, हार्मोनल असंतुलन बालों के झड़ने में योगदान दे सकता है। योग और व्यायाम हार्मोन को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं, जिससे स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा मिलता है। तो अगर आप घर पर तुरंत बालों का झड़ना रोकना चाहते हैं तो आज से ही रोजाना कम से कम आधे घंटे समय योग-व्यायाम के लिए निकालें.

5. बालों में हर्बल पैक लगाएं

जल्दी बालों का झड़ना रोकने के लिए आप घर पर ही हर्बल पैक तैयार करके बालों में लगा सकती हैं. हर्बल पैक तैयार करना और इस्तेमाल करना दोनों आसान है. तो आइए जानते हैं कि समस्या के रोकथाम में आप कौन से हर्बल पैक लगा सकते हैं:

1. आंवला, भृंगराज और शिकाकाई

बालों का झड़ना घर बैठे रोकना चाहते हैं तो इसमें आपकी मदद करेंगे आंवला, भृंगराज और शिकाकाई. आप इन तीनों ही जड़ी-बूटियों का हर्बल पैक बनाकर बालों में लगा सकती हैं जिससे बाल झड़ना कम होंगे. इसे तैयार कैसे करना है, आइए जानते हैं: सामग्री इकट्ठा करें: आंवला पाउडर, भृंगराज पाउडर, शिकाकाई पाउडर, पानी या नारियल का दूध।

पाउडर मिलाएँ: एक कटोरे में आंवला, भृंगराज और शिकाकाई पाउडर को बराबर मात्रा में मिलाएँ।

भारतीय इंजीनियर की 1 करोड़ कमाई, फिर भी नहीं मिला अमेरिका का B1/B2 वीजा, 40 सेकंड में आवेदन खारिज

वॉशिंगटनः ट्रंप प्रशासन ने भारतीय आईटी प्रोफेशनल के अमेरिका जाने के सपने को बहुत मुश्किल बना दिया है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारी भारतीयों का वीजा धड़ाधड़ रिजेक्ट कर रहे हैं। एक भारतीय आईटी प्रोफेशनल ने अपना अनुभव साझा किया है, जब महज 40 सेकंड में उसे B1/B2 वीजा देने से इनकार कर दिया गया। उसने रेडिट पर एक पोस्ट लिखकर अपना अनुभव शेयर किया है और बताया कि तकनीकी विशेषज्ञता और मजबूत इकनॉमिक बैकग्राउंट के बावजूद अमेरिकी अधिकारी ने उसका आवेदन खारिज करने में 1 मिनट भी नहीं लगाया। भारतीय इंजीनियर ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में वीजा के लिए इंटरव्यू दिया था।

तीन सवाल में वीजा आवेदन रिजेक्ट

इंजीनियर ने रेडिट पर पोस्ट में लिखा, 'आज दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में मेरा B1/B2 वीजा इंटरव्यू था और मुझे सिर्फ तीन सवालों के बाद एक मिनट से भी कम समय में खारिज कर दिया गया। मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि क्या गलत हुआ और अगली बार मैं कैसे सुधार कर सकता हूं।'

भारतीय इंजीनियर ने बताया कि वह अटलांटा में होने वाले Kubecon + CloudnativeCon 2025 सम्मेलन में हिस्सा के लिए जाना चाहता था। इंटरव्यू लेने वाले अमेरिकी अधिकारी ने उसकी यात्रा का कारण, पिछले यात्रा अनुभव और अमेरिका में उनके किसी परिवार या मित्र के होने के बारे में पूछताछ की। इंजीनियर ने बताया कि वह एक कंपनी में सीनियर टेक लीड है और उसका काम क्लाउड नेटिव टेक्नोलॉजीज पर केंद्रित है।

इंजीनियर ने बताया कि उनसे पूछा गया कि क्या वे लिथुआनिया, मालदीव या इंडोनेशिया गए हैं, तो उन्होंने जवाब दिया- हां। इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका में उनके परिवार या दोस्त हैं। इस पर उन्होंने नहीं में जवाब दिया। इतना सुनते ही अधिकारी ने तुरंत उन्हें 214(b) की वीजा खारिज किए जाने की पर्ची थमा दी।

सालाना 1 करोड़ की कमाई

भारतीय इंजीनियर ने पोस्ट में बताया कि वह अच्छा पैसा कमाते हैं और भारत से उनका गहरा जुड़ाव है। ऐसे में उनके अमेरिका में अवैध रूप से ठहरने की कोई संभावना नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैं सालाना लगभग 1 करोड़ कमाता हूं और मेरी एक 8 महीने की बेटी है। इसलिए भारत आने की मेरे पास गहरी प्रेरणा थी।' इतना ही नहीं, उनके पास होटल और सम्मेलन के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम और रिजर्वेशन थे।

H1B वीजा और टैरिफ का बुरा असर! अमेरिका में घटी इंटरनेशनल छात्रों की संख्या; इस साल पहुंचे सिर्फ इतने स्टूडेंट

अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आगमन में इस अगस्त पिछले वर्ष की तुलना में 19% की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो कोविड महामारी के बाद सबसे बड़ी है। ट्रंप प्रशासन की सख्त वीजा नीतियों, यात्रा प्रतिबंधों और कड़ी जांच के कारण यह कमी आई है। एशियाई छात्रों की संख्या में 24% और भारतीय छात्रों में 44% की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। इसके अतिरिक्त, वीजा शुल्क में वृद्धि से अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका आने

वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अगस्त में 19 प्रतिशत कम रही। कोविड महामारी के बाद अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आगमन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के संख्या में यह गिरावट इसलिए आइ है क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने वीजा प्रक्रिया में देरी की, 19 देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए, फलस्तीन समर्थक भाषण देने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निर्वासित करने की धमकी दी और छात्र वीजा आवेदकों की जांच कड़ी कर दी।

कितने छात्र जाते हैं अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आगमन रिकार्ड पर आधारित इस डाटा में अमेरिका में प्रवेश करने वाले नए अंतरराष्ट्रीय छात्र और देश में लौटने वाले मौजूदा अंतरराष्ट्रीय छात्र, दोनों शामिल हैं। इसका मतलब है कि सिर्फ नए छात्रों की संख्या ज्ञात नहीं है। लेकिन अतीत में, अगस्त में आने वाले छात्र शरद ऋतु में नामांकन का संकेतक रहे हैं। ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय छात्र अगस्त में शरद ऋतु सेमेस्टर के लिए पहुंचते हैं, क्योंकि वे अपने कार्यक्रम शुरू होने से 30 दिन पहले देश में प्रवेश नहीं कर सकते। हाल के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र आते हैं जिनकी संख्या लगभग 13 लाख के आसपास होती है।

70% एशिया के छात्र

इनमें 70 प्रतिशत से अधिक छात्र एशिया से होते हैं और इस वर्ष अगस्त में एशियाई छात्रों की संख्या में 24 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगभग तीन में से एक अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय होता है। इस वर्ष अगस्त में भारतीय छात्रों की संख्या में 44 प्रतिशत की गिरावट आई। हर पांच में से एक अंतरराष्ट्रीय छात्र चीन से होता है और इस वर्ष चीनी छात्रों में गिरावट जारी रही। वीजा शुल्क में वृद्धि का विश्वविद्यालयों व कालेजों पर पड़ेगा प्रभाव

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए एच-1बी वीजा के लिए निर्धारित 1,00,000 डालर के शुल्क का टेक कंपनियों और वित्तीय कंपनियों पर तो गहरा असर होगा ही, लेकिन इसका असर शिक्षा प्रणाली पर भी पड़ेगा और देशभर की कक्षाओं में दिखाई भी देगा।कुछ विश्वविद्यालयों और कालेजों के प्रेसीडेंट्स ने कहा कि शुल्क वृद्धि के कारण वीजा कार्यक्रम के जरिये संकाय सदस्यों को नियुक्त करने की उनकी क्षमता बाधित होगी। कुछ अन्य ने कहा कि उनके स्कूल यह शुल्क वहन नहीं कर सकते, इस कारण उनके लिए गणित और विशेष शिक्षा के शिक्षक तलाशना मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिकन कालेज एंड यूनिवर्सिटीज की प्रेसीडेंट लिन पस्क्यूरेला ने कहा कि कई स्कूल साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरग, मैथ और मेडिकल के क्षेत्रों में पदों को भरने के लिए वीजा पर निर्भर हैं। शुल्क वृद्धि से विदेशी डाक्टरों की भर्ती प्रक्रिया और भी सीमित हो जाएगी।

EPFO ने आसान की 7 करोड़ से ज्यादा अंशधारकों की राह, पासबुक चेक करना भी होगा आसान

Employees Provident Fund Organisation: सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को अब एक ही पोर्टल पर सभी प्रमुख सेवाओं और अपने खाते से जुड़ी जानकारियां एकल लॉगिन के जरिए मिल जाएंगी। श्रममंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने अपने सदस्यों को अधिक पारदर्शी, सरल और उपयोगकर्ता अनुकूल सेवाएं देने के लिए कई सुधार किए हैं। अब तक सदस्यों को पासबुक पोर्टल पर अलग से लॉगिन कर अंशदान एवं निकासी का विवरण देखना पड़ता था। लेकिन अब नए 'पासबुक लाइट' फीचर को सदस्य पोर्टल पर ही शामिल कर दिया गया है।

पासबुक के लिए अलग से लॉगिन नहीं :

इस सुविधा से अंशधारक ईपीएफइंडिया के यूनिफाइड पोर्टल पर ही सीधे जाकर अपने अंशदान, निकासी और शेष राशि का संक्षिप्त विवरण देख सकेंगे। इसके लिए उन्हें पासबुक पोर्टल पर अलग से लॉगिन करने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, विस्तृत ग्राफिकल पासबुक की सुविधा पहले की तरह पासबुक पोर्टल पर मिलती रहेगी। मांडविया ने कहा कि एकल लॉगिन की सुविधा से न केवल उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर होगा बल्कि पासबुक पोर्टल पर दबाव घटेगा और तकनीकी संरचना भी आसान होगी।

श्रम मंत्री ने कहा कि भविष्य निधि (पीएफ) के स्थानांतरण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 'एनेक्सचर-के' (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) को भी अब ऑनलाइन डाउनलोड करने योग्य बना दिया गया है। अब तक कर्मचारी के नौकरी बदलने पर यह सर्टिफिकेट केवल पीएफ कार्यालयों के बीच साझा होता था और अंशधारक को अनुरोध करने पर ही मिलता था।

बढ़ेगी पारदर्शिता :

लेकिन, नई व्यवस्था में सदस्य सीधे पीडीएफ फॉर्मेट में इसे डाउनलोड कर सकेंगे और अपने खाते में मौजूद राशि एवं सेवा अवधि के सही ब्योरे की पुष्टि कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि यह सुविधा न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारी पेंशन योजना (EPS) से जुड़े लाभों के लिए स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराएगी।ईपीएफओ ने सेवा वितरण को तेज करने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में भी सुधार किया है। अब तक स्थानांतरण, निपटान, अग्रिम राशि, रिफंड जैसी विभिन्न सेवाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की स्वीकृति जरूरी होने से देरी होती थी। लेकिन नई व्यवस्था में यह अधिकार सहायक आयुक्तों और निचले स्तर तक क्रमबद्ध ढंग से सौंपा गया है।

वेल्थ मैनेजमेंट क्या है?

वेल्थ मैनेजमेंट भारतीय फाइनेंशियल लैंडस्केप में केवल एक बजवर्ड नहीं है; यह आपकी वित्तीय खुशहाली का प्रबंधन करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण है. इसी स्थिति में आपके वित्तीय सपनों का पोषण, सुरक्षित और विकास किया जाता है. इस कॉम्प्रिहेंसिव गाइड में, हम जानेंगे कि वेल्थ मैनेजमेंट क्या है, यह कैसे काम करता है, इसके लाभ, प्रमुख रणनीतियां और वेल्थ मैनेजर और फाइनेंशियल प्लानर के बीच अंतर करने में भी आपकी मदद करेंगे.

वेल्थ मैनेजमेंट क्या है?

धन प्रबंधन का अर्थ, अपने मूल स्थान पर, एक व्यक्ति के वित्तीय जीवन का व्यापक प्रबंधन है. धन प्रबंधन एक कार्यनीतिक और व्यापक प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है, जो विभिन्न वित्तीय पहलुओं को एक साथ बुनाता है. इसमें वित्तीय योजना, कौशलपूर्ण निवेश प्रबंधन, आस्ट्यूट कर अनुकूलन, सूक्ष्म संपदा नियोजन और जोखिम प्रबंधन की कला शामिल है. ये तत्व व्यक्तियों और परिवारों की विशिष्ट फाइनेंशियल आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक कस्टमाइज किए जाते हैं.

जब आप धन प्रबंधन यात्रा शुरू करते हैं, तो एक कुशल संपत्ति प्रबंधक आपका विश्वसनीय मार्गदर्शक बन जाता है. वे एक रणनीतिक फाइनेंशियल प्लान बनाते हैं जो क्लाइंट के जोखिम सहिष्णुता और विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन उद्देश्यों को कैसे प्राप्त करना है इसकी रूपरेखा बताते हैं.

धन प्रबंधन, वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने और वित्तीय संसाधनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने की सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत, सर्वव्यापी रणनीति प्रदान करता है. यह ग्राहक की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुरूप वित्तीय समृद्धि के लिए मन की शांति, पेशेवर विशेषज्ञता और रोडमैप प्रदान करता है.

वेल्थ मैनेजमेंट का उदाहरण

कल्पना करें कि राज, जो 35 वर्ष पुराना है और रिटायरमेंट प्लानिंग, अपनी बेटी के विवाह और 20 वर्षों में दूसरे घर खरीदने सहित फाइनेंशियल लक्ष्य रखते हैं. राज की मौजूदा नेटवर्थ 1 करोड़ है, और इन्वेस्ट करने के लिए उनके पास 50,000 का मासिक सरप्लस है.

राज के लक्ष्यों, जोखिम सहिष्णुता और वर्तमान वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए धन प्रबंधक एक व्यापक योजना तैयार करता है. वे भारतीय फाइनेंशियल मार्केट के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए 8% की अपेक्षित वार्षिक रिटर्न के साथ इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की सलाह देते हैं.

इस योजना में कर-कुशल निवेश रणनीति शामिल है जो राज को अपनी कर देयता को कम करने में मदद करती है. राज की इनकम और एसेट बढ़ने के बाद, वेल्थ मैनेजर अपने वेल्थ प्रिजर्वेशन लक्ष्यों और रिस्क प्रोफाइल के साथ जुड़ने के लिए आवधिक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट और फाइनेंशियल स्ट्रेटजी एडजस्टमेंट का सुझाव देता है.

वर्षों के दौरान, इस संपत्ति प्रबंधन दृष्टिकोण से राज को संपत्ति जमा करने में मदद मिली है. वह 60 तक पहुंचने के बाद, उसकी संपत्ति 5 करोड़ तक बढ़ गई है, जो आरामदायक रिटायरमेंट सुनिश्चित करती है. इसके अलावा, वे अपनी बेटी के विवाह को फंड करने और दूसरा घर खरीदने के लिए फाइनेंशियल रूप से तैयार हैं.

वेल्थ मैनेजमेंट कैसे काम करता है?

धन प्रबंधन में प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्मित एक समग्र दृष्टिकोण है, सभी भारतीय वित्तीय परिदृश्य के समृद्ध टेपेस्ट्री के भीतर. आइए इस जटिल प्रक्रिया के बारे में एक व्यापक ब्रेकडाउन की जानकारी दें.

1. वित्तीय मूल्यांकन

डीप डाइव: वेल्थ मैनेजर परिवार की जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक वैल्यू जैसे एसेट, देयताओं, आय, खर्च और भारतीय-विशिष्ट कारकों सहित क्लाइंट की फाइनेंशियल स्थिति का आकलन करते हैं.

लक्ष्य सेटिंग: क्लाइंट के साथ, स्पष्ट फाइनेंशियल लक्ष्य स्थापित किए जाते हैं, अक्सर रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संपत्ति को सुरक्षित रखने जैसे माइलस्टोन शामिल होते हैं.

2. पर्सनलाइज़्ड फाइनेंशियल प्लान

रणनीतिक ब्लूप्रिंट: क्लाइंट के विशिष्ट लक्ष्यों और जोखिम सहिष्णुता के आधार पर, पर्सनलाइज़्ड फाइनेंशियल प्लान तैयार किया जाता है, जिसमें भारतीय मूल्यों और आकांक्षाओं को शामिल किया जाता है.

कस्टम स्ट्रेटेजी: यह प्लान फाइनेंशियल उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय फाइनेंशियल लैंडस्केप की जटिलताओं को नेविगेट करने के लिए अनुकूलित स्ट्रेटेजी की रूपरेखा बताता है.

3. निवेश प्रबंधन

विविध पोर्टफोलियो: भारतीय बाजार की विशिष्ट गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए एक सुसंतुलित निवेश पोर्टफोलियो डिजाइन किया गया है. यह स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट आदि सहित विभिन्न एसेट का लाभ उठाता है, जो विविधता पर ध्यान केंद्रित करता है.

दिवाली पर नए वर्ष का हिसाब-किताब, मुख्य रूप से व्यापारी नए बही-खातों की करते हैं शुरुआत

दिवाली पर नए वर्ष का हिसाब-किताब मुख्य रूप से व्यापारी नए बही-खातों की शुरुआत करके करते हैं, जो देवी लक्ष्मी की पूजा के बाद होता है, क्योंकि इसे धन और समृद्धि का त्योहार माना जाता है और यह व्यापारियों के लिए नए व्यावसायिक वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। दिवाली और नया साल व्यापारी बही-खाते खोलते हैं: व्यापारी दिवाली के दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और नए बही-खातों में अपने पूरे साल का हिसाब-किताब शुरू करते हैं। धन और समृद्धि का प्रतीकः ऐसा माना जाता है कि यह खूबसूरत त्योहार सभी के लिए धन, समृद्धि और सफलता लाता है। एक नए अध्याय की शुरुआतः दिवाली के दिन को नए साल की शुरुआत के रूप में भी देखा जाता है, विशेषकर उन संस्कृतियों के लिए जो इसे नया साल मानते हैं। जैन नववर्षः जैन समुदाय भी अपना नया साल दिवाली के अगले दिन से मनाता है, जिसे वीर निर्वाण संवत भी कहा जाता है।

दिवाली का सांस्कृतिक महत्व

अंधकार पर प्रकाश की विजयः यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भगवान राम की वापसीः यह त्योहार भगवान राम के 14 साल के वनवास के बाद अपने राज्य लौटने की याद में मनाया जाता है, जिससे बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश मिलता है। देवी लक्ष्मी की पूजाः देवी लक्ष्मी, जो प्रकाश, धन और सौंदर्य की देवी हैं, उनकी भी पूजा की जाती है।

बही खाते शुरू करने का शुभ मुहूर्त

दीपावली 2025 में नए बही खाते शुरू करने का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर को शाम 7:08 बजे से रात 8:18 बजे तक है, क्योंकि यह लक्ष्मी-गणेश पूजा का सबसे शुभ समय (प्रदोष काल और स्थिर लग्न) है और दिवाली का त्योहार इसी मुहूर्त में होता है। पूरा विवरण दिनांकः 20 अक्टूबर 2025 (सोमवार)। लक्ष्मी-गणेश पूजा का शुभ मुहूर्तः शाम 7 बजकर 8 मिनट से रात 8 बजकर 18 मिनट तक।

क्यों यह मुहूर्त शुभ है?

प्रदोष कालः दिवाली पर पूजा सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में की जाती है, और 20 अक्टूबर को यह मुहूर्त प्रदोष काल में आ रहा है।**स्थिर लग्नः** इस मुहूर्त में स्थिर लग्न का संयोग भी बन रहा है, जो माँ लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्ति के लिए उत्तम माना जाता है। अमावस्या तिथिः यह मुहूर्त कार्तिक अमावस्या तिथि के साथ है, जो दिवाली मनाने के लिए आवश्यक है।

पूरे दिन शुभ समयः

कुछ लोग दिवाली से पहले के शुभ समय में भी नए बही खाते शुरू करते हैं। इस साल 14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का योग बनेगा, जो खरीदारी और नए काम शुरू करने के लिए अच्छा है।

पुष्य नक्षत्र और बहीखाता

: ये है करवा चौथ पर मेहंदी लगवाने का सबसे शुभ मुहूर्त, मिलेगा अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

करवा चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए साल का सबसे खास दिन होता है। यह दिन न केवल पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखने का है, बल्कि 16 श्रृंगार के माध्यम से अपने सौभाग्य को दर्शाने का भी पर्व है। इन 16 श्रृंगार में मेहंदी का महत्व सबसे अधिक है, क्योंकि इसे सुहाग का प्रतीक और शुभता का सबसे बड़ा सूचक माना गया है। इस साल करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार) को पड़ रहा है। ऐसे में शुभ और उत्तम फल पाने के लिए मेहंदी लगाने के लिए कुछ विशेष शुभ मुहूर्त और नक्षत्रों का ध्यान रखना जरूरी है।**मेहंदी का महत्वः** हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मेहंदी को सौभाग्य और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, यह माना जाता है कि पति-पत्नी के बीच प्रेम उतना ही अधिक अटूट और गहरा होता है। साथ ही, मेहंदी की शीतलता व्रत के दौरान शरीर को शांत रखने में भी मदद करती है। देवी पार्वती को भी मेहंदी अर्पित करना शुभ माना जाता है, जो अखंड सौभाग्य की देवी हैं।मेहंदी लगवाने के लिए सबसे शुभ नक्षत्र और दिनः ज्योतिष शास्त्र में, कोई भी शुभ कार्य एक निश्चित नक्षत्र में करने से उसका फल कई गुना बढ़ जाता है। मेहंदी लगवाने के लिए रोहिणी, मृगशिरा, अनुराधा, उत्तरा फाल्गुनी और रेवती नक्षत्र विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। चूंकि करवा चौथ 10 अक्टूबर 2025 को है, आप इससे एक दिन पहले यानी गुरुवार 9 अक्टूबर या व्रत वाले दिन 10 अक्टूबर मेहंदी लगवा सकती हैं।

करवा चौथ 2025 पर मेहंदी लगवाने का शुभ मुहूर्त

मेहंदी हमेशा ऐसे समय में लगवानी चाहिए जब वह व्रत की शुभता को बढ़ाए और दांपत्य जीवन के लिए बेहद शुभ साबित हो। शाम का प्रदोष कालपूजा और श्रृंगार दोनों के लिए उत्तम माना जाता है। गुरुवार 9 अक्टूबर को व्रत से एक दिन पहले शाम 5:45 से 8:00 यह समय तैयारी के लिए उत्तम है। शुक्रवार 10 अक्टूबर को व्रत वाले दिन शाम 5:57 से 7:11 का समय व्रत के दिन पूजा से ठीक पहले का है। इस मुहूर्त में मेहंदी लगवाना सौभाग्य को अखंड बनाएगा।विशेष : अगर आप व्रत वाले दिन मेहंदी लगवा रही हैं, तो सुनिश्चित करें कि यह चंद्रमा को अर्घ्य देने के समय से पहले ही सूख जाए।

मेहंदी लगवाते समय 3 बातें याद रखें

1. मेहंदी लगवाते समय अपने मन में शिव-पार्वती का ध्यान जरूर करें। मान्यता है कि इससे माता पार्वती प्रसन्न होती हैं और आपके सुहाग की रक्षा करती हैं।
2. मेहंदी लगाते समय पति की लंबी आयु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करें। सकारात्मक सोच मेहंदी के रंग को और भी गहरा करती है।
3. मेहंदी लगाने के बाद उसे रात भर सूखने दें और उतारने के लिए पानी का उपयोग न करें। लौंग के धुएं और नींबू-चीनी के घोल का इस्तेमाल करें ताकि मेहंदी का रंग गहरा और टिकाऊ हो।

Aashiqui 3 नहीं ये होगा कार्तिक आर्यन-श्रीलीला की फिल्म का नाम, रिलीज डेट भी रिवील

श्रीलीला अभी साउथ में धूम मचा रही हैं। "किस्सिक" गाने के बाद उन्हें खूब सुर्खियाँ मिलीं, और अब उन्होंने रवि तेजा की अगली फिल्म में आइटम सॉन्ग करने के लिए भी साइन कर लिया है। और सबको उस गाने का बेसब्री से इंतज़ार है। "गुंटूर काराम" गाने में भी वो बहुत प्यारी लग रही थीं। डांस के मामले में तो वो बिलकुल कमाल की हैं, लेकिन एक्टिंग की बात करें तो अभी तक उन्होंने कोई खास परफॉर्मेंस नहीं दी है। और उन्हें बॉलीवुड में "आशिक 3" से डेब्यू करना है। तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या वो कम से कम एक अच्छी एक्ट्रेस बन पाएंगी या फिर भारतीय सिनेमा की एक और ट्रॉफी डांसर बनकर रह जाएंगी?

कार्तिक आर्यन साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ डायरेक्टर अनुराग बसु की फिल्म आशिकी 3 में काम कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा 2-3 साल पहले की गई थी, तभी से फैन्स इस मूवी को देखने के लिए बेताब है। बीच-बीच में फिल्म से जुड़ी कुछ जानकारियां सामने आती रही हैं। अब इसी मूवी को लेकर एक धमाका करने वाली खबर सामने आई है। मिड डे की रिपोर्ट की मानें तो फिल्म को आखिरकार टाइटल मिल गया है। इतना ही नहीं ये कब रिलीज होगी इसकी जानकारी भी रिवील कर दी गई हैं।

क्या है कार्तिक आर्यन-श्रीलीला की आशिकी 3 का टाइटल

कार्तिक आर्यन-श्रीलीला की रोमांटिक फिल्म आशिकी 3 को अपना फाइनल टाइटल मिल गया है। खबरों की मानें तो फिल्म तू मेरी जिंदगी है नाम से रिलीज होगी। इस म्यूजिकल ड्रामा फिल्म को अनुराग बसु ने डायरेक्ट किया है और ये 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। बता दें कि आशिकी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त के रूप में बनाई जा रही थी। हालांकि, जब मुकेश भट्ट और भूषण कुमार अलग हो गए तो भूषण कुमार ने इसे अकेले बनाने का फैसला किया। सूत्र ने बताया कि टीम एक ऐसा नाम चाहती थी जो पुरानी यादें ताजा करें लेकिन बिना कानूनी या क्रिएटिव कॉम्प्लिकेशन का जोखिम उठाए। इसलिए तू मेरी जिंदगी है.. नाम फाइनल किया है। सूत्र ने आगे बताया कि ये एक क्लासिक प्रेम कहानी है, जिसमें बासु ने अपनी शैली को बखूबी पेश किया है। रिलीज में छह महीने से ज्यादा का समय बचा है, जिससे टीम को इस पर काम करने का और ज्यादा समय मिल गया है। नया शेड्यूल मुंबई में चल रहा है और फिल्म की शूटिंग 2025 के अंत तक पूरी कर ली जाएगी, जिसमें पैच वर्क 2026 की शुरुआत तक चलेगा।

Jolly LLB 3 एक नहीं 2 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

राइटर-डायरेक्टर सुभाष कपूर की फिल्म जॉली एलएलबी 3 एक लीगल ब्लैक कॉमेडी फिल्म है, जिसे दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। इसमें अक्षय कुमार, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, अमृता राव, हुमा कुरैशी, गजराज राव, सीमा बिस्वास, राम कपूर लीड रोल में हैं। ये फिल्म जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट थी। सिनेमाघरों में अपना रन टाइम पूरा करने के बाद अब ये ओटीटी पर धमाका करने आ रही है। ये खबर सुनते ही फैन्स काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

कब और किस ओटीटी पर देखने मिलेगी जॉली एलएलबी 3

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्टरूम कॉमेडी ड्रामा जॉली एलएलबी 3 19 सितंबर को रिलीज होने के हफ्तों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर दम दिखा रही है। फैन्स इसे घर पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों के लिए अच्छी खबर ये है कि जॉली एलएलबी 3 सिर्फ एक प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम नहीं होगी बल्कि इसे 14 नवंबर से जियो हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकेगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म के ओटीटी पर स्ट्रीम होने कीऑफिशियल घोषणा नहीं की है।

जॉली एलएलबी 3 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई है। फिल्म ने पहले दिन 12.5 करोड़ से अपना खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने तगड़ा हाथ मारते हुए 20 करोड़ का बिजनेस किया। तीसरे दिन मूवी ने 21 करोड़ का कारोबार किया था। चौथे दिन इसकी कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली और इसने 5.5 करोड़ का कारोबार किया। पांचवें दिन इसका कलेक्शन 6.5 करोड़ रहा। फिल्म ने पहले वीकेंड 74 करोड़ का बिजनेस किया था। दूसरे वीकेंड इसने 29 करोड़ का कलेक्शन किया। बाद में फिल्म की कमाई करोड़ों से लाखों पर आ गई। जॉली एलएलबी 3 ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नेट 1.8.65 करोड़ का कलेक्शन किया। इसका इंडिया में ग्रास कलेक्शन 129.9 करोड़ रहा। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई 159 करोड़ रही। वहीं, ओवरसीज में इसने 29.1 करोड़ का कारोबार किया।

जॉली एलएलबी 3 का बजट

अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी 3 को 120 करोड़ के बजट में बनाया गया था। इसका निर्माण स्टार स्टूडियो18 और कांगड़ा टॉकीज के बैनर तले किया गया। इसके प्रोड्यूसर आलोक जैन और अजीत अंधारे हैं। फिल्म कहानी यूपी पर बेस्ड थी।

लौट रहा है गुज़रे ज़माने का फैशन

साल बदलता है। फैशन बदलता है। कभी 70-80 का फैशन दोबारा ट्रेंड में आ जाता है तो कभी कुछ नया ही देखने को मिलता है। 2025 का यह साल भी फैशन में बहुत कुछ नया तो कुछ पुराना लेकर आया है। इसमें परंपरा का साथ है तो आधुनिकता का स्टाइल भी। ऐसे में कई फैशन लवर्स के मन में सवाल होगा कि ये कौन से नए फैशन ट्रेंड्स हैं, जो इस साल राज करने वाले हैं।

फ्यूजन फिर भाएगा

पायजामे के साथ कुर्ता, क्रॉप टॉप के साथ साड़ी और ट्यूनिक्स के साथ पहना जाने वाला प्लाजो फ्यूजन के कुछ उदाहरण हैं, जो इस साल खूब चलन में रहेंगे। इसमें परंपरागत परिधानों के साथ पश्चिमी परिधानों का तड़का इन्हें ग्लैमरस लुक देगा। सबसे लोकप्रिय और हॉट फ्यूजन ट्रेंड में एथनिक जंप सूट शामिल है। यह भारतीय पैटर्न और कपड़ों के साथ संयुक्त रूप से बनाए जाएंगे, जो आधुनिक महिलाओं को एक स्टाइलिश और अनूठा लुक देंगे।

कलर, जो शालीनता लाएं

लहंगों से लेकर सलवार-कमीज तक बोल्ड रंग पहनावे को जीवंत बनाएंगे। बेज, ऑलिव और पेस्टल पिंक जैसे न्यूट्रल शेड्स भी उन महिलाओं के लिए स्टाइल में हैं, जो पहनावे में शालीनता और सुंदरता पसंद करती हैं। कई अन्य रंग, जैसे-चेरी रेड, सेलेस्टियल येलो, ऑलिव ग्रीन, लैवेंडर और सॉफ्ट पिंक भी चलन में रहेंगे।

स्लीव्स में खास

आस्तीन में इस साल डिजाइनर बेल, पफ और फ्लेयर्ड डिजाइन ट्रेंड में रहेंगे। ये स्लीव्स कपड़ों में वॉल्यूम और स्टाइल जोड़ते हुए एथनिक ड्रेस को एक स्टाइलिश लुक देती हैं। पफ स्लीव्स सलवार-कमीज सेट को एक क्यूट लुक देती हैं। स्टेटमेंट स्लीव्स उन महिलाओं के लिए आदर्श हैं, जो अपनी एथनिक ड्रेस को खास लुक देना चाहती हैं और कुछ नया प्रयोग करना चाहती हैं।

सोने-चांदी की चमक

चाहे परिधान शादी के लिए हो या किसी विशेष उत्सव के लिए, धातु के धागे से बनीं सुंदर आकृतियां ड्रेस को खास बना देती हैं। जब आप ऐसे परिधान को किसी उत्सव में पहनती हैं तो ये अलग ही चमक देती हैं। इस साल साड़ियों, लहंगों और कुर्तों पर धातु की कढ़ाई की वापसी होगी। इसके अलावा पारंपरिक परिधानों में नाजुक कढ़ाई और सूक्ष्म विवरण लोकप्रिय रहेंगे। रेशम के सादे कुर्ते सेट या साड़ी पर कम कढ़ाई वाले बॉर्डर पर फ्लोरल एंब्रॉयडरी उन महिलाओं के लिए आदर्श है, जो साधारण डिजाइन पसंद करती हैं।

पैस्ले, मोर और कमल के फूलों जैसे क्लासिक प्रिंट इस साल एक नए और आधुनिक रूप के साथ फिर से चलन में रहेंगे। ये प्रिंट युवा पीढ़ी को आकर्षित करते हुए विरासत को भी संजोते हैं। आप बोल्ड, बड़े प्रिंट या धातु के धागों में बनी डिजाइन वाली साड़ियों और कुर्तों से खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

आरामदायक फुटवियर

यह साल आरामदायक फुटवियर को अपनाने का होगा। अधिकतर महिलाएं जूतियां, कोल्हापुरी और स्लाइडर का चुनाव करेंगी। पारंपरिक जूतियां और कोल्हापुरी विभिन्न रंगों, डिजाइनों और आरामदायक विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगी।

आप लॉन्ग स्कर्ट के साथ इस तरह का प्रिंटेड ब्लाउज स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लाउज को और स्टाइलिश बनाने के लिए आप श्रग को पहन सकती हैं।

साथ ही आप लुक को कंप्लीट करने के लिए इस तरीके से बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। ऐसी ऑउटफिट को बनाने के लिए आप रेडीमेड ब्लाउज को खरीद सकती हैं।

ऐसा ब्लाउज आपको मार्केट में करीब 500 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा।

स्कर्ट के लिए आप घर पड़ी किसी पुरानी साड़ी को चुन सकती हैं और अपने हिसाब से कस्टमाइज करवा सकती हैं।

क्लासी और यूनिक लुक पाने के लिए आप कुछ इस तरीके के ऑउटफिट से प्रभावित हो सकती हैं।

ऐसा ऑउटफिट आपको कम से कम 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा।

इस तरीके के ऑउटफिट को आप किसी भी फंक्शन तथा फेस्टिवल के लिए ट्राई कर सकती हैं।

स्लीव्स को यूनिक लुक देने के लिए इस तरह से लूज छोड़ा गया है, जो कि देखने में बेहद ट्रेंडी दिखाई दे रहा है।

इसी के साथ अगर आपको ये फ्यूजन ऑउटफिट के डिजाइन तथा उन से जुड़ी सभी बातें पसंद आई हो तो इस आर्टिकल को शेयर करना बिल्कुल न भूलें।

फॉर्मल वियर में इस तरह पाएं परफेक्ट लुक

फॉर्मल लुक में परफेक्शन चाहिए तो सही ड्रेसिंग स्टाइल अपनाना जरूरी है. एक अच्छी फिटिंग का सूट, क्लासिक शर्ट और सही एक्सेसरीज आपके लुक को एलिगेंट बनाते हैं. ग्रूमिंग और कॉन्फिडेंस भी फॉर्मल स्टाइलिंग का अहम हिस्सा हैं. सही चुनाव से आप हर फॉर्मल इवेंट में स्टाइलिश और प्रोफेशनल नजर आ सकते हैं. आज के जमाने में पहला इंप्रेशन काफी मायने रखता है और आपके कपड़े बिना कुछ कहे ही आपकी शख्सियत का परिचय दे देते हैं. किसी भी फॉर्मल इवेंट, चाहे वह शादी हो, कॉर्पोरेट मीटिंग हो या फिर कोई गाला, उसमें सही ढंग से तैयार होना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्टाइल का परफेक्ट मिक्सचर भी होता है. पुरुषों के फॉर्मल वियर में बीते कुछ दशकों में जबरदस्त बदलाव आया है. यह अब केवल ट्रेडिशन आउटफिट नहीं रहा, बल्कि सही ढंग से पहना जाए तो यह आपकी पर्सनैलिटी को आउटस्टैंडिंग लुक देने का काम भी करता है. आइए जानते हैं कुछ जरूरी फैशन टिप्स, जो आपके फॉर्मल लुक को परफेक्ट बना सकते हैं. एक अच्छी फिटिंग वाली ड्रेस शर्ट आपके पूरे लुक का आधार होती है. यह आपके पर्सनैलिटी में एक निखार लाती है और आपको अधिक क्लासिक और प्रोफेशनल बनाती है. अगर आप स्टाइल में थोड़ा बदलाव चाहते हैं, तो हल्के रंगों या स्ट्राइप्स वाली शर्ट भी चुन सकते हैं.क्लासिक शर्ट को हाइब्रिड या नॉन-आयरन ट्राउजर के साथ पेयर करें. ये ट्राउजर आरामदायक होने के साथ-साथ आपको दिनभर फ्रेश लुक भी देते हैं. सही फिटिंग वाला ट्राउजर आपके लुक को और ज्यादा स्टाइलिश बनाता है.छोटे-छोटे फैशन डिटेल्स आपके लुक को खास बना सकते हैं. अच्छी क्वालिटी की सिल्क टाई, पॉकेट स्क्वायर, स्टाइलिश कफलिंक और एक ब्रांडेड घड़ी आपके पूरे लुक को शानदार बना सकते हैं. फॉर्मल लुक में सबसे जरूरी होता है एक अच्छी फिटिंग वाला सूट. हमेशा ऐसे सूट का चुनाव करें जो आपके शरीर के अनुरूप हो और जिसमें आपको आत्मविश्वास महसूस हो. जैकेट का सही फिट होना बेहद जरूरी है, जिससे आपकी पर्सनालिटी और निखरकर सामने आए.

दिवाली की मिठाइयाँ और व्यंजन बनाने की रेसिपीज

दीपावली की बात आती है तो मन में बहुत से सपने खिल उठते (Diwali Sweets In Hindi) हैं। यह त्यौहार है ही बहुत रंग बिरंगा और खुशियों से भरा हुआ। दीपावली का त्यौहार वैसे तो सबके लिए खुशियों के साथ-साथ व्यवस्था से भी भरा होता है परंतु यह महिलाओं के लिए तो काफी ही व्यस्त रखने वाला त्यौहार होता है क्योंकि इसमें महिलाओं को बहुत सारे काम करने होते (Diwali Ki Mithai) हैं जैसे पूरे घर की एक्स्ट्रा सफाई करवाना, घर के लिए पूरी शॉपिंग करना जैसे पटाखों की शॉपिंग, सजावट के सामान और घर में सभी के लिए नए कपड़े खरीदने की शॉपिंग। इसके अलावा इस त्यौहार पर महिलाएं शाही पकवान बनाती (Diwali Sweets Recipes In Hindi) हैं जैसे कई तरह की मिठाइयां, दही भल्ले, दही पापड़ी आदि। यदि आपके द्वारा बनाई गई मिठाइयों को आपके घर वालों, रिश्तेदारों या फिर दोस्तों से सराह जाए तो आप बहुत खुश होगी और ऐसा महसूस करेंगी कि जैसी आपकी सारी थकान ही मिट गई हो। तो आइए जानते (Diwali Ki Mithaiyan Banana) हैं दीपावली के त्यौहार पर विशेष प्रकार की पारंपरिक मिठाईयां बनाने की विधियाँ।

मूंग दाल का हलवा

सामग्रीः मूंग दाल एक कप बारीक पिसी हुई आधा कप चीनी, 1 कप दूध, घी, बादाम किशमिश, केसर के धागे

विधि सबसे पहले आप थोड़े से गुनगुने दूध में केसर के धागे डाल कर अच्छे से मिला ले। किशमिश को भी एक कटोरी गुनगुने पानी में भिगो दें। उसके बाद एक पैन लेकर उसमें घी डालकर गर्म करें और जब घी गर्म हो जाए तो गैस धीमा कर दें और फिर उसमें पिसी हुई मूंग दाल डाल कर धीरे-धीरे चलाते रहे ताकि वह चिपके नहीं। जब दाल सिकने की खुशबू आने लगे और दाल थोड़ा घी छोड़ने लगे तब पहले उसने केसर वाला दूध और फिर बाकी बचा हुआ दूध डाल दें और चम्मच से चलाते रहें। जब दूध सारा सुख जाए तब इसमें आप चीनी डालकर चम्मच से चलाएं और साथ के साथ किशमिश डाल दें। जब हलवा अच्छे से बन जाए तो आप गैस बंद कर दें। अंत में आप हलवे के ऊपर कटे हुए बदाम के टुकड़े डालकर सजाएं और गरमा गरम मूंग दाल के हलवे का आनंद उठाएं।

अखरोट की बर्फी

अखरोट एक बहुत ही फायदेमंद मेवा है और इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं।

सामग्रीः अखरोट एक कप बारीक पिसा हुआ चीनी आधा कप, पानी आधा कप
घी या तेल थाली को चिकना करने के लिए

विधिःसबसे पहले गैस पर एक पैन रखें, फिर उसमें पानी और चीनी डालकर उबालें। जब वह उबल कर दो तार की चाशनी बन जाए तो गैस एक बार के लिए बंद कर दें। उसके बाद चाशनी में फटाफट पीसा हुआ अखरोट डालकर मिलाएं।

इसमें आपको मिलाने के लिए हाथ थोड़ा जल्दी चलाना होगा ताकि चासनी में अखरोट पाउडर अच्छे से मिल जाए।अब गैस वापस चालू करें और अखरोट और चाशनी के मिश्रण को किनारे छोड़ने तक पकाएं।ध्यान रखे कि गैस को धीमा ही रखें व अंत में गैस बंद कर दें और एक थाली लेकर उसमें थोड़ा तेल लगाकर चिकना करें।उसके बाद अखरोट और चाशनी के मिश्रण को थाली में डालकर हाथ से अच्छे से फैला दें। अब इस मिश्रण को 15 से 20 मिनट के लिए ठंडा होने दें।जब मिश्रण ठंडा हो जाए तब उस मिश्रण को आप अपने मनचाहे आकार में काट लें।नोटः अखरोट की बर्फी बनाने के लिए अखरोट का आटा बारीक पिसे। अगर आपकी चाशनी सही है तो बर्फी भी सही बनेगी।

शक्करपारे

शक्करपारे राजस्थान की एक खास मिठाई है जो खासकर दीपावली पर बनाई जाती है।

सामग्री मैदा 2 कप घी या तेल 4 बड़े चम्मच मोयन के लिए घी या तेल तलने के लिए
पानी गुनगुना आधा कप लगभग मैदा गूंदने के लिए चाशनी बनाने के लिए सामग्रीः
शक्कर या चीनी 1 कप पानी आधा कप इलायची पाउडर आधी चम्मच विधिः सबसे पहले आप एक बड़े बर्तन में मैदा छान ले फिर उसने गर्म घी या तेल मोइन के लिए डालें। मैदे को हथेली से रगड़ कर अच्छे से मिला ले। मोयन मिलने की पहचान है जब मैदे को मुट्ठी में भरते हैं तो वह लड्डू सा बन जाता है। उसके बाद थोड़ा-थोड़ा गुनगुना पानी डालकर मैदे को गूंथ लें। आटा ना ही ज्यादा कड़ा हो और ना ही ज्यादा गर्म। गूथे हुए मैदे को 15 से 20 मिनट तक गीले कपड़े से ढक कर रखें। उसके बाद हाथ चिकने करके आटे की छोटी-छोटी लोई बनाकर आम रोटी की तरह थोड़ी बड़ी रोटी बेल ले। फिर चाकू से लगभग आधा इंच की पतली-पतली पट्टियाँ काट ले। लंबाई आपका जितना मन करें उतनी रखें। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें और मध्यम आंच पर धीरे-धीरे करके सारे शक्करपारे हल्के गुलाबी होने तक सेक लें। इसके बाद एक कढ़ाई में पानी और चीनी शक्कर डालकर उबालें। जब उसमे उबाला आ जाए तो आंच को धीमा कर दें और चाशनी को धीरे-धीरे पकने दें। अब आप चाशनी में इलायची पाउडर को मिला दे और जब वह दो तार की हो जाए तो गैस बंद कर दें। उसके बाद तले हुए शकरपारे चाशनी में डालकर धीरे-धीरे ऊपर नीचे मिलाते हुए अच्छे से इनके ऊपर चाशनी चढ़ा दे। लो अब आपके शक्करपारे खाने के लिए तैयार है।

मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन कम्पनी

शुभकामनाएं कर्ता

मैसर्स पलिया कंस्ट्रक्शन कंपनी के संरक्षण श्री द्वारिका प्रसाद एवं उनके पुत्र मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर अनुप शर्मा तथा पोत्र इंजिनियर शिवम शर्मा, सत्य शर्मा एवं समस्त पलिया कंस्ट्रक्शन परिवार

|| हर हर महादेव ||

हमारा देश हमारा अभिमान

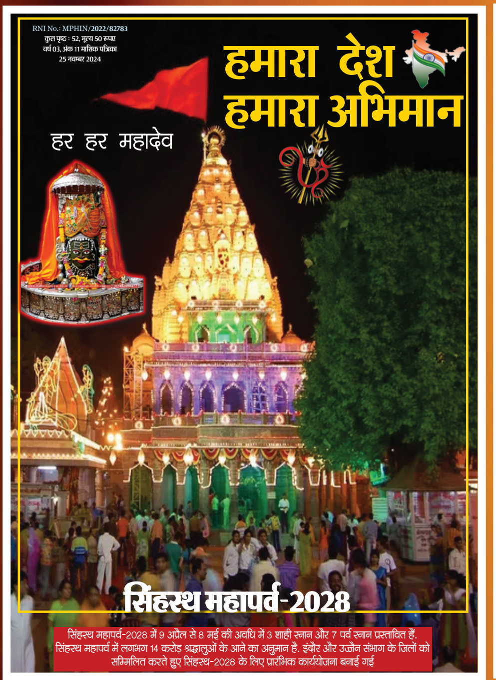

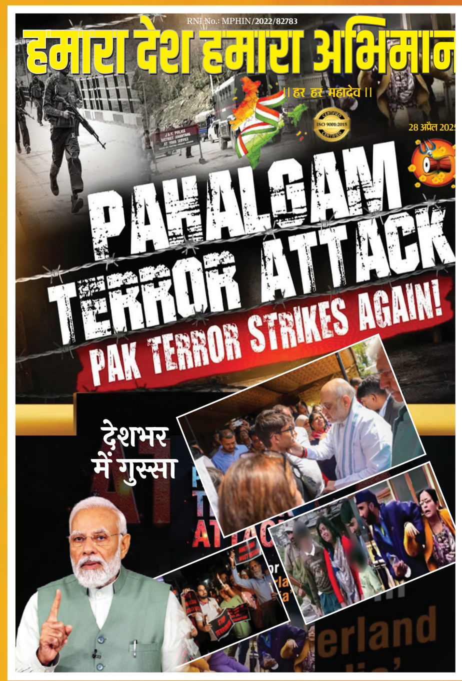

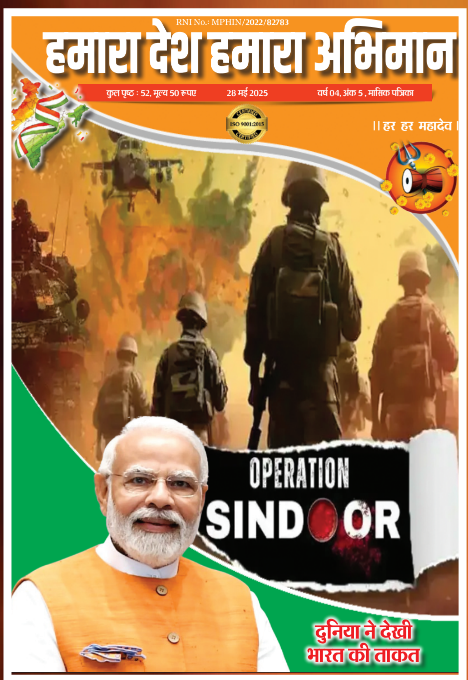

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें......

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136